भोपाल
रविवार, 26 जुलाई 2026
आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष-12
वर्ष : 13, अंक : 115
पृष्ठ : 14 मूल्य : 4.00 **

मौसम
अधि. 28
न्यूऩ. 24

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

कारगिल विजय दिवस आज

जंतर मंतर पर जश्न युवाओं ने कहा हम ही 'प्रधान'

इस्तीफे के बाद धर्मेंद्र प्रधान

पुलिस की लाठियों पर युवा 'हौसले' पड़े भारी

जंतर-मंतर से देश को मिला नया मंतर- डरो मत, लड़ो

गए 'प्रधान'...खत्म हुआ 'घमासान'

कॉकरोच जनता पार्टी के अभिजीत दीपके ने जंतर-मंतर पर कहा -झुकती हैं सरकारें...झुकाने वाला चाहिए

युवा क्रांति ने तोड़ी 'भ्रांति'

36 दिन का धरना...25 दिन का अनशन...21 छात्रों की खुदकुशी...करीब 90 छात्रों का खून बहा...तब जाकर झुकी सरकार...सीजेपी की तीनों मांगें मानी

दीपके ने प्रधान के इस्तीफे के बाद कहा कि यह तो शुरुआत है। ये पहला विकेट गिरा है। ये लोग अपने को बादशाह समझ बैठे थे। ये हमसे बादशाह हैं। इनको लाइन पर लाना जरूरी था और यह, इस देश के युवाओं ने कर दिखाया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

यंगिस्तान जिंदाबाद...राजनीति ये नारा पिछले 14 साल से लगा रही है। पर, इसी राजनीति ने इस यंगिस्तान को जंगिस्तान बना डाला। न नौकरियां। न आगे बढ़ने के अवसर। प्रतियोगी परीक्षाओं में करप्शन। प्रतिभाशाली युवा पीछे और करप्ट सिस्टम के लोग आगे। ये विचार जंतर मंतर पर 36 दिन से आंदोलनरत युवाओं के थे। 36 दिन पहले किसने सोचा था कि एक लड़का अभिजीत दीपके अमेरिका से आएगा और सिस्टम को पलट देगा। सीजेआई सूर्यकांत ने बेरोजगार युवाओं को कॉकरोच क्या कहा। दीपके ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) खड़ी कर दी। भाजपा से ज्यादा उसके फॉलोअर्स हो गए। भारत के राजनेताओं को तब तक लग रहा था कि इन कॉकरोचों को हिट छिड़कर मारा जा सकता है। कांग्रेस और सारे विपक्षी दल देख रहे थे। केंद्र के मंत्री कह रहे थे कि ये अराजक लोग हैं। इनको लटका दो तो भाग जाएंगे। किन्ही मीडिया ने इस दौरान सत्ता का भारी नुकसान कर डाला। वे यही दिखाते रहे कि करीब 5 हजार ▶▶ शेष पेज 6 पर

आंदोलन की समाप्ति की घोषणा संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में की गई

सीजेपी की टीम एक माह बाद सरकार के साथ बैठक कर प्रगति की समीक्षा करेगी। इससे पहले मंगलवार को सरकार गारंटी पत्र सौंपेगी।

प्रधान का इस्तीफा मंजूर, जोशी संभालेंगे अतिरिक्त प्रभार

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा राष्ट्रपति ने मंजूर कर लिया है। वहीं उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

- शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दो पन्नों का इस्तीफा राष्ट्रपति को भेजा, इस्तीफा स्वीकार
- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा था- ये एनडीए सरकार है, यूपीए सरकार नहीं, यहां मंत्रियों के इस्तीफे नहीं होते
- केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था- 3-4 कॉकरोचों को लटका दो, ये दुम दबाकर भाग जाएंगे, इनको हमारी ताकत नहीं पता, हम किस हद तक जा सकते हैं

क्यों रुका था इस्तीफा?

संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने जैसे ही कहा कि युवाओं से संवाद कीजिए, विवाद नहीं, सरकार में हलचल तेज हुई और धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार दोपहर सीजेपी और सरकार से बातचीत के तीसरे दौर से घंटा भर पहले ही इस्तीफा दे दिया। माना जा रहा है कि संघ की हरी झंडी न मिलने से यह इस्तीफा रुका हुआ था

अब आगे क्या?

- अब विपक्ष और हमलावर होगा। क्योंकि, उसे युवाओं का साथ मिल गया है
- ई-20 पेट्रोल पर नितिन गड़करी को विपक्ष निशाने पर ले सकता है
- परिसीमन व महिला आरक्षण बिल को पास कराना सरकार के लिए मुश्किल होगा

कांग्रेस का बड़ा हमला

- प्रधान ने इस्तीफा नहीं दिया। उनको युवाओं ने बर्खास्त किया है। देश के युवा पीएम नरेंद्र मोदी के फ्रेंड नहीं

भाजपा का स्पष्टीकरण

- पीएम को देश के युवाओं की चिंता। इसलिए, उनकी सभी मांगों को माना गया। विपक्ष इस पर राजनीति न करे

कॉकरोच जनता पार्टी की ये थी 3 मांगें

1. धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा
2. खुदकुशी करने वाले छात्रों के परिजनों को 1 करोड़ मुआवजा
3. प्रदर्शनकारी छात्रों से सभी राज्यों में केस वापस लिए जाएं

सीजेपी ने कहा

सभी प्रदर्शनकारी घर लौट जाएं

कॉकरोच जनता पार्टी ने शनिवार को आंदोलन खत्म कर दिया। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, जितेंद्र सिंह के साथ प्रवक्ता सौरभ दास, आशुतोष रांका ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका ऐलान किया। सौरभ दास ने कहा कि जंतर-मंतर पर मौजूद सभी प्रदर्शनकारी अब अपने घर लौट ▶▶ शेष पेज 6 पर

प्रधान ने बदला बायो

कहा-10 दिन का घटनाक्रम देखकर मेरा मन दुखी

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को 'एक्स' पर अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा कि उन्होंने अपना त्यागपत्र प्रधानमंत्री को भेज दिया है। प्रधान ने कहा कि पिछले 10 दिन का ▶▶ शेष पेज 6 पर

इससे पहले संघ प्रमुख डॉ. भागवत बोले

नई पीढ़ी को आदेश न दें उनसे बातचीत करें

आरएसएस प्रमुख डॉ.मोहन भागवत ने शनिवार को दिल्ली में कहा कि आज की नई पीढ़ी बहुत सारे सवाल पूछती ▶▶ शेष पेज 6 पर

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बोले

पीएम मोदी मांगें माफी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सीजेपी आंदोलन की सफलता को छात्रों की जीत बताते हुए धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का स्वागत किया। उन्होंने ▶▶ शेष पेज 6 पर

सोनम वांगचुक बोले

यह लोकतंत्र और शांतिपूर्ण जनआंदोलन की जीत

सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने विक्ट्री साइन दिखाते हुए इस्तीफे को लोकतंत्र और शांतिपूर्ण ▶▶ शेष पेज 6 पर

ये 36 दिन

6 जून को दिल्ली एयरपोर्ट पर बाबा साहेब की तस्वीर के साथ

युवाओं के साथ जंतर मंतर पर धरना शुरु किया

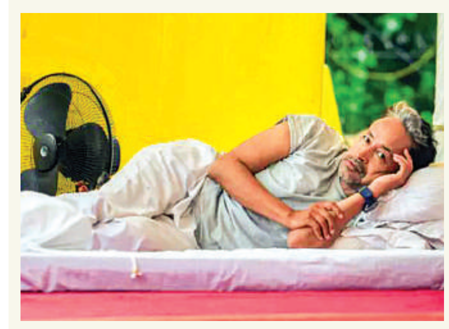

सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने अनशन शुरु किया

दुखी मन से पुलिस के पैरों में गिरे दीपके

लाठी चार्ज हुआ और सांसद राहुल को उठा लिया गया

दीपके की मां अनीता के निकले खुशी के आंसू, बोली हो गई जीत

देश के कई शहरों से लोगों ने ऑनलाइन खाना भिजवाया

'हरिभूमि' कवरेज में रहा सबसे आगे

'भारतीय ज्ञान परंपरा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति' विषय पर वाराणसी में व्याख्यान

डॉ. द्विवेदी ने कहा- शिक्षा में हो रहे नीतिगत बदलाव ही मनुष्य को संवेदनशील बनाएंगे

जो शिक्षा और शिक्षा नीति संस्कारों को विस्तार न दे सके वह व्यर्थ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ वाराणसी

डॉ. हिमांशु द्विवेदी

अंतर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षा केंद्र द्वारा शब्दन फाउंडेशन के सहयोग से 'भारतीय ज्ञान परंपरा एवं राष्ट्रीय शिक्षा' नीति विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि 'हरिभूमि' के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ▶▶ शेष पेज 6 पर

अतिथि विद्वानों के साथ डॉ. द्विवेदी

शिक्षा की अवधारणा संस्कारों के बगैर अधूरी

स्वागत वक्तव्य और विषय प्रवेश पर बोलते हुए प्रो. गुरु प्रसाद सिंह ने शिक्षा के सहकार के अर्थ बताते हुए कहा कि जिस शिक्षा की अवधारणा को आत्मसात करना चाहते हैं वो संस्कारों के बगैर अधूरी है। मुख्य वक्ता ▶▶ शेष पेज 6 पर

दतिया विधानसभा क्षेत्र के उदगवां में सीएम डॉ. यादव ने किया खुलासा

कई कांग्रेस नेताओं ने फोन कर बताया कि हमसे गलती हो गई, कांग्रेस तो डूबता जहाज है, इसमें कौन बैठेगा ?

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस की तुलना बेशरम और गाजर घास से की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भाजपा सरकार दतिया को विकास के मामले में प्रदेश का नंबर-1 क्षेत्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। भाजपा के वरिष्ठ नेता नरोत्तम मिश्रा ने दतिया में विकास कार्यों की शुरुआत की थी, लेकिन कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद विकास का पहिया थम गया। यह उपचुनाव दतिया के विकास को फिर से गति देने का मौका है। मुख्यमंत्री शनिवार को दतिया उप चुनाव में चुनाव सभा का संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दतिया में कई जगहों ▶▶ शेष पेज 6 पर

सीएम डॉ. यादव दतिया में चुनाव सभा संबोधित करते हुए

कांग्रेसी नेता हमारे देवी-देवताओं से नफरत करते हैं

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेसी नेता हमारे देवी-देवताओं से नफरत करते हैं। अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य और दिव्य मंदिर बन गया, लेकिन विपक्ष के नेता राहुल गांधी कभी दर्शन करने मंदिर नहीं गए। उनकी पार्टी ने पहले भगवान के जन्म को लेकर सवाल खड़े किए। कांग्रेसी भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण से खुद को दूर रखते हैं। हमारी सरकार चित्रकूट को भव्य तीर्थ स्थल के रूप में विकसित करेगी।

कांग्रेस पर लगाया किसानों और युवाओं की अनदेखी का आरोप

डॉ. यादव ने कहा कि कांग्रेस पर किसानों और युवाओं की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस ने लंबे समय तक झूठ और फरेब की राजनीति की। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जो वादा करती ▶▶ शेष पेज 6 पर

स्मार्ट मीटर से बढ़ी उपभोक्ताओं की चिंता, कम खपत पर भी हजारों का बिल

स्मार्ट मीटर ने बढ़ाई टेंशनः ऑनलाइन शिकायत के बाद भी नहीं हुई जांच, बिल तो बढ़ा लेकिन सुनवाई नहीं, उपभोक्ता परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी के एमपी नगर जोन-1 के राजीव नगर और अयोध्या नगर में स्मार्ट मीटर लगने के बाद बढ़े बिजली बिल को लेकर लोगों में नाराजगी है। उपभोक्ताओं का कहना है कि पहले उनका मासिक बिजली बिल 200 से 500 रुपये के बीच आता था, लेकिन स्मार्ट मीटर लगने के बाद वही बिल 2 हजार से 4 हजार रुपये तक पहुंच गया है। राजीव नगर में आयोजित बिजली उपभोक्ता शिविर में लोगों ने अपनी शिकायतें रखीं। उपभोक्ता मुईक खान ने बताया कि उनके घर में केवल एक सीलिंग फैन और दो सीएफएल बल्ब चलते हैं, फिर भी उन्हें 2,200 रुपये का बिजली बिल भेज दिया गया।

स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली बिल दो-तीन हजार रुपए तक पहुंचने का दावा

उपभोक्ताओं ने ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई, लेकिन जांच नहीं हुई

- अधिकारी नहीं दे रहे संतोषजनक जवाब, बिजली के बिल से लोग परेशान
- स्मार्ट मीटर से बढ़ा बिजली बिल, 200 रुपए से सीधे 2 से 4 हजार तक पहुंची राशि

शिविर में शिकायत दर्ज कराते उपभोक्ता।

बिजली कंपनी ने कहा- मीटर सही, जितनी खपत उतना बिल

शिकायतों का नहीं हो रहा समाधान...

उपभोक्ताओं का आरोप है कि ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने के कई दिन बाद भी बिजली कंपनी की ओर से न तो कोई अधिकारी संपर्क कर रहा है और न ही शिकायत का समाधान हो रहा है। लोगों का कहना है कि महंगाई के दौर में 2 से 5 हजार रुपये तक का बिजली बिल भरना मुश्किल हो गया है।

बिल सत्यापन की मांग...

क्षेत्रवासियों ने स्मार्ट मीटर की निष्पक्ष जांच, बढ़े हुए बिजली बिलों का सत्यापन और लंबित शिकायतों के जल्द निराकरण की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे जिला प्रशासन और उच्च अधिकारियों से सामूहिक शिकायत करेंगे।

बिजली कंपनी का पक्ष..

बिजली कंपनी के सहायक अभियंता (एई) अजय उईके ने कहा कि सभी स्मार्ट मीटर जांच के बाद ही लगाए गए हैं। जितनी बिजली की खपत होगी, उसी के अनुसार बिल आएगा। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर को लेकर लोगों में भ्रम है। यदि कोई उपभोक्ता एक दिन में 5 यूनिट से कम बिजली खर्च करता है, तो उसे सरकार की सब्सिडी का लाभ मिलेगा।

योग निद्रा में श्रीहरि, 118 दिनों तक भगवान भोलेनाथ करेंगे सृष्टि का संचालन

देवशयनी एकादशी पर मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना व श्रृंगार-अभिषेक, भगवान विष्णु का मनाया शयनोत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

आषाढ़ शुक्ल पक्ष देवशयनी एकादशी शनिवार को सर्वार्थ सिद्धि योग का शुभ संयोग मनाई गई। इस शुभ योग में श्रीहरि योग निद्रा में चले गए है। वे 118 दिन बाद 21 नवंबर को देवउठनी एकादशी पर फिर से सृष्टि का कार्यभार संभालेंगे। सृष्टि की सत्ता भोलेनाथ को सौंप दी है। राजधानी के लोगों ने घरों व मंदिरों में भगवान विष्णु व श्रीकृष्ण भगवान गंगा जल से अभिषेक कर विशेष पूजा-पाठ की गई, लोगों ने व्रत रखा। मां चामुंडा दरबार के गुरु पंडित रामजीवन दुबे ने शनिवार को देवशयनी एकादशी के साथ श्रीहरि विष्णु क्षीरसागर में शयन पर चले गए। इसके साथ ही करीब चार माह के लिए विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश सहित विभिन्न मांगलिक कार्यों पर विराम लग गया।

सोलह वेदोक्त मंत्रों के साथ किया अभिषेक...

बिड़ला मंदिर में भगवान लक्ष्मीनारायण के शयनोत्सव पर विशेष पूजा-अर्चना की गई। सोलह वेदोक्त मंत्रों के साथ भगवान का अभिषेक किया गया। माता लक्ष्मी का पूजन श्री सूक्त स्त्रोत के साथ किया गया। गुफा मंदिर के पंडित लेखराज शर्मा ने बताया कि मंदिर में पद्मनाभ भगवान विष्णु के क्षीर सागर शैया के विग्रह का पंचामृत अभिषेक किया गया। इस अवसर पर शयन उत्सव के साथ भगवान विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ 21 वैदिक ब्राह्मणों द्वारा किया गया।

मंदिरों में हुए श्रृंगार, अभिषेक, हवन-पूजन

इस अवसर पर शनिवार को मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, श्रृंगार, अभिषेक, हवन-पूजन के साथ भगवान का शयनोत्सव मनाया गया। जिसमें भगवान विष्णु को पालने में सुलाया गया। श्री बांके बिहारी लालजी मार्कंडेय महाराज मंदिर तलैया चौबदारपुरा में श्रीसूक्त और वेदोक्त मंत्रों से भगवान का अभिषेक, पूजन के साथ शयनोत्सव मनाया गया। मंदिर में भगवान बकि बिहारी के नेत्रों का श्रृंगार किया गया। इसी तरह लखेरापुरा स्थित श्रीनाथ जी मंदिर, इब्राहिमपुरा स्थित श्री राधावल्लभ मंदिर, श्रीहित रसिक मंडली, मारवाड़ी रोड स्थित श्री बकि बिहारी मंदिर, टीला जमालपुरा स्थित गोपाल मंदिर सहित अन्य मंदिरों में श्रीहरि का शयनोत्सव मनाया गया।

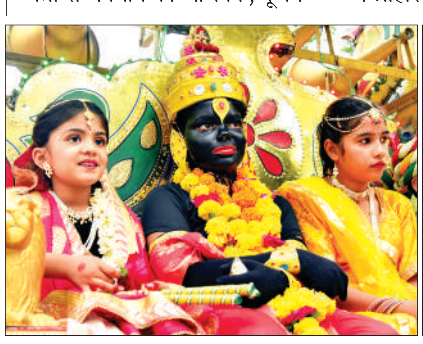

खाटू श्याम भगवान को लगाया 56 भोग

प्लेटिनम प्लाजा स्थित मां वैष्णो धाम आदर्श नव दुर्गा मंदिर स्थापित खाटू श्याम महाराज को फूलों के बंगले में विराजमान किया गया। भगवान को 56 भोग भी लगाया गया। राजीव नगर ए सेक्टर स्थित भगवान खाटू श्याम जी का विशेष पूजन अभिषेक किया गया। कोलार रोड स्थित खाटू श्याम मंदिर में सुबह भगवान का पंचामृत से अभिषेक के बाद फूलों से श्रृंगार किया गया।

श्री बांके बिहारी का नेत्र परिवर्तन कर किया श्रृंगार

देवशयनी एकादशी पर तलैया चौबदारपुरा स्थित श्री बांके बिहारी मार्कण्य मंदिर में भगवान विष्णु का पूर्ण अवतार मानकर भगवान श्री बांके बिहारी का नेत्र परिवर्तन विधान करके उनका स्वरूप श्रृंगार किया गया। शयन उत्सव के दौरान भगवान का अभिषेक पूजन करके उनका वैदिक विधि विधान से नेत्र परिवर्तन किए गए।

बड़ी संख्या में मौजूद रहे श्रद्धालु

विठ्ठल-विठ्ठल के जयघोष के साथ निकाली दिंडी यात्रा

1100 क्वार्टर से निकली शोभायात्रा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

देवशयनी एकादशी पर शनिवार को समग्र मराठी समाज मप्र की ओर से दिंडी यात्रा निकाली गई। शाम छह बजे 1100 क्वार्टर स्थित श्री गणपति मंदिर से यात्रा शुरू हुई, जो लोकमान्य तिलक चौराहा, बघीरा अपार्टमेंट्स, विठ्ठल मार्केट, अपेक्स बैंक कवाटर्स, हबीबगंज थाना चौराहा, सद्गुरु नागरिक बैंक, रविशंकर चौराहा, मेट्रो प्लाजा,भोजपुर क्लब, होकर दंत मंदिर अरेरा कालोनी पहुंची, जहां पर यात्रा का समापन किया गया। इस दौरान श्रद्धालु श्री हरि विठ्ठल के जयकारे लगाते रहे। चारों तरफ जयकारे गूंजते रहे। हर वर्ष की तरह इस बार भी भगवान विठ्ठल की पालकी, शोभायात्रा में मंजीरे व मृदंग के साथ ही,ढपली ढोल-ताशे, भजन-कीर्तन गाते हुए लोग दिंडी यात्रा में चले। पुरुषों ने सफेद वस्त्र टोपी और महिलाओं ने केसरिया, पीले वस्त्र धारण किए थे। साथ ही ध्वज मंजीरे, ढोल व

संगीत वाहन से विठ्ठल के भजनों ने यात्रा मार्ग का माहौल धार्मिक हो गया। ध्वज धारकों के पीछे पालकी थी। इसमें संत ज्ञानेश्वर महाराज के फोटो को सजाया गया था। पालकी के आसपास चलित विधुत सज्जा की गई थी। यात्रा मार्ग बग्गी में छोटे बच्चों को विठ्ठल, रुक्मणि, तुकाराम, संत ज्ञानेश्वर, कृष्ण, अहिल्याबाई, भारत माता आदि वेशभूषा में बैठाया, जो आकर्षण का केंद्र रहा। लोग गाड़ियों को रोककर यात्रा को को देखते हुए दिखाई दिए। यात्रा मार्ग को तत्काल साफ करते हुए लोग चलते रहे। इस अवसर पर वेदमूर्ति पंडित मोरेश्वर राखे का सम्मान भी किया गया।

मानसरोवर कॉलेज में 'सीडीई' आयोजित

कैल्सीफाइड कैनाल के ट्रीटमेंट में कौशल-विशेषज्ञता से सफलता तय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल। गाइडेड एंडोडॉन्टिक्स पर मध्यभारत का पहला कार्यक्रम डेंटल एजुकेशन यूनिट द्वारा कंजर्वेटिव डेंटेस्ट्री एंड एंडोडॉन्टिक्स विभाग के तत्वावधान में मध्य प्रदेश स्टेट डेंटल काउंसिल और इंडियन डेंटल एसोसिएशन के सहयोग से मानसरोवर डेंटल कॉलेज में आयोजित किया गया। गाइडेड एंडोडॉन्टिक्सः अ गेटवे टू कैल्सीफाइड कैनाल्स विषय पर आधारित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने पल्प कैनाल कैल्सीफिकेशन जैसे जटिल विषय को समझने के साथ ही इंटरैक्टिव सेशन में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मप्र स्टेट डेंटल काउंसिल, इंदौर के अध्यक्ष डॉ. चंद्रेश शुक्ला, विशिष्ट अतिथि इंडियन डेंटल एसोसिएशन, भोपाल के अध्यक्ष डॉ. सौरभ दांत्रे, मुख्य वक्ता एम्स नई दिल्ली के कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री एंड एंडोडॉन्टिक्स विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सिद्धार्थ शर्मा, मानसरोवर डेंटल कॉलेज के डीन डॉ. बी. गुरुदत्त नायक, वाइस प्रिंसिपल डॉ. तृप्ति राहंगडाले द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि डॉ. चंद्रेश शुक्ला ने कहा कि कैल्सीफाइड कैनाल का ट्रीटमेंट सबसे चुनौतीपूर्ण माना जाता है, लेकिन सही कौशल और विशेषज्ञता के साथ इसमें शत-प्रतिशत सफलता हासिल की जा सकती है।

गुरु की कृपा और उनका सानिध्य ही सबसे महत्वपूर्णः डॉ. दांत्रे

विशिष्ट अतिथि डॉ. सौरभ दांत्रे ने आईडीए को डेंटल कॉलेज की एक मजबूत नींव बताया। उन्होंने कहा कि ध्यान से लेकर मोक्ष तक गुरु की कृपा और उनका सानिध्य ही सबसे महत्वपूर्ण है। प्रमुख वक्ता डॉ. सिद्धार्थ शर्मा ने कैल्सीफाइड कैनाल की जटिलताओं और उनके प्रबंधन के बारे में बताया। उन्होंने दांतों की नसों में कैल्शियम जमा होने की प्रक्रिया के बारे में बताते हुए बढ़ती उम्र, डेंटल ट्रॉमा, लंबे समय से कैरीज आदि कारणों और रेस्टोरेटिव प्रोसीजर के कारण पल्प पर पड़ने वाले प्रभाव को समझाया। इससे पहले कार्यक्रम अध्यक्ष और मानसरोवर डेंटल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. बी. गुरुदत्त नायक ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए एंडोडॉन्टिक्स के भविष्य पर चर्चा की। उन्होंने निरंतर सीखते रहने की अवधारणा को बेहद प्रेरणादायक स्वरूप में प्रस्तुत किया। इस दौरान आयोजन सचिव डॉ. राहुल श्रीवास्तव सहित आयोजन समिति में डॉ. मौलश्री गुलेरिया द्विवेदी, डॉ. दीपक सिंह किरार, डॉ. नेहा गौर, डॉ. प्रतिभा शर्मा, डॉ. नेहा सिंह आदि सहित प्राध्यापक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने कहा-

स्थाई समाधान होने तक नगर निगम की कार्रवाई पर लगे रोक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने नगर निगम भोपाल द्वारा आवासीय परिसरों में संचालित व्यावसायिक गतिविधियों के विरुद्ध जारी किए जा रहे नोटिसों पर चिंता व्यक्त करते हुए प्रदेश शासन से मांग की है कि जब तक इस समस्या का कोई स्थाई एवं व्यवहारिक समाधान नहीं निकल जाता, तब तक नगर निगम भोपाल द्वारा व्यापारियों के विरुद्ध की जाने वाली समस्त दण्डात्मक एवं कठोर कार्यवाहियों को तत्काल प्रभाव से स्थगित किया जाए। साथ ही, भोपाल के प्रमुख मार्गों एवं मुख्य सड़कों पर वर्षों से संचालित व्यावसायिक गतिविधियों को जनहित एवं शहरी आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए मिक्स लैंड यूज़ नीति के अंतर्गत सम्मिलित किया जाए तथा नया मास्टर प्लान लागू होने तक एक अंतरिम नीति बनाकर व्यापारियों एवं आमजन के हितों की रक्षा सुनिश्चित की जाए। इसी विषय को लेकर भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष गोविंद गोयल के नेतृत्व में विभिन्न व्यापारिक संस्थाओ के प्रतिनिधि के साथ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल एवं अन्य जनप्रतिनिधियों को भी ज्ञापन प्रस्तुत कर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने व्यापारियों के समक्ष उत्पन्न होने वाली समस्याओं से अवगत कराते हुए अपनी मांगों को प्रमुखता से रखा।

भोपाल चेंबर ने कहा कि नगर निगम भोपाल की भवन अनुज्ञा शाखा द्वारा 17 जुलाई से व्यापारियों को नोटिस जारी कर मात्र 10 दिनों के भीतर अपनी व्यावसायिक गतिविधियां बंद करने अथवा उन्हें पूर्णतः आवासीय स्वरूप में परिवर्तित करने के निर्देश दिए जा रहे हैं। यह निर्णय हजारों व्यापारियों एवं उनसे जुड़े लाखों लोगों की आजीविका को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करेगा। उन्होंने बताया कि भोपाल विकास योजना (मास्टर प्लान) का अंतिम प्रकाशन वर्ष 2005 में हुआ था, किन्तु नया मास्टर प्लान आज तक लागू नहीं हो सका है।

आगम पर विश्वास ही मोक्ष मार्ग का आधारः आचार्य समय सागर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

श्री विद्योदय तीर्थ, एमपी नगर में चल रहे पावन वर्षायोग के दौरान आचार्य श्री 108 समय सागर जी महाराज ने अपने मंगल प्रवचन में आत्मकल्याण, अध्ययन, पुरुषार्थ और गुरु-भक्ति का अत्यंत प्रेरक संदेश दिया। आचार्य श्री ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति में प्रवचन सुनने की रुचि ही नहीं है, तो उसे धर्म का उपदेश जबरन नहीं दिया जा सकता। धर्म वही ग्रहण कर सकता है जिसके भीतर जिज्ञासा और श्रद्धा हो। उन्होंने कहा कि मन चंचल है, इसलिए शास्त्रों का बार-बार अध्ययन आवश्यक है।

निरंतर स्वाध्याय ही मन को स्थिर बनाता है और साधक को सही मार्ग पर बनाए रखता है। आचार्य श्री ने कहा कि अनंत बार जीव को देव, गुरु, शास्त्र और मोक्षमार्ग की समस्त सामग्री प्राप्त हुई है। उन्होंने श्रद्धालुओं से आगम पर अटूट विश्वास रखते हुए निरंतर पुरुषार्थ करने का आह्वान किया।

गाय को सम्मान समेत देशभर में गो-हत्या रोकने की उठाई पुरजोर मांग

गो सम्मान आह्वान अभियान कल से, सौंपेंगे ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित देशभर में गोहत्या रोकने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत भोपाल में भी 27 जुलाई (सोमवार) को प्रशासन को ज्ञापन सौंपा जाएगा। अभियान में गाय को सम्मान दिलाने की बात कही गई है। कार्यक्रम के प्रभारी श्रीराम शर्मा ने बताया कि यह अभियान का दूसरा चरण है। इसके तहत जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री तक ज्ञापन भेजा जाएगा। इसके अलावा भोपाल जिले से अकेले 2 लाख से अधिक हस्ताक्षर और एक प्राथना पत्र भी भेजा जाएगा।

गोहत्या रोकने चलाया जा रहा अभियान।

गो भक्त गुफा मंदिर पर एकत्रित होंगे भक्त

कार्यक्रम के तहत सोमवार सुबह बजे सभी कालीघाट के पास गो भक्त गुफा मंदिर पर एकत्रित होंगे। गोमाता का पूजन और शंखनाद होगा, इसके बाद 9:15 बजे तक श्री राम जय राम जय जय राम विजय मंत्र का सामूहिक जप होगा। इसके बाद झंडे-बैनर लेकर भव्य प्रार्थना-यात्रा जिलाधिकारी कार्यालय तक निकाली जाएगी, जिसमें गोमाता की झांकी और बुलडोजर पर हस्ताक्षरों का प्रदर्शन भी शामिल रहेगा।

वार्ड 33

वार्ड में सभी सड़क सीसी, संजीवनी क्लीनिक और स्कूल की बड़ी सुविधा का दावा... जनता ने कहा- क्लीनिक में डॉक्टर तक नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

आईएनएच न्यूज चैनल पर आज रविवार शाम 6.30 बजे से देखिए प्रसारण

आईएनएच न्यूज चैनल और हरिभूमि समाचार पत्र का कार्यक्रम 'मेरा वार्ड-मेरी बात' का आयोजन वार्ड-33 भीम नगर, मंत्रालय के पास हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्रीय पार्षद और एमआईसी मेंबर आरके सिंह बघेल ने अपने कार्यकाल की उपलब्धियां को बताते हुए कहा कि वार्ड में सरकारी स्कूल में सुविधाओं की कमी थी। हमने स्कूल परिसर में दो अतिरिक्त कक्ष बनवाए। जिससे अब बच्चों को पर्याप्त जगह मिलती है। इसी तरह वार्ड में बड़ी सुविधा संजीवनी क्लीनिक है। यहां पर डॉक्टर की कमी के लिए स्वास्थ्य विभाग को पत्र लिखा गया है। जल्द ही यह कमी भी दूर हो जाएगी। विपक्ष से पूर्व पार्षद अमित शर्मा का कहना था कि वार्ड में कोई भी नया काम नहीं हुआ है। सब पुराने पार्षद के कार्यकाल के हैं। गंदगी की समस्या बनी हुई है।

वार्ड परिक्रमा
मेरा वार्ड मेरी बात
2026

वार्ड 33 में, संजीवनी क्लीनिक में कर्मियों की कमी

पार्षद बोले
सरकारी स्कूल में अतिरिक्त कक्ष, संजीवनी क्लीनिक और सार्वजनिक शौचालय बनवाया

पार्षद बोले- छात्रावास, सार्वजनिक शौचालय, संजीवनी क्लीनिक बने

हरिभूमि ने समाजसेवियों का किया सम्मान

हरिभूमि समाचार पत्र की ओर से पार्षद आरके बघेल, नरेश मिश्रा, पूर्व पार्षद अमित शर्मा का सम्मान किया गया।

सार्वजनिक शौचालय छात्रावास बनवाया

वार्ड की बस्तियों में अंदरुनी और बाहरी सड़कें बन चुकी हैं। स्कूल में अतिरिक्त कक्ष बनवाए हैं। यहां पर हमने सार्वजनिक शौचालय बनवाया। छात्रावास भी बनवाया है।

आरके बघेल, पार्षद और एमआईसी मेंबर

पानी, सफाई के लिए जिम्मेदार हो

सबसे पहले पानी व साफ-सफाई की जिम्मेदारी होनी चाहिए। पेंशन में घोटाला सामने आया है। अनेक तरह के कमियों को दिखाया गया।

अमित शर्मा, पूर्व पार्षद

स्कूल की स्थिति खराब है

मेरी पेंशन कई महीनों से नही आई है। स्कूल की स्थिति खराब है। महिलाओं के लिए सुरक्षा की स्थिति अच्छी है, लेकिन राशन टाइम पर नहीं मिलता है।

शांता बाई, रहवासी

शिव मंदिर के पास साफ-सफाई नहीं

शिव मंदिर आज तक सफाई नहीं कराए गए। रोड लाइट की कोई व्यवस्था नहीं है।

अनिल जाटव, रहवासी

सवा घंटे का इंतजार खत्म, हर पंद्रह मिनट में मिली मेट्रो

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

दो दिन पहले आधुनिक सिग्नलिंग सिस्टम को हरिझंडी मिलने के बाद शनिवार से मेट्रो अब दोनों ट्रैक पर दौड़ पड़ी है। पहले ही दिन मेट्रो ने दोनों रूट पर 50 ट्रिप लगाए। जिससे ऑफिसों के टाइम पर 15-15 मिनट में मेट्रो मिल गई।

हालांकि इसके पहले सवा घंटे का इंतजार करना पड़ता था। राजधानी में 20 दिसंबर 2025 को शुरू हुई मेट्रो अब तक सिर्फ सिंगल ट्रैक पर चल रही थी। जिसकी वजह से एक ट्रेन आने-जाने के बाद अगली ट्रेन के लिए करीब 75 मिनट तक इंतजार करना पड़ता था। जिसकी वजह से दफ्तरों से जुड़े लोगों को इसका फायदा नहीं मिल रहा था।

ऑफिस टाइम में 15 मिनट और सामान्य समय में हर 30 मिनट पर ट्रेन

पहले दिन दोनों ट्रैक पर मेट्रो ने लगाए 50 ट्रिप

फाइल फोटो

पंद्रह मिनट पहले मिलेगी स्टेशन पर एंट्री

सुभाषनगर से एम्स के बीच प्रायोरिटी कॉरिडोर पर अब दोनों ट्रैक पर मेट्रो दौड़ने लगी है। अब स्टेशन भी पहली ट्रेन के निर्धारित समय से 15 मिनट पहले खोल दिए जाएंगे, जिससे यात्रियों को सुरक्षा जांच और टिकट लेने में परेशानी न हो।

अब डिजिटल टिकटिंग पर छूट

यात्रियों को लुभाने के लिए मेट्रो प्रबंधन ने प्रमोशनल डिस्काउंट पॉलिसी लागू की है। रिटर्न टिकट पर 5 फीसद, ग्रुप टिकट पर 10, मोबाइल एप के ई-वॉलेट रिचार्ज पर 8 से 15 फीसदी तक बोनस दिया जा रहा है। इसके साथ ही सभी स्टेशनों पर मैनुअल टिकटिंग की सुविधा भी है।

अब टाइम बचाएगी मेट्रो

एमपी नगर, आरकेएमपी स्टेशन, एम्स और बोर्ड ऑफिस जैसे व्यस्त क्षेत्रों के बीच रोज आने-जाने वाले हजारों लोगों के लिए मेट्रो पहली बार एक व्यावहारिक विकल्प बनकर उभरी है। यदि इसी फ्रिक्वेंसी के साथ संचालन जारी रहता है तो निजी वाहनों पर निर्भरता कम होने और ट्रैफिक का दबाव घटने की भी उम्मीद है।

दो रूट पर मिलेगा फायदा

सोमवार से पांच दिनों तक ई-बसों में होगा मुफ्त सफर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

लो-फ्लोर बसों के फ्लॉप होने के बाद शहर में अब लक्जरी ई-बसें आ गई हैं, जिन्हें 15 अगस्त से नियमित चलाया जाएगा। इधर पिछले कुछ दिनों से खाली बसों के ट्रॉयल के बाद सोमवार से बसों को यात्रियों के साथ सड़कों पर दौड़ाया जाएगा, शुक्रवार तक यात्री मुफ्त में इन बसों में सफर कर सकेंगे।

भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड (बीसीएलएल) सोमवार से ट्रायल रन के दूसरे चरण की शुरुआत कर रहा है, जिसमें एक साथ 10 एयर कंडीशंड ई-बसें दो प्रमुख रूटों पर दौड़ेंगी। फिलहाल बसों की शुरुआत के लिए एमपी नगर स्थित बोर्ड ऑफिस चौराहा का चयन किया गया है, जहां से आधुनिक बसों को रवाना किया जाएगा। पहले चरण में पांच बसों को बिना यात्रियों के सड़कों पर दौड़ाया गया था।

इन रूट्स पर दस बसों से कर सकेंगे फ्री यात्रा

सोमवार से 10 बसें दिन भर यात्रियों को लेकर दो रूटों पर चलेंगी। पहला रूट बैरागढ़ डिपो से शुरू होकर लालघाटी, पीरगेट, मोती मस्जिद, कमला पार्क, न्यू मार्केट, बोर्ड ऑफिस होते हुए कोलार तक जाएगा। दूसरा रूट बोर्ड ऑफिस से चेतक ब्रिज, सुभाष नगर, प्रभात चौराहा, अशोका गार्डन और कोच फैक्ट्री तक रहेगा। बसें इसी रूट से वापस बोर्ड ऑफिस लौटेंगी। शहर में 100 इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाना हैं। जिसके लिए 10 नए रूट तय किए गए हैं। फिलहाल 21 बसें भोपाल पहुंची हैं।

दूसरे दिन भी डेयरियों से दूध, दही, मावा, पनीर के लिए सैंपल

भोपाल। सावन महीने के शुरु होने से पहले ही खाद्य सुरक्षा विभाग ने दूध, दही, मावा, पनीर और घी की सैंपलिंग शुरु कर दी है। शहर की प्रमुख डेयरियों पर बेचे जा रहे दूध उत्पादों की सैंपलिंग कर लेबोटरी में जांच कराई जा रही है। शुक्रवार को सैंपलिंग के बाद शनिवार को भी टीम ने आधा दर्जन डेयरियों पर जाकर सैंपल लिए हैं, जिन्हें जांच के लिए राज्य लेबोरेटरी भेजा गया है।

■ सावन के पहले मिठाइयों में मिलावट को लेकर अभियान

मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी शिवराज पावक ने बताया कि शनिवार को टीम ने नेचुरल डेयरी जहांगीराबाद से मिक्स मिल्क, स्टैंडर्ड डेयरी जहांगीराबाद से दही और घी, रियाज डेयरी चिकलोद रोड से मिक्स मिल्क और मावा, न्यू पंजाबी डेयरी अशोका गार्डन से पनीर, दही और दूध, श्री कृष्णा दूध डेयरी ई-7 अरेरा कॉलोनी, बीकानेर मिष्ठान भंडार बाग सेवनिया से दूध और गुप्ता डेयरी बाग सेवनियासे दही और पनीर के सैंपल लिए गए हैं। इस तरह दो दिनों में 17 सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं।

ऑटो चालक स्टेशन से निकलने वाले रास्ते के ठीक सामने वाहन खड़े कर बैठाते हैं सवारी

भोपाल स्टेशन पर ऑटो चालकों की मनमानी ट्रैफिक जाम से रोजाना 32 हजार यात्री परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी के अंदर ट्रैफिक पुलिस चौराहे-तिराहों पर जीरो टॉलरेंस सिस्टम लागू नहीं करा पा रही है नतीजा शहर के अधिकांश चौराहे-तिराहों पर अघोषित वाहन स्टैंड बन चुके हैं। ऐसा ही कुछ हाल भोपाल रेलवे स्टेशन का है।

जहां पर ई-रिक्शा, ऑटो चालक स्टेशन से निकलने वाले रास्ते के ठीक सामने व प्लेटफार्म एरिया तक वाहन खड़े कर सवारी भरते रहते हैं।

इसके चलते भोपाल रेलवे स्टेशन से आने व जाने वाले रोजाना लगभग 32 हजार यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। भोपाल स्टेशन के छह नंबर प्लेटफार्म की जहां रोजाना हर समय यहां पर करीब 45 से 50 की संख्या ऑटो प्रतिदिन सड़क पर ही खड़े रहते हैं, जिससे स्टेशन की ओर जाने वाला रास्ता घिर जाता है।

भोपाल स्टेशन पर ऑटो रिक्शा के कारण लगता है ट्रैफिक जाम।

ड्राप एंड गो सुविधा फेल

भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-छह पर यात्रियों के लिए शुरू की गई ड्राप एंड गो सुविधा फेल हो गई है। इसका मकसद यात्रियों को प्लेटफार्म के बाहर जाम स्थिति से निजात दिलाना रहा। लेकिन, ऑटो चालकों और प्राइवेट टैक्सियों के चलते इस सुविधा ने दम तोड़ दिया है।

ये हैं ट्रैफिक जाम के कारण

- ट्रैफिक का सबसे बड़ा कारण मेट्रो निर्माण कार्य है, जो इस मार्ग पर लगातार चल रहा है। सड़क का बड़ा हिस्सा बैरिकेडिंग के कारण पहले ही संकरा हो चुका है, ऊपर से निर्माण सामग्री, मशीनें और ट्रकों की आवाजाही के कारण ट्रैफिक और अधिक प्रभावित हो रहा है।
- स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर छह से निकलने का कोई उचित वैकल्पिक मार्ग नहीं होने से भी जाम बढ़ता है। यात्रियों को इसी संकरे रास्ते से होकर गुजरना पड़ता है, जिससे भीड़ और बढ़ जाती है।
- इस क्षेत्र में रेलवे का पार्सल ऑफिस होने के कारण भारी वाहनों की आवाजाही भी बड़ी चुनौती बनती जा रही है।

लोगों को ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ता है

ऑटो चालकों के कारण यात्रियों को छोड़ने या प्लेटफार्म तक उनका सामान लेकर जाने वालों को यहां अपने वाहनों को पार्क करने की जगह तक नहीं मिल रही है। जीआरपी, आरपीएफ समेत रेलवे प्रशासन भी आटो वालों की मनमानी को लेकर यात्री हित में कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है।

निगरानी की कमी बनी वजह

नियमों का पालन न होने के पीछे सबसे बड़ा कारण पर्याप्त निगरानी और सख्त कार्रवाई की कमी है।

यात्रियों की बढ़ रही परेशानी

ट्रेन पकड़ने या उतरने वाले यात्रियों को यहां अक्सर देरी झेलनी पड़ती है। इस अव्यवस्थित ट्रैफिक से सबसे अधिक बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चों को चलने में दिक्कत होती है। बारिश में पानी भरने से फिसलने और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ता है, वहीं भारी सामान के साथ आवाजाही और मुश्किल हो जाती है।

इन ट्रेनों के यात्री सबसे अधिक परेशान

- राज्यरानी एक्सप्रेस
- भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस
- भोपाल-जयपुर एक्सप्रेस
- भोपाल-ग्वालियर इंटरसिटी
- भोपाल-इंदौर एक्सप्रेस
- विंध्याचल एक्सप्रेस
- अमरकंटक एक्सप्रेस

ड्यूटी लगाई है

रेलवे स्टेशन पर ऑटो पार्किंग की व्यवस्था न होने से चालक सड़क पर ही वाहन खड़े करते हैं, जिससे ट्रैफिक समस्या बढ़ रही है। इसे सुधारने के लिए ट्रैफिक जवानों की ड्यूटी लगाई जाती है। इस मामले को और दिखवा लेते है।

बसंत कौल
एडिशनल डीसीपी ट्रैफिक

रेल मंत्री वैष्णव वर्चुअली जुड़ेंगे

सीएम डॉ. यादव 28 को निशातपुरा रेलवे स्टेशन का करेंगे उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

तीन साल से अपने उद्घाटन की बाट जोह रहे निशातपुरा स्टेशन की सौगात राजधानी वासियों को चौथे स्टेशन के रूप में सीएम डां. मोहन यादव देंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 28 जुलाई को स्टेशन का लोकार्पण करेंगे। पहले यह कार्यक्रम 26 जुलाई को प्रस्तावित था, लेकिन मुख्यमंत्री की व्यस्तता के कारण इसे आगे बढ़ा दिया गया।

केंद्रीय मंत्री के निर्देश पर हुआ निर्णय

28 जुलाई को आयोजित होने वाले लोकार्पण कार्यक्रम में रेल मंत्री नई दिल्ली से वर्चुअल रूप से शामिल होंगे, जबकि मुख्यमंत्री, सांसद और स्थानीय जनप्रतिनिधि स्टेशन परिसर में मौजूद रहेंगे।

दो ट्रेनों का होगा संचालन

स्टेशन के शुरू होते ही इंदौर-जम्मू तवी मालवा एक्सप्रेस और जबलपुर-वेरावल सोमनाथ एक्सप्रेस का संचालन निशातपुरा रेलवे स्टेशन से किया जाएगा। निशातपुरा स्टेशन शुरू होने से करोंद, लालघाटी, गांधी नगर, अयोध्या नगर, आनंद नगर, भीमनगर व आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। वे यहां से सीधे आवागमन कर सकेंगे।

तैयारियां पूरी

निशातपुरा स्टेशन में मालवा एक्सप्रेस व सोमनाथ एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव कार्यक्रम 28 को आयोजित होगा। केंद्रीय रेल मंत्री वर्चुअली जुड़ेगे। भोपाल रेलवे मंडल ने अपनी तरफ से पूरी तैयारियां कर ली है।

नवल अग्रवाल, एसीएम व जनसंपर्क अधिकारी भोपाल रेल मंडल

अभी तापमान में ज्यादा बदलाव नहीं होगा

प्रदेश से गुजर रही मानसून ट्रफ, दो दिन बाद फिर तेज बारिश का दौर

दो से तीन दिन अधिकांश जिलों में हल्की से मध्यम बारिश की उम्मीद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर में अभी हल्की से मध्यम बारिश का दौर है। प्रदेश में शनिवार तक बारिश के आंकड़े सामान्य 13 फीसदी पिछड़ गए हैं। अभी दो दिन बारिश में कुछ कमी बनी रहेगी। इसके बाद तेज बारिश का दूसरा दौर फिर शुरू होगा। इस बीच प्रदेश के दिन और रात के तापमान में ज्यादा बदलाव की उम्मीद नहीं है। मौसम केंद्र के अनुसार रविवार को भी 30 से अधिक जिलों में हल्की से मध्यम बारिश की उम्मीद है।

भोपाल में मौसम ऐसा ही रहेगा। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार शनिवार को मानसून ट्रफ प्रदेश के सीधी, श्योपुर और दतिया से होकर गुजर रही है। राजस्थान और आसपास लो प्रेशर एरिया बना है। एक सकुर्लेशन भी इससे जुड़ा हुआ है। बंगाल की खाड़ी में भी एक लो प्रेशर एरिया बना है, यहां से भी एक सकुर्लेशन सक्रिय हो रहा है, जो अगले दो से तीन दिन में मजबूत होकर प्रदेश में फिर से तेज बारिश करेगा। इस बीच हल्की से मध्यम और रिमझिम बारिश और बादलों का असर रहेगा।

आज यहां होगी हल्की बारिश

रविवार तक भोपाल, राजगढ़, झाबुआ, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, शाजापुर, आगर, मंदसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुरकलां, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी में हल्की से बारिश होगी। विदिशा, रायसेन, सीहोर, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगौन, बड़वानी, अलीराजपुर, देवास, सतना, कटनी, जबलपुर, नरिसंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, पन्ना, दमोह, सागर, मैहर, पांढुर्णा, सिंगरौली, सीधी, रीवा, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, मंडला, बालाघाट में हल्की से मध्यम और कुछ जगह तेज बारिश हो सकती है।

प्रदेश में 13 फीसदी कम बारिश: मौसम केंद्र के अनुसार शनिवार तक प्रदेश में सामान्य से औसतन 13 फीसदी कम बारिश हुई है।

ट्विशा शर्मा डेथ केस में सुनवाई

सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश गिरीबाला सिंह का जमानत आवेदन खारिज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नवविवाहिता ट्विशा शर्मा की आत्महत्या के मामले की आरोपी सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला उपभोक्ता आयोग भोपाल की अध्यक्ष गिरीबाला सिंह के जमानत के आवेदन को लोकायुक्त के विशेष न्यायाधीश रामप्रताप मिश्र के न्यायालय ने शनिवार को अपराध की गंभीर प्रवृत्ति को देखते हुए,विवाह के उपरांत मृतका की मृत्यु की समय अवधि एवं विवेचना अपूर्ण रहने के तथ्य को देखते हुए निरस्त कर दिया है। गिरीबाला सिंह के जमानत के आवेदन पर लोकायुक्त के विशेष न्यायाधीश के न्यायालय में शुक्रवार करीब साढ़े तीन घंटे दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं ने बहस करते हुए अपना पक्ष रखा था। गिरीबाला सिंह के अधिवक्ता ने उन्हें एक वरिष्ठ महिला पूर्व न्यायिक अधिकारी बताते हुए उनके स्वास्थ्य की स्थिति और आयु को देखते हुए मानवीय आधार पर उन्हें जमानत का लाभ दिए जाने का निवेदन किया था।

औषधि विभाग ने बिक्री पर लगाई रोक

कोलार के मेडिकल स्टोर पर छापा ट्रामाडोल के 120 कैप्सूल जब्त

विक्रय से संबंधित दस्तावेज और वैध रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं कर सका संचालक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

औषधि निरीक्षक और पुलिस की संयुक्त टीम ने शनिवार को कोलार स्थित शिवाय मेडिकल स्टोर पर औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान मेडिकल स्टोर से ट्रामाडोल युक्त फॉमूर्लेशन के 120 कैप्सूल बरामद किए गए। मौके पर मौजूद व्यक्ति से इन दवाओं के क्रय-विक्रय से संबंधित दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वह कोई भी वैध रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं कर सका। प्राथमिक जांच में सामने आया कि शिवाय मेडिकल स्टोर संबंधित दवाओं की खरीद दवा बाजार से करता है।

दवाओं की खरीदी-बिक्री पर रोक

इस मामले में औषधि विभाग ने जांच शुरू कर दी है। निरीक्षण के दौरान ट्रामाडोल सहित अन्य नारकोटिक्स श्रेणी की दवाओं के क्रय एवं विक्रय के दस्तावेज भी मांगे गए, जिन्हें मौके पर उपलब्ध नहीं कराया गया। दस्तावेज उपलब्ध नहीं होने और दवाओं के रिकॉर्ड में अनियमितता पाए जाने के कारण संबंधित दवाओं के आगे के क्रय-विक्रय पर तत्काल रोक लगा दी गई है। औषधि विभाग ने पूरे मामले को अनुसंधान में लेते हुए दवाओं के स्रोत और बिक्री से जुड़े सभी पहलुओं की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

प्रदेश में 25 हजार मेडिकल छात्रों का मिला समर्थन

प्रदेश में इंटर्न को केवल 14 हजार 337 रुपए मासिक स्टाइपेंड मिल रहा

स्टाइपेंड को लेकर इंटर्न डॉक्टरों ने खोला मोर्चा हमीदिया अस्पताल में आज से करेंगे भूख हड़ताल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

इंटर्न डाक्टरों ने स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर आंदोलन तेज कर दिया है। गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) और हमीदिया अस्पताल के इंटर्न डॉक्टरों ने कहा कि प्रदेश में इंटर्न को केवल 14 हजार 337 रुपए मासिक स्टाइपेंड मिल रहा है, जबकि अन्य राज्यों में यह राशि 21 हजार से 44 हजार रुपए तक है।

ऐसे में इंटर्न डॉक्टरों ने स्टाइपेंड बढ़ाकर न्यूनतम 30 हजार रुपए करने की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि यदि जल्द फैसला नहीं हुआ तो पांच इंटर्न डाक्टर रविवार से भूख हड़ताल पर बैठेंगे। वहीं इस आंदोलन को पूरे प्रदेश के करीब 25 हजार इंटर्न और अंडरग्रेजुएट मेडिकल छात्रों का समर्थन मिलने का दावा किया गया है।

इंटर्न डॉक्टरों ने निकाली वाहन रैली।

स्टाइपेंड के मामले में पड़ोसी राज्यों से पिछड़े मप्र के इंटर्न

हमीदिया अस्पताल के इंटर्न डॉ. संकेश शर्मा ने बताया कि उनकी सबसे बड़ी मांग इंटर्न डॉक्टरों का स्टाइपेंड बढ़ाकर न्यूनतम 30 हजार रुपए प्रति माह किए जाने की है। मप्र में वर्तमान में 14 हजार 337 रुपए स्टाइपेंड दिया जा रहा है, जो देश के कई राज्यों की तुलना में काफी कम है। दिल्ली एनसीआर में करीब 30 हजार, राजस्थान में 21 हजार, झारखंड में 25 से 26 हजार तथा ओडिशा और पश्चिम बंगाल में 43 से 44 हजार तक स्टाइपेंड दिया जा रहा है।

सरकार के सामने कई बार रखी मांग

इंटर्न डॉक्टरों का कहना है कि उन्होंने अपनी मांग मुख्यमंत्री कार्यालय, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री राजेंद्र शुक्ल, राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, मुख्य सचिव चिकित्सा शिक्षा विभाग और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के सामने रखी है। इसके साथ ही संबंधित विभागों को सरकारी आंकड़ों के साथ ज्ञापन भी सौंपे गए है।

हुजूर के नए दफ्तर में शिफ्ट होगा बैरागढ़ एसडीएम कार्यालय

हुजूर के पुराने दफ्तर में शिफ्ट होगा शहर एसडीएम का ऑफिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कलेक्टोरेट में नई सेवन-जी बिल्डिंगों अब तक टेंडर नहीं हुए हैं, बावजूद इसके दस अगस्त तक कलेक्टोरेट और संभाग कमिश्नर दफ्तर के बीच में बने दफ्तरों को खाली कराया जा रहा है। इधर श्रीडेंसीफिकेशन के लिए कलेक्टोरेट की दूसरी साइड बैरागढ़ और शहर एसडीएम दफ्तर की जगह पर कामर्शियल कांपलेक्स बनाए जाएंगे। जिसके लिए बैरागढ़ एसडीएम दफ्तर को लालघाटी स्थित हुजूर तहसील के नए भवन में शिफ्ट किया जाएगा। इधर शहर एसडीएम कार्यालय को फिलहाल हुजूर तहसील के पुराने दफ्तर में शिफ्ट किया जा रहा है। अधिवक्ता हाल, कृषि विभाग, पोस्ट ऑफिस, आत्मा, राजस्व मंडल न्यायालय, महिला बाल विकास, पिछड़ा वर्ग, आदिवासी विकास, एसपी और डीआईजी आफिस, साइबर दफ्तर को तोड़ा जाना है। जिसके लिए दस अगस्त तक की मोहलत दी गई है। जिसके तहत कलेक्टोरेट के अधिवक्ता हाल को खाद्य विभाग के पार्किंग शेड में शिफ्ट किया जा रहा है, जिसको लेकर राजस्व अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष सैय्यद खालिद कैस ने विरोध दर्ज कराया है। उनका कहना पार्किंग शेड में अधिवक्ता कैसे काम करेंगे।

पार्किंग शेड में शिफ्टिंग का अधिवक्ताओं ने किया विरोध

217 करोड़ में बनेंगी नई बिल्डिंग

पुराना सचिवालय के रीडेंसीफिकेशन को लेकर पीडब्ल्यूडी ने 217.96 करोड़ रुपए का टेंडर जारी किया है। जिसके तहत जी सेवन, जी+2 मल्टीलेवल पार्किंग, 80 ईसीएस क्षमता की पार्किंग, बिजली सब-स्टेशन, संप वेल और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट जैसी आधुनिक सुविधाएं रहेंगी। परियोजना के तहत डेवलपर को 3.36 हेक्टेयर कंपंसेटरी लैंड पार्सल दिया जाएगा, जबकि जमीन की अनुमानित कीमत 256.92 करोड़ रुपए आंकी गई है।

खबर संक्षेप

पार्क में शेड निर्माण कार्य का किया भूमिपूजन

संतनगर। संत हिरदाराम नगर स्थित वार्ड 5 में जनचेतना पार्क में शेड निर्माण कार्य का भूमिपूजन क्षेत्रीय पार्षद अशोक मारण ने किया। इस अवसर पर पार्षद अशोक मारण ने कहा कि रहवासियों की समस्यायों का समाधान करना हमारा दायित्व है। नगर के चुने हुए सभी जनप्रतिनिधि इच्छाशक्ति से मिलकर और सहयोग के साथ अगर काम करें तो निश्चित संत नगर की सभी समस्यायों का समाधान हो सकता है। कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता महेश गुरबानी ने किया तथा आभार युवा नेता जीतेश खानचंदानी ने व्यक्त किया।

कुकिंग कॉम्पिटिशन का पुरस्कार वितरण आज

संतनगर। सिंधी मेला समिति द्वारा पिछले दिनों आयोजित कुकिंग कॉम्पिटिशन में भाग लेनी वाली महिलाओं के लिए रविवार 26 जुलाई को शाम 4 बजे पॉलीटेक्निक चोराहे स्थित मानस भवन में कुकिंग कॉम्पिटिशन पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया जा रहा है। मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिमा बागरी (राज्य मंत्री म.प्र शासन) विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रिया भावे चित्तावर (चिकित्सा विशेषज्ञ) को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा म.प्र बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष निवेदिता शर्मा एवं फीस्टलिशिय, ससंस्थापक एवं स्वामिनी प्रियंका गोगिया तोरानी को मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगी। इस दौरान भाजपा प्रदेश महामंत्री, विधायक एवं सिंधी मेला समिति के संरक्षक भगवानदास सबनानी भी समारोह में विशेष तौर पर मौजूद रहेंगे। गौरतलब है कि इस वर्ष यह प्रतियोगिता 26 से अधिक स्थानों पर आयोजित की गई थी, जिसमे हजारों महिलाओं एवं युवतियों ने हिस्सा लिया था।

नव नियुक्त एल्डरमैन ने की विधायक से भेंट

औबेदुल्लागंज। नव नियुक्त एल्डरमैन आरती यादव, रामकिशोर नंदवंशी, पवनजोत सिंह, रामदास शर्मा शनिवार को विधायक सुरेंद्र पटवा से भेंट करने उनके निवास पर पहुंचे। इस दौरान मंडल अध्यक्ष डॉ. भूपेंद्र नागर, वरिष्ठ नेता सुरजीत सिंह गिल, देवेंद्र सिंह राजू उपस्थित रहे।

आरएसएस का गुरु पूजन एवं समर्पण कार्यक्रम आज

औबेदुल्लागंज। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) हिरानिया खंड द्वारा गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य पर गुरु पूजन उत्सव एवं समर्पण कार्यक्रम का आयोजन रविवार, 26 जुलाई 2026 को किया जाएगा। भजन लोदी मनोज चौरसिया लोधी द्विज चौरसिया ने बताया कि कार्यक्रम शाम 5 बजे से माधव कुटी संघ कार्यालय, महावीर कॉलोनी, औबेदुल्लागंज में आयोजित होगा। संघ के स्वयंसेवकों से कार्यक्रम प्रारंभ होने से 10 मिनट पूर्व तक स्थल पर पहुंचने का आग्रह किया गया है। संघ के अनुसार, गुरु पूर्णिमा उत्सव में स्वयंसेवक राष्ट्र के प्रति अपनी श्रद्धा, सेवा और समर्पण का भाव व्यक्त करेंगे तथा जन, मन, धन के समर्पण के माध्यम से राष्ट्र कार्य को गति देने का संकल्प लेंगे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों की उपस्थिति रहने की संभावना है।

शुभांक

कल्याण:	1694		
दिन:	160	74	239
रात:	790	62	147
तारा:			
दिन:	345	24	347
रात:	469	96	790

सप्लाई के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहे थे आरोपी क्राइम ब्रांच ने घेराबंदी कर दो युवकों को धर दबोचा

पुलिस ने दो तस्करों से किया 2 किलो 382 ग्राम गांजा जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

क्राइम ब्रांच पुलिस ने निमार्णाधीन बैरसिया बस स्टैंड आरिफ नगर के पास से अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले दो तस्करों को गिरफ्तार कर दो किलो 382 ग्राम गांजा बरामद किया है। दोनों आरोपी सीहोर जिले के रहने वाले हैं और भोपाल में गांजे की सप्लाई करने आए थे। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बरामद गांजे की कीमत 50 हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक विगत 23 जुलाई को मुखबिर से सूचना मिली कि निमार्णाधीन बैरसिया बस स्टैंड आरिफ नगर के पास दो युवक अपने पास गांजा रखे हैं और ग्राहक का इंतजार कर रहे हैं। सूचना मिलते ही क्राइम ब्रांच की टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर दोनों संदिग्ध युवकों को हिरासत में ले लिया।

जब्त बरामद गांजे की कीमत 50 हजार रुपए है

पुलिस ने जब्त किया गांजा।

पुलिस कर रही पूछताछ

पूछताछ करने पर उन्होंने अपने नाम आनंद सिलोरिया (26) निवासी ग्राम सिराली श्यामपुर थाना दोराहा जिला सीहोर व राकेश जांगड़े (28) निवासी ग्राम बरखेड़ी पोस्ट बिजलोन थाना कोतवाली जिला सीहोर का होना बताए। तलाशी लेने पर उनके पास रखे दो बैगों से कुल दो किलो 382 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ। पुलिस पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी अवैध मादक पदार्थ कहां से लाए हैं और इस अवैध कारोबार से जुड़े तस्कर और कौन-कौन हैं।

कारगिल में शहीद हुए जवानों को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

हम सभी चैन की नींद सो पाते हैं जब वीर योद्धा बॉर्डर पर होते हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

सुधार सभा द्वारा संचालित साधु वासवानी स्कूल एवं मुकिता इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को कारगिल विजय दिवस मनाया गया। इस दौरान युद्ध में शहीद हुए जवानों को कैंडिल जलाकर व पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में विद्यालय के महासचिव कन्हैयालाल रामनानी ने कहा कि कारगिल युद्ध को आज 27 वर्ष बीत चुके हैं, इस युद्ध में 2500 लोगों ने अपने प्राणों की बाजी लगा दी। जब हमारे देश पर आक्रमण किया गया तब हमारे सैनिकों ने उनका मुंहतोड़ जवाब दिया। हमारे सैनिक 24 घंटे हमारी सुरक्षा के लिए तैनात रहते हैं तभी हम सभी चैन की नींद सो पाते हैं।

शिक्षकों और विद्यार्थियों ने दो मिनट का मौन रख कर दी श्रद्धांजलि

विद्यालय की उपप्राचार्या स्वाति कलवानी ने कहा कि आज यह कार्यक्रम शहीदों की याद में रखा गया है। आज हमें आजादी उन शहीदों के बलिदानों के कारण मिली है। विद्यालय की छात्रा प्रियंका ने कारगिल विजय दिवस के अवसर पर अपने विचार रखें। वहीं शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों ने दो मिनिट का मौन धारण कर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर दीपा आहूजा, रुपाली मेशराम, केएस मूर्ति सहित बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं व छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की

महिला टीचर के खाते से साइबर ठग ने किया 2.91 लाख का ट्रांजेक्शन

टीचर का कहना है न ही कोई कॉल आया और न ही कोई लिंक या मैसेज फिर भी हो गई ठगी

साइबर सेल ने जीरो पर प्रकरण दर्ज कर मामला हबीबगंज थाने भेज दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

साइबर ठग ठगी के नए नए तरीके इजाद कर रहे हैं। हबीबगंज में महिला टीचर से सायबर ठगी का एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसमें न तो टीचर को कॉल आया और न ही लिंक या मैसेज भेजा गया। बावजूद टीचर के खाते से साइबर ठग ने 2 लाख 91 हजार 450 रुपए का ट्रांजेक्शन कर लिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार अरेरा कॉलोनी हबीबगंज निवासी रेखा भार्गव (57) टीचर हैं। गत 23 जुलाई की शाम वह घर पर थीं। इस दौरान मोबाइल पर दो-तीन मैसेज आए। मैसेज में उनके खाते से दो लाख 91 हजार 450 रुपए किसी दूसरे खाते में ट्रांसफर होने की जानकारी मिली। वह तत्काल बैंक पहुंची और घटना की जानकारी बैंककर्मियों को दी। वहां से पता चला कि उनके खाते से ट्रांजेक्शन हुआ है।

रेखा ने साइबर सेल जाकर लिखित शिकायत की। साइबर सेल ने जीरो पर प्रकरण दर्ज कर मामला हबीबगंज थाने भेज दिया। रेखा भार्गव का कहना है कि उनके पास किसी साइबर जालसाज ने ने तो कॉल किया, न कोई लिंक आई और न ही मोबाइल हैक हुआ। उन्होंने किसी को ओटीपी भी नहीं बताया। इसके बावजूद उनके खाते से रकम का ट्रांजेक्शन हो गया।

वकील के खाते से निकाले 48 हजार

इधर, जहांगीराबाद पुलिस ने बताया कि कसेरा गली चर्च रोड जहांगीराबाद निवासी मोहम्मद शादाबखान (40) वकील हैं और जिला न्यायालय भोपाल प्रेक्टिस करते हैं। विगत 21 जुलाई को घर पर मोबाइल चलाते समय उन्होंने यूपीआई फोन-पे की हिस्ट्री चेक की तो पता चला कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने दोपहर करीब पौने तीन बजे फोन-पे यूपीआई के माध्यम से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाते से 48 हजार रुपए अपने खाते में ट्रांसफर कर लिए हैं। ठगी का अहसास होने पर फरियादी ने लिखित शिकायत सायबर सेल में की। वहां से जीरो पर प्रकरण दर्ज कर डायरी जहांगीराबाद थाने भेजी गई। जहांगीराबाद पुलिस ने असल में धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विद्युतकर्मी से एक लाख की ठगी

श्यामला हिल्स पुलिस के अनुसार विनोद कुमार पर्यटन भवन में विद्युतकर्मी हैं। पिछले दिनों उनका मोबाइल हैंग हो गया। वह ठीक कराने पहुंचे। मोबाइल ठीक होने के बाद पता चला कि उनका मोबाइल हैक कर उनके पेटीएम खाते से एक लाख रुपए निकाल लिए गए हैं। पुलिस ने अज्ञात सायबर जालसाज के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

शनिवार को असलम का शव नदी से बाहर निकाला

दोस्तों के साथ मछली पकड़ने गया युवक नदी में डूबा, मौत

भोपाल। ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित पटपटा नदी में डूबने से अशोका गार्डन के युवक की मौत हो गई। हादसे के समय युवक अपने चार-पांच साथियों के साथ मछली पकड़ने पटपटा नदी गया था, तभी पत्थर से पैर फिसलने के कारण वह गहरे पानी में जा गिरी और उसकी मौत हो गई। पुलिस ने एसडीईआरएफ की मदद से युवक का शव एक दिन बाद नदी से बरामद कर लिया है। पुलिस के अनुसार मोहम्मद असलम पिता रईश (28) अशोका गार्डन थाने के सामने रहता था और प्राइवेट काम करता था। शुक्रवार को वह अपने साथी सोहेल खान सहित पांच लोगों के साथ ईंटखेड़ी पहुंचा था। सभी साथी पटपटा नदी के पास लकड़ी में कांटा लगाकर मछली पकड़ रहे थे। असलम भी पत्थर पर खड़े होकर फंदे से मछली पकड़ रहा था। इस दौरान उसका पैर फिसला और गहरे पानी में चला गया। साथियों ने शोर मचाया और कुछ लोग मदद के लिए आगे भी बढ़े, लेकिन पानी गहरा होने के कारण कोई भी असलम को बचा नहीं सका। असलम के दोस्त सोहेल ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से असलम की तलाश की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। इसके बाद एसडीईआरएफ की टीम को बुलाया गया। एसडीईआरएफ की टीम ने शुक्रवार देर रात तक तलाश की, लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। पुलिस और एसडीआरएफ शनिवार को एक बार फिर पटपटा नदी पहुंची और असलम का शव पानी में उतरता हुआ नजर आ गया। पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भेज दिया है।

बारिश में स्ट्रीट लाइट बंद होने से सड़कों पर रहता है अंधेरा

कॉलोनी की सड़कों में भरा पानी कीचड़ से होकर निकल रहे लोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

वार्ड 2 की महावीर कॉलोनी, दिग्विजय कॉलोनी तथा मॉडर्न स्कूल के सामने सड़क पर जल भराव और कीचड़ होने से रहवासियों को आने-जाने में भारी परेशानी हो रही है। लोगों का कहना है कि यहां पर नालियों नहीं है, रात्रि के समय यहां पर स्ट्रीट लाइट भी बंद रहती है और अंधेरा पसरा रहता है। आसपास खाली प्लाटों में घास और कचरा पड़ा रहता है। बारिश के मौसम में सांप, बिच्छू रोड पर निकल आते हैं, जिसके कारण लोगों में डर बना रहता है।

गड्ढों में फंस कर दो पहिया वाहन चालक हो रहे दुर्घटनाग्रस्त

दो पहिया वाहन चालक भी गड्ढों में पानी भर जाने से गड्ढे की गहराई का अंदाजा नहीं होता और वाहन चालक गिर कर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। पूर्व जिला अध्यक्ष परेश नागर, प्रतिपक्ष नेता पार्षद राजेश खटीक, कांग्रेस सेवा दल के महासचिव पंकज शर्मा, वरिष्ठ नेता संजय सिंह चौहान, विनोद इरपाचे, मौनी नागर आदि ने बताया कि नगर परिषद के खिलाफ आंदोलन धरना एवं घेराव किया जाएगा। वहीं नगर परिषद में बढ़ता भ्रष्टाचार, स्वच्छता अभियान, जेसीबी मशीन और टेंट पर भारी खर्च, नामांतरण में गड़बड़ी वार्ड 13, 14 और 15 के मकानों के टैक्सों की पंजी गायब होना, 2025 में बाजार बेठकी में गड़बड़ी को लेकर कांग्रेस आंदोलन करेंगी।

वार्ड 2 की सड़क में भरा पानी, हो रही कीचड़।

सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय में सम्मान समारोह

सेवा सदन को एक और ग्लूकोमा जांच का उपकरण दिया जाएगा : कोठारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय परिसर में शनिवार को रोटरी क्लब शाहपुरा द्वारा सम्मान समारोह एवं पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर रोटरी क्लब के पदाधिकारियों ने सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के चिकित्सकों डॉ. प्रेरणा उपाध्याय, डॉ. समता पटेल, डॉ. रश्मि आप्टे, डॉ. सपना श्रीवास्तव, डॉ. शुभा राय एवं डॉ. कविता गुप्ता सहित ट्रस्टी हीरो ज्ञानचंदानी, सुरेश आवतरामानी, डायरेक्टर कुशल धर्मानी एवं हॉस्पिटल प्रशासक अनुषा तिवारी का शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। कार्यक्रम के दौरान सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के सचिव हीरो ज्ञानचंदानी ने सेवा कार्यों एवं संस्थान की गतिविधियों की जानकारी दी। वहीं ट्रस्टी सुरेश आवतरामानी ने नेत्र चिकित्सा सेवाओं के बारे में बताया।

शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित डॉक्टर व अन्य।

परिसर में किया पौधरोपण

इस अवसर पर रोटरी क्लब के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर संस्कार कोठारी ने बताया कि वर्ष 2020 में रोटरी क्लब द्वारा सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय को ग्लूकोमा जांच का उपकरण भेंट किया गया था, जिसके माध्यम से अब तक लगभग 18 से 20 हजार लोगों की ग्लूकोमा जांच की गई है। कोठारी ने आश्वस्त किया कि अस्पताल की आवश्यकता के अनुरूप ग्लूकोमा जांच का एक नया उपकरण भी शीघ्र उपलब्ध कराने के लिए प्रयास किए जाएंगे। कार्यक्रम के समापन के पश्चात रोटरी क्लब के पदाधिकारियों ने सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के नवनिर्मित भवन परिसर में पौधरोपण किया।

बागिश अग्रवाल को लेकर भी राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज

नगर की राजनीति में चर्चाओं का दौर, नेताओं और वार्डों को लेकर तरह-तरह की अटकलें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

नगर की राजनीति इन दिनों चर्चाओं और कयासों के केंद्र में बनी हुई है। चाय की दुकानों से लेकर सार्वजनिक स्थलों तक स्थानीय राजनीति को लेकर विभिन्न तरह की चर्चाएं सुनने को मिल रही हैं। चर्चा है कि भाजपा के एक पूर्व महामंत्री और पूर्व मंडल अध्यक्ष केवल विधायक के नगर आगमन के दौरान ही सक्रिय नजर आते हैं।

स्थानीय लोगों के बीच यह भी कहा जा रहा है कि दोनों नेता आम जनता की समस्याओं और नगर के मुद्दों पर अपेक्षाकृत कम दिखाई देते हैं। वहीं नगर परिषद उपाध्यक्ष नमिता अग्रवाल के प्रतिनिधि बागिश अग्रवाल को लेकर भी राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हैं। लोगों का मानना है कि वे आगामी चुनावी संभावनाओं को लेकर मंथन कर रहे हैं और भविष्य की राजनीतिक रणनीति तय करने में जुटे हैं।

भ्रष्टाचार को लेकर पार्षद नाराज

नगर परिषद के आठ पार्षदों को लेकर भी चर्चाओं का बाजार गर्म है। कहा जा रहा है कि परिषद में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार को लेकर कुछ पार्षद नाराज है, लेकिन वे खुलकर अपनी बात रखने से बच रहे हैं। इधर, भाजपा मीडिया प्रभारी पंकज कोठारी भी चर्चाओं में हैं। लोगों का कहना है कि अपनी मिलनसार कार्यशैली और सभी को साथ लेकर चलने की छवि के कारण उन्होंने कम समय में लोकप्रियता हासिल की थी, लेकिन हाल ही में उनकी सार्वजनिक सक्रियता कुछ कम दिख रही है।

वार्ड 11 भी चर्चा का विषय बना

वार्ड 11 भी चर्चा का विषय बना हुआ है। यह नगर परिषद अध्यक्ष का वार्ड है और इसी वार्ड से दो एल्डरमैन आरती यादव और रामदास शर्मा नियुक्त किए गए हैं। इसे लेकर भी नगर में विभिन्न तरह की राजनीतिक चर्चाएं चल रही हैं। वहीं वार्ड 13 के एल्डरमैन रामकिशोर नंदवंशी से क्षेत्रवासियों को स्टेशन रोड की जर्जर सड़क और गड्ढों की समस्या के समाधान की उम्मीद है। दूसरी ओर वार्ड 14 में स्वच्छता अभियान के एंबेसडर पुरुषोत्तम शर्मा ने बारिश के मौसम में क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि समय रहते व्यवस्थाओं में सुधार नहीं हुआ तो बारिश के दौरान वार्डवासियों की परेशानियां बढ़ सकती हैं।

खाद्य अधिकारियों ने विभिन्न प्रतिष्ठानों का किया निरीक्षण, लिए नमूने

मंडीदीप। रायसेन कलेक्टर के निर्देशानुसार दुग्ध और दुग्ध पदार्थों से निर्मित खाद्य सामग्रियों की जांच के लिए शनिवार को विशेष अभियान चलाया गया। इसी क्रम में मंडीदीप क्षेत्र की दूध डेयरी सहित अन्य खाद्य पदार्थ विक्रय प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान यक्षिका दूध डेयरी इंद्रा नगर मंडीदीप से पनीर, लवान्या आईसक्रीम एवं मिल्क पार्लर सतलापुर मंडीदीप से पनीर, सत्यम डेयरी इंद्रानगर मंडीदीप से पनीर और झूलेलाल इंटरप्राइजेज महावीर नगर मंडीदीप से गाय का घी एवं देशी घी का नमूना जांच के लिए लिया और लेब भेज दिया। इसके अतिरिक्त नगर के किराना दुकानों से सरसों का तेल एवं शिवाय किराना से डीएफ गाय गोल्ड घी, चिली सॉस एवं सरसों का तेल के नमूने लिएं। कुल 10 नमूने जांच के लिए भेजे। जांच रिपोर्ट आने पर संबंधित खाद्य व्यवसायियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

दुकान में जांच करते अधिकारी।

जिनालय में हुआ भगवान जिनेंद्र का मस्तकाभिषेक और शांतिधारा

पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर और दिगंबर जैन मंदिर में उमड़े श्रद्धालु, पूजा-अर्चना की

मंदिर में पूजा करतीं महिलाएं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

स्टेशन रोड स्थित पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर एवं मेन रोड स्थित दिगंबर जैन मंदिर में सकल जैन समाज द्वारा श्रद्धा और भक्ति के साथ आठ दिवसीय अष्टान्हिका महापर्व मनाया जा रहा है। शनिवार को 5वां दिन भी धार्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर सुबह से ही जैन मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा, जहाँ भगवान जिनेंद्र का भव्य मस्तकाभिषेक, शांतिधारा और अष्टद्रव्य से नंदीश्वर द्वीप की विशेष संगीतमय पूजा-अर्चना की गई।

अष्टान्हिका पर्व के दौरान देवलोक के देवी-देवता मध्यलोक के आठवें 'नंदीश्वर द्वीप' में जाकर 52 जिनालयों में भगवान जिनेंद्र की पूजा-अर्चना करते हैं। अष्टान्हिका पर्व आत्मा को संयम, जप और त्याग की ओर मोड़ने का पवित्र अवसर है। इंदिरा तरुण जैन, आशा रानी, प्रदीप भंडारी, शिरोमणि जैन, संगीता जैन, सुनील समता, वर्धमान मीना जैन, अनुराग नीति जैन मौजूद थे।

रहवासियों की शिकायत के बाद भी नगर पालिका के जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान

मंडीदीप में पाइप लाइन बिछाने के लिए खोदी आठ किमी सड़क, कीचड़ और ऊबड़-खाबड़ रास्ते से निकल रहे लोग

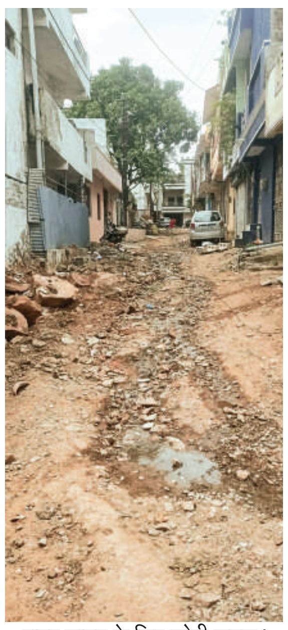

पाइप लाइन के लिए खोदी सड़क।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडीदीप

नगर पालिका मंडीदीप के 26 वार्डों में चल रहे अमृत 2 योजना बारिश में आम जन के लिए मुसीबत बन चुकी है। ठेकेदार कंपनी बालाजी द्वारा पाइप लाइन बिछाने के लिए खोदी सड़क की आज तक मरम्मत नहीं की, जिसके कारण करीब 5000 लोग रोज परेशान हैं।

लोगों को आने जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय रहवासियों द्वारा लगातार शिकायत के बावजूद नगर पालिका के जिम्मेदार इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं, जिसके कारण आम जनों में काफी रोष है। काम काजी लोग, स्कूली बच्चे, एवं दोपहिया वाहन को आने जाने में काफी मशक्कत करना पड़ रहा है। ठेकदार के द्वारा वर्षों पुरानी बनी सड़कें खोद तो दी परंतु 4 माह बीत जाने के बाद भी अभी तक मरम्मत शुरू नहीं किया है।

ऊबड़-खाबड़ रास्ते से गुजरते वाहन और स्कूली बच्चे।

सोशल मीडिया में वीडियो वायरल

नगर पालिका के उदासीन रवैए को लेकर नगर में लोगों की तीखी प्रक्रिया सोशल मीडिया में वायरल हो रही है, जिससे नगर के नेताओं को भी लोग कोसते हुए नजर आ रहे हैं। यही नहीं नपा के द्वारा सड़कों की मरम्मद करने के लिए कोई कार्ययोजना भी नहीं है।

बारिश में सड़क से गुजरना हुआ दूभर: *नगर के वार्डों में सड़कों में हुए कीचड़ से लोगों का आना जाना मानो पूरी तरह से बंद हो गया। बहते हुए सीवेज, नालिया चोक, और सड़कों में बड़े बड़े पत्थर राहगीरों को चोटिल कर रहे हैं।*

ठेकेदार को टीम बढ़ाने किया निर्देशित

हमने ठेकेदार को टीम बढ़ाने के लिए निर्देशित किया है, जिस गति से सड़कों की खुदाई हुई है, उसी गति से उसका स्टोरेशन भी करे, इसको लेकर हमने विभाग के उच्च अधिकारी को भी लेटर लिखा है जिससे काम में गति हो सके।

सुधीर उपाध्याय, सीएमओ, मंडीदीप नगर पालिका

दतिया विस उप चुनाव

1.06 करोड़ रुपए से अधिक की नगदी और सामग्री जब्त

भोपाल। दतिया विधानसभा उप चुनाव को शांतिपूर्ण, स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार लगातार सघन कार्रवाई की जा रही है। अब तक कुल 1 करोड़ 6 लाख 37 हजार 702 रुपए से अधिक मूल्य की नगदी, अवैध शराब एवं अन्य सामग्री जब्त की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एफएसटी (फ्लाइंग स्क्वॉड टीम), एसएसटी (स्टेटिक सर्विलांस टीम) एवं अन्य जांच दलों द्वारा अब तक 85 लाख 82 हजार 400 रुपए की नगद राशि जब्त की गई है। इसके अलावा कार्रवाई के दौरान 15 हजार 556 लीटर शराब भी जब्त की गई है।

प्रधान के इस्तीफे को देश के करोड़ों छात्रों, अभिभावकों और युवाओं की जीत बताया

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को देश के करोड़ों छात्रों, अभिभावकों और युवाओं की ऐतिहासिक जीत बताया है। उन्होंने भाजपा सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि भाजपा सरकार की हठधर्मिता, अहंकार और तानाशाही रवैये का अंत आखिरकार शुरू हो गया है।

उन्होंने कहा कि जिस प्रकार किसान आंदोलन के दौरान नरेंद्र मोदी सरकार को अपनी हठधर्मिता के आगे झुकना पड़ा था, उसी प्रकार आज देश के युवाओं के आक्रोश और लोकतांत्रिक संघर्ष के आगे भाजपा का अहंकार टूट गया है। यह छात्रों के संघर्ष, जनदबाव और लोकतंत्र की जीत है। उधर कांग्रेस द्वारा निकाला जाने वाला कैंडल मार्च सत्याग्रह बाद में विजय मार्च में बदल गया। यह मार्च व्यापमं चौराहे से प्रारंभ हुआ और बोर्ड आफिस चौराहा स्थित स्थित भारत रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थल पर समापन हो गया। इसमें बड़ी संख्या में कांग्रेसजनों ने हिस्सा लिया।

कांग्रेस ने निकाला कैंडल मार्च सत्याग्रह की जगह विजय मार्च

यह छात्रों के संघर्ष और लोकतंत्र की जीत: पटवारी

कांग्रेस का विजय मार्च।

विजय मार्च में यह शामिल

विजय मार्च में कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्य एवं पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल, पूर्व मंत्री ओमकार मरकाम, विधायक आरिफ मसूद, मध्यप्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, प्रदेश कांग्रेस महासचिव संजीव सक्सेना, जिला कांग्रेस संगठन महासचिव अभिषेक शर्मा, प्रदेश कांग्रेस सचिव योगेंद्र सिंह चौहान, राजकुमार सिंह, प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता रोशनी यादव, जिला कांग्रेस पदाधिकारी, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षगण, कांग्रेस कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में छात्र-युवा साथी उपस्थित रहे।

सत्य और संघर्ष की हुई विजय: अरुण यादव

देश भर में चर्चा का विषय बने नीट परीक्षा पेपर लीक प्रकरण में लंबे समय तक चले छात्र आंदोलन और न्याय की मांग के बाद आए घटनाक्रम पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अरुण यादव ने इसे देश के करोड़ों युवाओं, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों तथा उनके परिवारों के संघर्ष की ऐतिहासिक जीत बताया है। उन्होंने कहा कि देशभर के नीट अभ्यर्थियों, प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे सभी विद्यार्थियों तथा युवा साथियों को इस संघर्ष में मिली सफलता पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह जीत केवल विद्यार्थियों की नहीं, बल्कि लोकतंत्र, सत्य, न्याय और जनशक्ति की जीत है। कांग्रेस हमेशा युवाओं, किसानों, महिलाओं, दलितों, आदिवासियों, पिछड़े वर्गों तथा समाज के हर वंचित वर्ग के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करती रही है और आगे भी पूरी प्रतिबद्धता के साथ सड़क से लेकर संसद तक उनकी आवाज़ बुलंद करती रहेगी।

किसी राजनीतिक दल की नहीं, छात्रों की जीत

पटवारी ने कहा कि यह किसी एक राजनीतिक दल की नहीं, बल्कि न्याय की मांग कर रहे हर उस छात्र, अभिभावक और नागरिक की जीत है जिसने भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज़ बुलंद की। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पहले दिन से ही छात्रों की आवाज़ को संसद से लेकर सड़क तक पूरी ताकत से उठाया। उन्होंने लगातार जवाबदेही तय करने की मांग की और युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ संघर्ष किया। आज का घटनाक्रम उसी संघर्ष की जीत है। पटवारी ने कहा कि 21 मासूम बच्चों की मौत तथा उनके परिवारों का दर्द पूरे देश को आंदोलित कर रहा था। भाजपा शासनकाल में 152 से अधिक बार पेपर लीक हुआ। 7.5 करोड़ छात्र और उनके परिवार इससे प्रभावित हुए हैं और 50 से अधिक परीक्षाओं का निरस्त होना यह साबित करता है कि भाजपा युवाओं के भविष्य के साथ लगातार खिलवाड़ करती रही है।

छात्र-युवा शक्ति आंदोलन: देर आए, दुरुस्त आए

सरकार को काफी पहले वो कदम उठा लेने थे, जो अब उठाए हैं

रेल दुर्घटना के लिए जब तब के रेलमंत्री लालबहादुर शास्त्री ने इस्तीफा दिया था, तब वे ट्रेन की ड्राइवर सीट पर नहीं थे। यह नैतिक

आधार का सबब था। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा भी यही माना जाता। परंतु विलंब ने इस आधार में पलीता लगा दिया। यह दबाव में लिया-दिया गया त्यागपत्र है, जिसने नीट घोटालों से नाराज छात्र-युवा शक्ति का आंदोलन तो समाप्त करा दिया, परंतु इसका लाभ अपेक्षा के अनुसार शायद ही मिले। खैर, देर आए, दुरुस्त आए। आंदोलनकारियों की मांगें स्वीकार कर ली गईं। बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई कड़े कदम उठाकर आश्वासन दिया है कि परीक्षाओं की पवित्रता सुनिश्चित की जाएगी। गड़बड़ी करने वालों को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। फास्ट ट्रैक कोर्ट से अपराधियों को जल्द सजा और पीड़ितों को जल्दी न्याय मिल सकेगा। अब ठंडे दिमाग से विचार का भी समय है कि हिंसा किसी भी पक्ष की हो, स्वीकार नहीं की जा सकती। छात्र-युवा आंदोलन में राजनीति की घुसपैठ की कोशिशें भी उचित नहीं मानी जा सकतीं। सरकार को भी मामले की गंभीरता समझते हुए बहुत पहले वे सारे कदम उठा लेने थे, जो अब उठाए हैं। बहरहाल, अंत भला सो सब भला।

विजयदत्त श्रीधर
वरिष्ठ पत्रकार

सीएम, हेमंत ने प्रबुद्धजनों से किया संवाद

भाजपा सरकार सभी समाज वर्ग के कल्याण के लिए संकल्पित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने शनिवार को दतिया उपचुनाव कार्यालय में प्रबुद्धजन सम्मेलन को संबोधित किया।

प्रबुद्धजन सम्मेलन में दतिया विधानसभा क्षेत्र के दो दर्जन समाजों के प्रबुद्धजन व समाज प्रमुखों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेंमंत खण्डेलवाल के समक्ष भारतीय जनता पार्टी को अपने समाज का समर्थन दिया। समाज के प्रमुखों व प्रबुद्धजनों ने भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी को ऐतिहासिक मतों से विजयी बनाने के लिए अपने-अपने समाज के लोगों को वोट देने का भी आह्वान किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार सभी समाज वर्ग के हितों के लिए कार्य कर रही है।

भारतीय जनता पार्टी सरकार और संगठन समाज को साथ लेकर चलते हैं। हम सभी समाज वर्ग के उत्थान और उनके हितों के कल्याण के लिए कार्य करते हैं। जबकि कांग्रेस पार्टी तुष्टिकरण और वोटबैंक की राजनीति करती है। कांग्रेस के आंतरिक लोकतंत्र नहीं है।

समाज के कल्याण के लिए बनाए बोर्ड-आयोग

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सभी समाजों को साथ लेकर चलने में विश्वास रखती है। मनुष्य एक सामजिक प्राणी है, भाजपा समाजों के साथ चलकर राष्ट्रवाद प्रथम के सिद्धांतों पर कार्य कर रही है। भाजपा में व्यापारियों, अधिवक्ताओं, शिक्षकों, चिकित्सकों सहित अन्य प्रबुद्धजनों के लिए अलग-अलग प्रकोष्ठों का गठन किया गया है और प्रकोष्ठों और अपने संगठनों के जरिए हम सभी समाज के हितों के लिए कार्य करते हैं।

रिटायर्ड अधिकारी कर्मचारियों को मिले काल्पनिक पदोन्नति

भोपाल। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर खाद एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के आदेश का अनुसरण करते हुए समस्त विभागों अर्द्धशासकीय विभागों के अधिकारी कर्मचारियों एवं सेवानिवृत अधिकारी कर्मचारियों को 2016 से काल्पनिक पदोन्नति दी जाए तथा उनको पेंशन में पुनरक्षित वेतन निर्धारण कर लाभ देन की मांग की है। मंच के प्रदेशाध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि मध्य प्रदेश शासन के खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग मंत्रालय ने आदेश जारी करके विभाग के सहायक संचालक केएस पेड़ो को सेवानिवृत्ति के बाद उप संचालक के पद पर काल्पनिक पदोन्नति देकर पुनरीक्षित वेतन निर्धारण में लाभ देकर पेंशन में आर्थिक लाभ दिया है। उसी का अनुसरण करते हुए प्रदेश में पदोन्नति से वंचित सेवानिवृत हुए लाखों कर्मचारियों अधिकारियों एवं कार्यरत अधिकारी कर्मचारियों को मध्य प्रदेश सरकार काल्पनिक पदोन्नति का लाभ दे जिससे सेवानिवृत अधिकारी कर्मचारियों को पेंशन में आर्थिक लाभ हो सके एवं कार्य कर्मचारियों को पद एवं वेतनमान का लाभ हो सके।

प्रदेश के अतिथि शिक्षकों को एक साल में मिलेंगे 10 अवकाश

भोपाल। मप्र सरकार ने प्रदेश के अतिथि शिक्षकों को अवकाश को लेकर बड़ी राहत दी है। स्कूल शिक्षा विभाग में कार्यरत अतिथि शिक्षकों को अब स्कूल शिक्षा विभाग में कार्यरत 90 हजार अतिथि शिक्षकों को आकस्मिक अवकाश की सुविधा मिलेगी। यानि अब हर अतिथि शिक्षक को अब साल भर में दस सीएल यानी आकस्मिक अवकाश मिलेंगे। स्कूल शिक्षा मंत्री ने कहा है कि विभाग जल्दी ही इसके आदेश जारी करेगा।

सरकार शिक्षकों और विद्यार्थियों से जुड़े सभी विषयों पर अत्यंत संवेदनशील: मुख्यमंत्री

फास्ट ट्रैक कोर्ट में 3 माह में होगा परीक्षा जैसे अन्य गंभीर मामलों का निराकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मप्र सरकार शिक्षक और विद्यार्थी वर्ग के कल्याण से जुड़े सभी विषयों पर अत्यंत गंभीर और संवेदनशील है। शिक्षा के क्षेत्र में सुधार और विद्यार्थियों के हित में लगातार महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से देश की जनता के हित में जब भी कोई निर्णय लिया जाता है, मप्र उसे लागू करने और निर्णय के अनुरूप नीतिगत व्यवस्था बनाने वाला पहला राज्य होता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को मप्र विधानसभा स्थित सेंट्रल हॉल में मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समय की जरूरत है कि युवाओं से संबंधित न्यायिक फैसले द्रुत गति से हों। इसके लिए मध्यप्रदेश में 4 फास्ट ट्रैक कोर्ट्स (भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर में) बनाये जाएंगे। पेपर लीक और परीक्षा सहित अन्य मामलों का फास्ट ट्रैक कोर्ट में मात्र 3 माह में निराकरण किया जाएगा।

फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन के केन्द्र सरकार के निर्णय का सबसे पहले मध्यप्रदेश में अमल शुरू

नीट पेपर लीक की खबर आते ही कार्रवाई की

1. युवाओं और विद्यार्थियों के कल्याण की चिंता हमारा कर्तव्य
2. मुख्यमंत्री ने विधानसभा परिसर में की मीडिया से चर्चा
3. युवाओं को तुरंत न्याय दिलाना आज के समय की जरूरत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मन में विद्यार्थियों के कल्याण और उनसे जुड़े सभी विषयों को लेकर बेहद सकारात्मक भाव हैं। उन्होंने कहा कि जैसे ही नीट पेपर लीक की खबर सामने आई, उसकी जांच के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) गठित की। प्रकरण दर्ज हुआ और देशभर में तेज गति से आरोपियों की गिरफ्तारियां भी की गई, फिर दोबारा नीट परीक्षा कराई गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पूरी सहानुभूति और संवेदना विद्यार्थियों के साथ है। हम हर परिस्थिति में विद्यार्थियों के साथ खड़े हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भविष्य में नीट परीक्षाएं बेहतर और पारदर्शी तरीके से सम्पन्न हों, इसके लिए स्टैंडर्ड ऑफ प्रोटोकॉल्स (एसओपी) तैयार कर सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 देश में सबसे पहले लागू

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा मप्र वह राज्य है, जहां राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 देश में सबसे पहले लागू की गई। पिछले ढाई साल के कार्यकाल में राज्य सरकार ने 3 नए शासकीय विश्वविद्यालय शुरू किए हैं। प्रदेश में विकास की गतिविधियों को गति देकर तेज़ी लाने के साथ-साथ युवाओं और विद्यार्थियों के लिए कल्याण की चिंता कर इनके हित में निर्णय लेना भी हमारा कर्तव्य है। विद्यार्थियों के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय हमारी सरकार ले चुकी है और यह आगे भी लगातार जारी रहेंगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में मेडिकल कॉलेज की संख्या दोगुनी से अधिक हो चुकी है।

नई पीढ़ी को पूर्व सीएम स्व. गोविन्द नारायण से सेवा-समर्पण की लेनी चाहिए सीख: सीएम डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राजनीति का उद्देश्य केवल सत्ता पाना नहीं, समाज का कल्याण करना है। आज की नई पीढ़ी को पूर्व मुख्यमंत्री स्व गोविंद नारायण सिंह के जीवन से सेवा, समर्पण और नैतिकता की सीख लेनी चाहिए। वे बेहद सरल जीवन और सहज व्यवहार के लिए प्रसिद्ध थे। जनता से उनका सीधा संवाद उनकी सबसे बड़ी शक्ति था। डॉ यादव ने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व सिंह की जयंती पर शनिवार को मध्यप्रदेश विधानसभा के सेंट्रल हॉल में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। पुष्पांजलि कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं पूर्व मुख्यमंत्री स्व सिंह के परिजन उपस्थित थे। डॉ. यादव ने कहा कि स्व सिंह ने ग्रामीण क्षेत्रों और सामान्य नागरिकों की समस्याओं को निकट से समझा।

विधानसभा के सेंट्रल हॉल में अर्पित की पुष्पांजलि

स्व गोविंद नारायण को पुष्पांजलि अर्पित करते सीएम।

सिंह का कार्यकाल राजनीतिक परिवर्तन का प्रतीक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि गोविन्द नारायण सिंह वर्ष 1967 में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री बने, जब प्रदेश की राजनीति एक नए दौर से गुजर रही थी। उन्होंने प्रशासन में जवाबदेही और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का प्रयास किया. लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत बनाने और जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप शासन चलाने की दिशा में कार्य किया। उनका कार्यकाल राजनीतिक परिवर्तन का महत्वपूर्ण प्रतीक माना जाता है।

सादगी, निष्पक्षता से बनाई समाज सेवा के क्षेत्र में पहचान

सीएम ने मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री स्व गोविंद नारायण राज्य में तत्कालीन संविद सरकार की राजनीति के केंद्र बिंदु थे। सिंह ने राजमाता सिंधिया के कार्यकाल में जनता की आवाज बनकर यह भरोसा दिलाया था कि पक्ष हो या विपक्ष, अब राजनीति में बदलाव का समय है। डॉ यादव ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व विधानसभा अध्यक्षों की जयंती और पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि कार्यक्रम कराने की उत्कृष्ट पहल की है।

जिपं उपाध्यक्ष ने किया स्कूलों का निरीक्षण, गायब मिली शिक्षिका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल जिला पंचायत उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट ने शनिवार को शासकीय हाईस्कूल मजीदगढ़ एवं अन्य स्कूलों का निरीक्षण किया। इस दौरान स्कूलों में खामियों के साथ ही शिक्षक गायब मिले।

जिला समिति के अध्यक्ष जाट ने शासकीय हाईस्कूल मजीदगढ़ एवं अन्य स्कूलों का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि शाला प्रभारी अनीश खान गंभीर अनियमितताएं कर रहे हैं। शाला विकास समिति की कैसबुक एवं अन्य अभिलेख भी संधारित्र नहीं पाए गए। विद्यार्थियों ने बताया कि शाला दोपहर 3 बजे ही बंद हो जाती है। उपाध्यक्ष ने हाथों से टॉयलेट सीट उठा दी। टॉयलेट में फर्शियां भी उखड़ी हुई थी। इस पर उपाध्यक्ष ने जिम्मेदारों को जमकर फटकार लगाई। शिक्षिका ज्योति खरे कई दिन से बिना सूचना के अनुपस्थित पाई गईं। शाला प्रभारी ने जानकारी दी कि शिक्षिका ने संकुल प्राचार्य को भी कोई सूचना नहीं दी।

मौजूदा आंकड़ों के कारण मिशन अपने निर्धारित उद्देश्यों से काफी पीछे रह गया, लक्ष्य से करोड़ों परिवार दूर

सीएजी की रिपोर्ट में खुलासा, कमजोर प्लानिंग से लड़खड़ाया जल जीवन मिशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट ने मप्र में जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। रिपोर्ट के अनुसार राज्य सरकार की वार्षिक कार्य योजनाओं में लगातार कमजोर नियोजन, अवास्तविक लक्ष्य निर्धारण और अविश्वसनीय आंकड़ों के कारण मिशन अपने निर्धारित उद्देश्यों से काफी पीछे रह गया। संसाधनों का समुचित उपयोग नहीं हो सका। लाखों परिवारों तक समय पर नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य अधूरा रह गया। रिपोर्ट में बताया गया है कि दिसंबर 2019 में जल जीवन मिशन के दिशा-निर्देश देर से जारी होने के कारण वर्ष 2019-20 की वार्षिक कार्य योजना ही तैयार नहीं की गई।

इसके बावजूद 4.19 लाख घरेलू नल कनेक्शन बिना किसी निर्धारित लक्ष्य के दिए गए, जिससे मिशन का क्रियान्वयन शुरुआत से ही असंगठित रहा। इसके बाद तैयार की गई योजनाओं में भी जमीनी हकीकत के बजाय अत्याधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किए गए। वर्ष 2020-21 में 26.27 लाख नल कनेक्शन देने का लक्ष्य रखा गया, लेकिन उपलब्धि केवल 19.87 लाख (75.64 प्रतिशत) रही। वर्ष 2021-22 में 22.01 लाख कनेक्शन का लक्ष्य रखा गया, जबकि केवल 10.89 लाख (49.48 प्रतिशत) कनेक्शन ही दिए जा सके। वर्ष 2023-24 तक कुल 95.32 लाख कनेक्शन देने की योजना के मुकाबले केवल 55.16 लाख कनेक्शन ही उपलब्ध कराए गए और वार्षिक उपलब्धि दर घटकर 41.79 प्रतिशत रह गई।

4.19 लाख घरेलू नल कनेक्शन बिना किसी निर्धारित लक्ष्य के दिए गए

फाइल फोटो।

आंकड़ों में आठ लाख परिवारों का अंतर, बढ़ा गैप-

सीएजी ने योजना निर्माण में आंकड़ों की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाए हैं। वर्ष 2023-24 की वार्षिक कार्य योजना के आंकड़ों और राष्ट्रीय जल जीवन मिशन डैशबोर्ड के आंकड़ों में लगभग आठ लाख परिवारों का अंतर पाया गया। रिपोर्ट के अनुसार यह डेटा वैलिडेशन और रिपोर्टिंग व्यवस्था की गंभीर कमजोरी को दर्शाता है, जिससे वास्तविक जरूरतों के अनुसार योजना बनाना प्रभावित हुआ।

समूह -ग्राम योजनाओं में भी बड़ी चूक मिली

सीएजी की रिपोर्ट के अनुसार समूह -ग्राम जल योजनाओं का नियोजन भी प्रभावी नहीं रहा। वर्ष 2021-22 की योजना में ऐसी परियोजनाएं शामिल की गईं, जिनका कार्यान्वयन वर्ष 2023-24 में शुरू होना था, जबकि इन परियोजनाओं को पूरा होने में 24 से 30 महीने लगते हैं। वर्ष 2023-24 में शुरू की गई 29 एमवीएस योजनाओं की पूर्णता तिथि जुलाई 2026 तय की गई। वहीं विभाग की ओर से पहले पूरी की गई टर्न-की परियोजनाओं का औसत समय 80 माह रहा, जिससे इन योजनाओं के मार्च 2028 के बाद तक खिंचने की आशंका भी जताई गई है।

एससी-एसटी क्षेत्रों की उपेक्षा की गई

सीएजी ने यह भी पाया कि राज्य में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति बहुल 59,288 बसाहटों में से वर्ष 2021-22 की योजना में केवल 11,307 बसाहटों को ही शामिल किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, इससे मिशन के सामाजिक समावेशन और समानता के उद्देश्य भी प्रभावित हुए। सीएजी का निष्कर्ष है कि कमजोर योजना निर्माण, अवास्तविक लक्ष्य, डेटा में विसंगतियां, परियोजनाओं की धीमी गति और प्राथमिकता निर्धारण की कमियों के कारण मप्र में जल जीवन मिशन अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं कर सका।

रेट्रोफिटिंग की अनदेखी की वजह से बढ़ी देरी

सीएजी ने यह भी कहा कि विभाग ने 29,626 मौजूदा पाइप जलापूर्ति योजनाओं के रेट्रोफिटिंग जैसे अपेक्षाकृत आसान और त्वरित विकल्पों को प्राथमिकता नहीं दी। घरेलू जल कवरेज केवल 40.93 प्रतिशत था, लेकिन अधूरी योजनाओं को पूरा करने के बजाय नई परियोजनाओं पर अधिक जोर दिया गया, जो जल जीवन मिशन के समानता के सिद्धांत के विपरीत है। 100-दिवसीय अभियान भी बना अव्यवस्थित रिपोर्ट के अनुसार सार्वजनिक संस्थानों के लिए चलाया गया 100-दिवसीय अभियान भी निर्धारित समय से आगे बढ़ा दिया गया। घरेलू नल कनेक्शन योजनाओं के साथ समन्वय के बजाय अलग-अलग परियोजनाएं शुरू की गईं।

पेज एक का शेष....

युवा क्रांति ने ...

की भीड़ है। 26 दिन से अनशन कर रहे सोनम वांगचुक को ये मीडिया लांछित कर रही थी। यहीं से आंदोलन बड़ा होना शुरु हो गया। देश सभी राज्यों में फैल गया। जंतर मंतर पर बेशुमार भीड़ हो गई। देश का हर घर, हर आदमी और हर युवा इनसे जुड़ता गया। देश के अलग-अलग राज्यों से फूड फैकेट आने लगे। बिस्तर आने लगे। डॉक्टर दवाइयों सहित आने लगे। सेनेटरी पैड आने लगे। जैसे ही आंदोलन की तीव्रता बढ़ी। ये युवा संसद के करीब तक पहुंच गए। लेकिन, इन सबके बीच इन युवाओं पर लग रहे आरोप भी बड़े हो गए। किन्ही मीडिया ने इनको अराजक तत्व, फॉरेन फंडिंग और भाड़े के गुंड़ों तक से जोड़ दिया। जब दिल्ली पुलिस ने इन पर लाठियां बरसाईं, आंसू गैस के गोले दागे, पेलेट गन तक चलाई। युवा लड़कियों से अभद्रता तक की गई। तब तक यह आंदोलन एक विस्फोट में बदल चुका था। संसद ठप हो गई थी। इस बीच, वांगचुक को सरकार मनाने में कामयाब हो गई। उन्होंने अनशन तोड़ दिया पर विपक्षी दलों ने भी साफ कह दिया था-पहले इस्तीफा, फिर चर्चा। आखिरकार, सरकार झुकी। सीजेपी से 3 दौर की बात की। उनकी तीनों मांगों को मानना पड़ा। दीपके ने प्रधान के इस्तीफे के बाद कहा कि यह तो शुरुआत है। ये लोग अपने को बादशाह समझ बैठे थे। ये हमसे बादशाह हैं। इनको लाइन पर लाना जरूरी था और यह इस देश के युवाओं ने कर दिखाया है। इस आंदोलन की गूंज सिर्फ भारत में ही नहीं, सात समंदर पार भी गई।

सभी प्रदर्शनकारी घर...

जाएं। रांका ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में सरकार से 3 बार बातचीत हुई। हमारी तीनों मांगें मान ली गई हैं। इससे पहले शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की खबर आते ही जंतर-मंतर पर जश्न का माहौल है। छात्रों ने छात्र एकता जिंदाबाद के नारे लगाए। राष्ट्रगान गाया। इस दौरान नीट पेपर लीक के बाद जान गंवाने स्टूडेंट्स के लिए 2 मिनट का मौन रखा गया। अभिजीत दीपके ने सीजेआई सूर्यकांत को धन्यवाद देते हुए कहा कि अगर आपने हमें कॉकरोच न कहा होता, तो धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देते।

कहा-10 दिन....

घटनाक्रम देखकर मेरा मन दुखी है। यह मेरे लिए व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का विषय नहीं है। प्रधान ने कहा कि उन्होंने पहले दिन से ही जिम्मेदारी ली है और इस परिस्थिति से कभी मुंह नहीं मोड़ा।

नई पीढ़ी को ...

है। हमें आदेश देने की बजाए उनसे बातचीत करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें हर बात के पीछे का तर्क समझाना चाहिए, न कि आदेश देना चाहिए। संवाद के जरिए ही उन्हें सही दिशा दिखाई जा सकती है। हम मनमानी करेंगे, शक्ति से सबके मालिक बनेंगे, ऐसा नहीं हो सकता। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब देश में पेपर लीक के मुद्दे को लेकर छात्र जंतर-मंतर प्रदर्शन कर रहे थे।

पीएम मोदी मांगें ...

आरएसएस पर शिक्षा प्रणाली पर कब्जे का आरोप लगाया और मांग की कि छात्रों पर हमला करने वालों को सजा दी जाए तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के छात्रों से माफी मांगें।

यह लोकतंत्र और....

जनआंदोलन की जीत करार दिया है। 26 दिन तक अनशन करने वाले वांगचुक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सीजेपी और देशभर के जेन जेड छात्रों व नागरिकों को बधाई दी। नीट यूजी विवाद और लगातार जारी छात्र आंदोलन के बीच आए इस इस्तीफे पर उन्होंने कहा कि जनता की ताकत से ही जवाबदेही तय हुई है। वांगचुक ने स्पष्ट किया कि इस्तीफा सिर्फ पहला कदम है, अब परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता लाने, पेपर लीक रोकने और व्यापक शिक्षा सुधार लागू करने का समय है।

डॉ. द्विवेदी ने ...

व मुख्य वक्ता बक्सर के सांसद सुधाकर सिंह एवं प्रो. गुरुप्रसाद सिंह (पशुपालन विभाग, बीएचयू) थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. प्रेम नारायण सिंह (निदेशक अंतर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षा केंद्र, वाराणसी) ने की। अपने संबोधन में डॉ. द्विवेदी ने शिक्षा में किए जा रहे नए नीतिगत बदलाओं का मुख्य उद्देश्य मनुष्य को संवेदनशील बनाया जाना बताया। उन्होंने कहा कि जो शिक्षा और शिक्षा नीति संस्कारों को विस्तार न दे सके वह व्यर्थ है। द्विवेदी ने पौराणिक और धार्मिक कथाओं के समृद्ध स्वरुप से अपने तर्कों को पुष्ट कर व्याख्यान को सार्थक बनाया।

शिक्षा की अवधारणा....

बक्सर के सांसद सुधाकर सिंह ने शिक्षा के प्रशासनिक, आर्थिक स्वायत्तता की बात की साथ में कैंपस में शिक्षा सभी को एक बराबर मिले इस पर मुख्य रूप से बल दिया। उन्होंने आजादी के बाद वर्तमान तक शिक्षा नीतियों की समीक्षा प्रस्तुत करते हुए उनकी विवेचना की। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. शिवेंद्र राणा व धन्यवाद ज्ञापन अश्विनी सिंह ने किया।

कई कांग्रेस नेताओं ....

पर चुनाव प्रचार किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस उप चुनाव में विपक्ष को लगने लगा है कि यहां जाना बेकार में मेहनत करना है। कांग्रेस ने पिछले चुनाव के बाद दतिया के विकास का पहिया रोका है। मुझे कई कांग्रेस नेताओं ने फोन कर बताया कि हमसे गलती हो गई, कांग्रेस तो डूबता जहाज है, इसमें कौन बैठेगा? डॉ. यादव ने कहा कि कांग्रेस बेशरम और गाजर घास की तरह पूरे देश से धीरे-धीरे गायब हो रही है। भाजपा की सरकार वाला मप्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़, उत्तरप्रदेश, बिहार, हरियाणा और अब तो पश्चिम बंगाल भी विकास की धारा में आगे बढ़ रहा है। पीतांबरा पीठ से लेकर कालका मैया तक और गंगोत्री से लेकर गंगा सागर तक पूरे देश में भाजपा का शासन है। कांग्रेस के खुद के कर्म ऐसे हैं कि उसने हमेशा किसानों और युवाओं का दमन किया। हमेशा झूठ और फरेब की राजनीति की। उनके नेताओं को खुद पता नहीं रहता है कि क्या बोल रहे हैं।

कांग्रेस पर लगाया ...

है, उसे पूरा करने का प्रयास करती है। प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति देने और रोजगार के नए अवसर पैदा करने के लिए भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

कार्यालय नगर पालिक निगम, बीरगांव जिला - रायपुर (छ.ग.)

Email Id: birgaonmcp@gmail.com http://www.nagarnigambirgaon.com

क्रं./ 2184/न.पा.नि./ लो. नि. शाखा / 2026 बीरगांव, दिनांक 24/07/2026

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

e-Procurement Tender Notice (1st Call)

नगर पालिक निगम बीरगांव द्वारा मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजनान्तर्गत बंजारी मंदिर चौक से बस स्टैण्ड होते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रावांभाठा तक सड़क चौड़ीकरण कार्य (निविदा राशि रू. 530.23) लाख के लिए System Tender No 196142 अनुसार लोक निर्माण विभाग में [Following work as per schedule of rates for Road works issued by Engineer-In-Chief PWD Raipur in force from 15.06.2026, Building S.OR. in force from 10.06.2026, ELECTRICAL S.O.R 10.06.2026, and amendments applicable upto date of issue of NIT.] से प्रचलित एस.ओ.आर. में प्रतिशत दर पर (System Tender 196142 Bid Start Date 25.07.2026, Bid Due date. 17.08.2026, Physical Submission Last Date 24.08.2026, Open Date 25.08.2026) तक ई - निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक सक्षम पात्र निविदाकार, निविदा प्रपत्र, अनुमानित लागत राशि, नियम एवं शर्तें, धरोहर राशि, Key Date एवं विस्तृत जानकारी कार्यालयीन अवधि में निकाय कार्यालय से प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही यह जानकारी नगर पालिक निगम बीरगांव की वेबसाईट www.nagarnigambirgaon.com व संचालनालय की वेबसाईट www.uad.cg.gov.in में भी उपलब्ध है। इसे https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड / प्राप्त कर ईटेण्डरिंग के माध्यम से निविदा भरने की कार्यवाही कर सकते है।

"जय भारत जय छत्तीसगढ़"
"Say No To Plastic Bags, Save Earth"
"जल है तो कल है" "Use e-mail Save Tree"

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम बीरगांव
जिला - रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, राजधानी संभाग क्रमांक - 1
राज. परि. प्रशा., लो.नि.वि., ई-5, अरेरा कॉलोनी, भोपाल

// निविदा आमंत्रण सूचना //

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर उपलब्ध है :

सं. क्रं.	टेन्डर नं.	निविदा क्रं. एवं दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	निविदा प्रपत्र ऑनलाईन विक्रय, डाऊनलोड की अंतिम तिथि
1	2026_CPA_523018_1	48/SAC dt. 21.07.26	राजधानी संभाग क्रमांक-1, राज. परि. प्रशा. लो.नि.वि. भोपाल के अधीन मार्गों पर बी.टी. पेच रिपेयर का कार्य	Rs. 50.00	Rs. 50000.00	Rs. 10000/-	05.08.2026
2	2026_CPA_523019_1	49/SAC dt. 21.07.26	राजधानी उपसंभाग क्रमांक-6, रा.प.प्र., लोनिवि भोपाल के अधीन अरिहायसी भवनों की मरम्मत एवं वाटर प्रूफिंग का कार्य	Rs. 30.00	Rs. 50000.00	Rs. 5000/-	तदैव
3	2026_CPA_523020_1	50/SAC dt. 21.07.26	राजधानी उपसंभाग क्रमांक-6, रा.प.प्र.. लोनिवि भोपाल के अधीन विविध स्थानों पर बेरीकेटस का प्रदाय, स्थल की सफाई, मरम्मत एवं पेंटिंग का कार्य	Rs. 30.00	Rs. 50000.00	Rs. 5000/-	तदैव

उपरोक्त वेबसाईट से ऑनलाईन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेन्डर डोक्यूमेंट) वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त हो सकेंगे। निविदा प्रपत्र क्रय, डाउनलोड एवं आनलॉइन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 05.08.2026 सायं 5.30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एनआईटी एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट में देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री, राजधानी संभाग क्रमांक - 1
राज. परि. प्रशा., लो.नि.वि., ई-5, अरेरा कॉलोनी, भोपाल
0755-2464382

G-16177/26 " स्वच्छता ही सेवा "

मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग (अधीक्षण शाखा)
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल दूरभाष क्र.- 0755-2512077, 2512076

क्रमांक एफ 2/2/11/0002/12-1/नाजिर/1817 भोपाल, दिनांक 23/07/2026

// ई-निविदा सूचना //

मध्यप्रदेश मंत्रालय में मान. मुख्यमंत्री/मंत्रीगण / अधिकारियों एवं मंत्रालय में संचालित विभिन्न विभागों के शासकीय उपयोगार्थ नाजिर शाखा से संबंधित सामग्री क्रय करने हेतु ऑनलाईन ई-निविदाएं ई-प्रोक्योरमेंट प्रोर्टल https://mptenders.gov.in के माध्यम से आमंत्रित की जाती है, जिसका संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है :-

1	ऑन लाईन निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं निविदा प्रोसेसिंग फीस	रुपए 1000/- + प्रोसेसिंग शुल्क
2	निविदा फार्म ऑनलाईन क्रय करने की प्रारंभ तिथि व समय	दिनांक 29/07/2026 समय अपरान्ह 12:00 बजे से
3	निविदा फार्म ऑनलाईन जमा करने की अंतिम तिथि व समय	दिनांक 19/08/2026 समय अपरान्ह 12:00 बजे तक
4	निर्धारित अवधि में प्राप्त ऑनलाईन निविदाओं को खोलने की तिथि एवं समय	1. टेक्निकल बिड- दिनांक 20/08/2026 समय अपरान्ह 01:00 बजे 2. फायनेंशियल बिड-दिनांक 20/08/2026 समय अपरान्ह 01:30 बजे
5	प्राप्त निविदाओं को खोलने का स्थान / निविदाओं को खोलते समय निविदाकारों की उपस्थिति प्रार्थनीय है।	मंत्रालय स्थित कक्ष क्रमांक 116 (समिति कक्ष) वल्लभ भवन क्रमांक-01, भोपाल

ई-निविदा सूचना में कोई भी संशोधन समाचार पत्रों में प्रकाशित न किया जाकर वेबसाईट पर ही जारी किये जायेगें। निविदा की विस्तृत शर्तें एवं जानकारी उपरोक्त वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है।

अवर सचिव (अधीक्षण)
मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग

G-16200/26 " स्वच्छता ही सेवा "

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड़ नर्मदापुरम

दूरभाष कमांक 07574-253119
Email Address - eephedhos@mp.nic.in

:: निविदा आमंत्रण सूचना ::

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आनलाईन वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित की गई हैं। निविदा प्रपत्र ऑनलाईन क्रय एवं ऑनलाईन प्रस्तुत किये जावेंगे। ऑनलाईन वित्तीय ऑफर दिनांक 04.08.2026 शाम 17.00 बजे तक प्रस्तुत किये जा सकते हैं। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाईट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी वेबसाईट पर देखी जा सकती है।

निविदा सूचना क्रमांक	ई-टेण्डर क्रमांक	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (PAC) (रु.मे)	धरोहर राशि (e-EMD) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	रिमार्क
05/26-27 Date 20-07-2026	2026_PHED_522971_1	Drilling of 350/150mm Dia Gravel Packed Tube well [75 mtr Deep] Including Installation of Handpums 10 Nos. in various Villages/Habitations of All District Narmadapuram.	1195000/-	23900/-	2000/-	45 दिवस (वर्षा काल रहित)	-
06/26-27 Date 20-07-2026	2026_PHED_523107_1	Drilling of 350/150mm Dia Gravel Packed Tube well [75 mtr Deep] Including Installation of Handpums -10 Nos. in various Villages/Habitations of All District Narmadapuram.	1195000/-	23900/-	2000/-	45 दिवस (वर्षा काल रहित)	-
07/26-27 Date 20-07-2026	2026_PHED_523110_1	Drilling of 350/150mm Dia Gravel Packed Tube well [75 mtr Deep] Including Installation of Handpums 10 Nos. in various Villages/Habitations of All District Narmadapuram.	1195000/-	23900/-	2000/-	45 दिवस (वर्षा काल रहित)	-
08/26-27 Date 20-07-2026	2026_PHED_523122_1	Drilling of 350/150mm Dia Gravel Packed Tube well [75 mtr Deep] Including Installation of Handpums -10 Nos. in various Villages/Habitations of All District Narmadapuram.	1195000/-	23900/-	2000/-	45 दिवस (वर्षा काल रहित)	-
09/26-27 Date 20-07-2026	2026_PHED_523127_1	Drilling of 350/150 mm dia Combination Tube Wells (350/150mm dia graval packed + 150 mm dia ordinary) 120 m deep Including Installation of Handpums 10 Nos. in various Villages/Habitations of All District Narmadapuram.	1308000/-	26160/-	2000/-	45 दिवस (वर्षा काल रहित)	-

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
नर्मदापुरम

जी- 16191/26 स्वच्छता ही सेवा

आवश्यकता है · खरीदना है · बेचना है · व्यापार · चिकित्सा · ज्योतिष · डिस्प्ले विज्ञापन

हरिभूमि क्लासीफाइड
संपर्क सूत्र : 9407279644

JAWAHARLAL NEHRU COLLEGE
Affiliated to Barkatullah University, Bhopal, Recognised by Govt. of M.P. & NCTE New Delhi)
DIRECT ADMISSION
QUALITY EDUCATION · AFFORDABLE FEES · A BETTER FUTURE
COURSES OFFERED अंतिम अवसर ESTD. 1999
UNDERGRADUATE PROGRAMMES (UG)
• B.A. • B.Com. (Plain) • B.Com. (Computer Application) • B.B.A.
• B.C.A. • B.Sc. (Computer Science / IT) • B.Sc. PCM/CBZ
• B.Sc. Microbiology / Biotechnology
• B.Sc. Electronics/Environmental Science • B.Lib.I.Sc. • B.P.E.S.
POSTGRADUATE & DIPLOMA PROGRAMMES (PG)
• M.Sc. • Physics • Botany • Zoology • Microbiology • Biotechnology • Computer Science • Mathematics
• M.A. • English • Urdu • Political Science • Sociology • Economics
• M.Com. • M.Lib.I.Sc. • Chemistry • P.G.D.C.A.
• P.G. Diploma in Yogic Science
ADMISSION HELPLINE 7000306323
8889560478 | 9098276651 | 9826264575 | 8085377716
PROFESSIONAL COURSES CAMPUS D.El.Ed. B.Ed. B.P.Ed. M.P.Ed. M.Ed.
Mugalia Hat, Parwalia Sadak, Bhopal
Add.: 56-C, Shyamla Hills, Opp. Khushbu Park, Civil Lines, Bhopal
0755-2660949, 2661064 www.jncbpl.com jlnpgcollege_bhopal@yahoo.com

हरिभूमि
रनिंग क्लासीफाइड
उठावना, शोक संदेश, जन्मदिन, आमसूचना आम/कोर्ट नोटिस

हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी
भोपाल बाजार
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
मो. 9407279644

प्लाट मात्र 3,55,000 हजार में आसान किश्तों पर
साईट:- 220 फिट रिंग रोड न्यू बायपास से लगी हुई
डायवर्सन एवं NOC एप्रूड
आफिस इंडिया प्रोपर्टी करोंद भोपाल
मो. 7772079910

Medical Help Line
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644

नये दागों का आना तुरन्त बंद

सफेद दाग
चर्म रोग, पित्ते की पथरी, गुर्दे की पथरी
44 वर्षो का होम्योपैथिक चिकित्सा सेवा का अनुभव
Timing 10:30 am to 8:00 pm
Dr. Safi's HOMEOPATHIC CLINIC
कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें। M. 9425006131, 8871714432
5/4, संजय कॉम्पलेक्स माता मंदिर, टी.टी. नगर भोपाल | सौलत मंज़िल पुरानी कज़ियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

वैवाहिकी
वधु चाहिए
वैवाहिकी
उम्र-55 की, दिल बचपन का खैरागढ़ या अन्यत्र किन्तु 36गढ़ स्थित प्रशासनिक सेवारत वाले संयुक्त परिवार की पढ़ी-लिखी सम्भ्रान्त कुलीन वधु चाहिए। अपेक्षक; नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलॉजी, हरियाणा के प्रथम सुपर एडमिन, डी.डी.यू. गोरखपुर युनिवर्सिटी के कन्फाइडिंग सुपर एडमिनिस्ट्रेटर, टाइम्स ऑफ इंडिया और पुस्तक महल के रेपिडेक्स इंग्लिश लर्नर तथा भिलाई-दुर्ग रायपुर में संचालित माइंड पॉवर के संचालक होने के साथ ही साथ राज्य शैक्षिक अनुसंधान परिषद, शंकर नगर रायपुर के कन्सल्टेंट भी रहे।
व्यक्तिगत आमंत्रण
कोहका, पिन- 490023

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

- व्यावस्थापक

शब्द पहेली - 6298

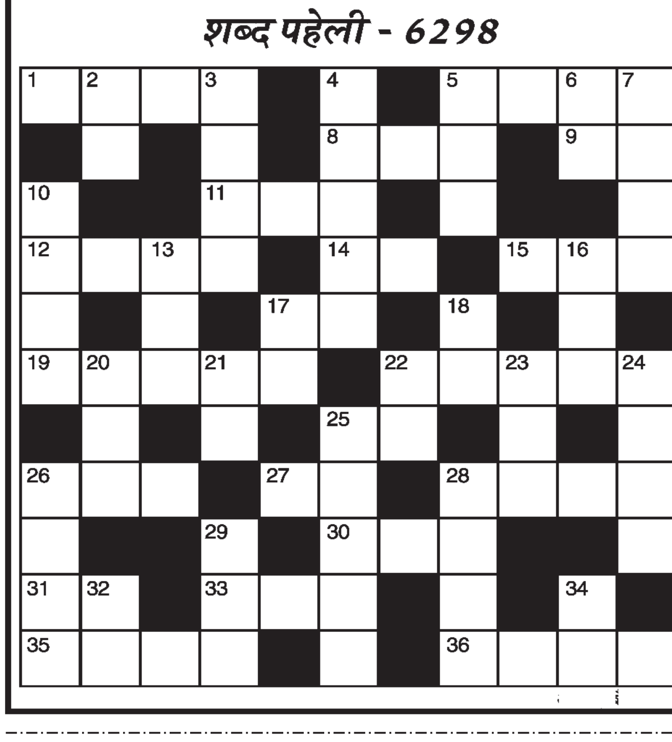

बाएँ से दाए
1. धरोहर, थाती-4
5. अकबर के नवरत्नों में से एक-4
8. गुणगान-3
9. प्रेम (अंग्रेजी-2)
11. भरोसा, विश्वास-3
12. दुःख, परेशानी, कष्ट-4
14. हिंदू कैलेंडर में एक माह-2
15. गागर, घड़ा-3
17. जांघ-2
19. असावधान-5
22. करतूत, होशियारी-5
25. डूबा हुआ, समाप्त-2
26. तीक्ष्ण, तेज-3
27. अधर्म, अपकृत्य-2
28. मनमौजी, चंचल-4
30. हत्या, वध-3
31. पंख-2
33. मायका-3
35. व्यापार, व्यवसाय (उर्दू-4)
36. कृपा, रहम (उर्दू-4)

ऊपर से नीचे
2. फूलों का हार-2
3. वेश्या, कोठे पर नाचनेवाली-4
4. शांति, सुख-चैन-3,2
5. अस्वस्थ, मरीज-3
6. दम, ताकत-2
7. भगवान राम के पुत्र-2,2
10. उन्मत, मदमस्त-4
13. दिलीप कुमार व वैजयंती माला की फिल्म (3)
16. बोलने का तरीका-3
17. रास्ता-2
18. पराया-2
20. परीक्षा-3
21. वचन-2
22. खेती-2
23. अभिमान-3
24. फिल्म 'मैंने प्यार किया' मैं सलमान खान की मां-2,2
25. बलपूर्वक उठा ले जाना-5
26. ईश्वर, राजा-4
28. मन को अच्छा लगने वाला-4
29. शाप से पीड़ित-3
32. अवकाश, मंजूरी-2
34. संध्या-2

शब्द पहेली- 6297 का हल

	रा	ज	कु	मा	र		म	नो	ह	र
दौ	र		ली		ख	न	न		र	वा
ल		जा	न	व	र		न	ल		य
त	न	य			खा	र		की	म	त
खा		दा		ना	व		ड		दा	
ना	र	द	मु	नी		प	र	व	री	श
	फ्ता		ख		स	द		र्ध		क
भ	र	ना		स	भा			मा	हि	र
या		का	का		भ	द्दा	प	न		कं
न	न		त	ना	व		ह		दा	द
क	म	जो	र		न	ग	र	वा	सी	

सूडोकु नवताल - 6308

★★★★☆ मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6307 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

राशिफल

मेष — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहें हैं।

वृष — कारोबार से आय में वृद्धि होगी। मानसिक तनाव ये परेशान हो सकते हैं। खर्चों की अधिकता एवं आय में कमी से चिन्तित रहेंगे।

मिथुन — कारोबार में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों में सफलता मिलेगी। क्रोध की अधिकता रहेगी।

कर्क — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। कारोबार में सुधार होगा। भाग-दौड़ की अधिकता रहेगी। स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी।

सिंह — सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। वाणी में सौम्यता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता में कमी भी आ सकती है। मन में निराशा एवं असन्तोष के भाव रहेंगे।

कन्या — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। खर्च की अधिकता से परेशान हो सकते हैं।

तुला — शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। आय में कमी एवं खर्चों में वृद्धि की स्थिति हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मन में प्रसन्नता के भाव रहेंगे।

वृश्चिक — कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। खर्च भी बढ़ेंगे। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। वाणी में कठोरता का प्रभाव रहेगा। बातचीत में सन्तुलित रहें।

धनु — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन कष्टमय रहेगा।

मकर — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु परिवार में सामन्जस्य बनाये रखने के प्रयास करें। किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में वृद्धि होगी।

कुंभ — परिवार का साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ कठिनाइयां आ सकती हैं। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। शैक्षिक कार्यों में कठिनाइयां आ सकती हैं।

मीन — परिश्रम अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मन में नकारात्मकता का प्रभाव रहेगा। शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

पिछले कुछ वर्षों में भारत में व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी) के प्रति लोगों का आकर्षण तेजी से बढ़ा है। छोटे शहरों और कस्बों के निवेशक भी अब म्यूचुअल फंड को बचत और निवेश का महत्वपूर्ण माध्यम मानने लगे हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म, आसान निवेश प्रक्रिया, वित्तीय जागरूकता और लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न की संभावनाओं ने म्यूचुअल फंड उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। मिड और स्मॉल कैप फंडों में बढ़ती भागीदारी इसी बदलाव का परिणाम मानी जा रही है।

मिड और स्मॉल कैप फंडों पर निवेशकों का भरोसा कायम

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद बन रहे पहली पसंद
- दो वर्षों में करोड़ों नए निवेशक जुड़े, दीर्घकालिक रिटर्न से बढ़ा विश्वास
- विशेषज्ञों ने ऊंचे वैल्यूएशन के बीच सतर्क निवेश की दी सलाह

शेयर बाजार में पिछले दो वर्षों के दौरान कई बार तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, भू-राजनीतिक तनाव, ब्याज दरों में बदलाव और घरेलू बाजार में समय-समय पर आई गिरावट के बावजूद भारतीय खुदरा निवेशकों का भरोसा मिड कैप और स्मॉल कैप म्यूचुअल फंडों पर लगातार मजबूत बना हुआ है। इसका सबसे बड़ा प्रमाण एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों का किया गया एक अहम विश्लेषण है। रिपोर्ट बताती है कि बाजार की अस्थिरता निवेशकों के उत्साह को कम नहीं कर सकी। इसके विपरीत, बड़ी संख्या में नए निवेशकों ने इन श्रेणियों में निवेश शुरू किया और पहले से निवेश कर रहे लोगों ने भी अपना निवेश जारी रखा। पोर्ट के अनुसार, जून 2024 से जून 2026 के बीच मिड कैप और स्मॉल कैप फंडों में खुदरा निवेशकों की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। जून 2024 में जहां मिड कैप फंडों के फोलियो की संख्या लगभग 1.53 करोड़ थी, वहीं जून 2026 तक यह बढ़कर 2.55 करोड़ हो गई। इसी अवधि में स्मॉल कैप फंडों के फोलियो 2.03 करोड़ से बढ़कर 2.87 करोड़ तक पहुंच गए। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि निवेशकों का रुझान केवल बड़े बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों तक सीमित नहीं है, बल्कि वे बेहतर संभावनाओं वाली मध्यम और छोटी कंपनियों में भी निवेश के अवसर तलाश रहे हैं।

सभी ओपन-एंडेड इक्विटी फंड फोलियो का 32 प्रतिशत हिस्सा

आज मिड कैप और स्मॉल कैप फंड मिलकर देश के सभी ओपन-एंडेड इक्विटी म्यूचुअल फंड फोलियो का 32 प्रतिशत से अधिक हिस्सा बन चुके हैं। यह हिस्सा लगातार बढ़ रहा है, जो बताता है कि भारतीय निवेशकों की सोच अब लंबी अवधि के निवेश और संपत्ति निर्माण की ओर तेजी से बदल रही है। इस बढ़ते भरोसे के पीछे सबसे बड़ा कारण इन श्रेणियों का मजबूत दीर्घकालिक प्रदर्शन है। 30 जून 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार, मिड कैप फंडों ने पिछले तीन वर्षों में 18.76 प्रतिशत का चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) और पांच वर्षों में 16.33 प्रतिशत का सीएजीआर दिया है। वहीं स्मॉल कैप फंडों ने तीन वर्षों में 17.68 प्रतिशत तथा पांच वर्षों में 17.06 प्रतिशत का सीएजीआर रिटर्न निवेशकों को उपलब्ध कराया।

उतार-चढ़ाव की संभावना ज्यादा

यह समझना जरूरी है कि अधिक रिटर्न के साथ जोखिम भी अधिक होता है। मिड और स्मॉल कैप कंपनियों के शेयरों में बड़े उतार-चढ़ाव की संभावना रहती है। यही कारण है कि बाजार में गिरावट आने पर इन श्रेणियों में नुकसान भी अपेक्षाकृत अधिक हो सकता है। इसके बावजूद निवेशकों का विश्वास इसलिए बना हुआ है क्योंकि वे अब अल्पकालिक उतार-चढ़ाव के बजाय दीर्घकालिक निवेश रणनीति को प्राथमिकता दे रहे हैं। निवेशकों का यह भरोसा केवल फोलियो की संख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियों में भी साफ दिखाई देता है। जून 2025 में मिड कैप फंडों का एयूएम 4.32 लाख करोड़ रुपये था, जो जून 2026 तक बढ़कर 5.06 लाख करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह स्मॉल कैप फंडों का एयूएम 3.55 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 4.30 लाख करोड़ तक पहुंच गया।

निवेशक सतर्क रहें

आईसीआरए एनालाइस्टिक ने निवेशकों को सतर्क रहने की भी सलाह दी है। संस्था का कहना है कि वर्तमान समय में मिड और स्मॉल कैप शेयरों के वैल्यूएशन अपेक्षाकृत ऊंचे स्तर पर हैं। यदि आने वाले समय में कंपनियों की आय (कॉरपोरेट अर्निंग्स) बाजार की अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं बढ़ती है, तो इन श्रेणियों में करेक्शन देखने को मिल सकता है। ऐसे में निवेशकों को यह मानकर नहीं चलना चाहिए कि पिछले वर्षों जैसा रिटर्न भविष्य में भी निश्चित रूप से मिलेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में इन फंडों का प्रदर्शन केवल वैल्यूएशन बढ़ने पर नहीं, बल्कि कंपनियों के वास्तविक कारोबार और मुनाफे में वृद्धि पर निर्भर करेगा।

क्या कहते हैं आंकड़े

वित्तीय सलाहकारों का सुझाव है कि मिड और स्मॉल कैप फंडों में निवेश हमेशा लंबी अवधि के लक्ष्य को ध्यान में रखकर करना चाहिए। एकमुश्त बड़ी राशि लगाने के बजाय नियमित एसआईपी के माध्यम से निवेश करना अपेक्षाकृत सुरक्षित रणनीति मानी जाती है। साथ ही निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप फंडों के बीच संतुलन बनाए रखना चाहिए, ताकि जोखिम और रिटर्न दोनों का बेहतर प्रबंधन किया जा सके।

कुल मिलाकर, एएमएफआई और आईसीआरए एनालाइस्टिक के ताजा आंकड़े यह संकेत देते हैं कि भारतीय खुदरा निवेशकों का भरोसा मिड और स्मॉल कैप फंडों पर पहले से अधिक मजबूत हुआ है। बेहतर दीर्घकालिक प्रदर्शन और नियमित निवेश ने इन श्रेणियों को लोकप्रिय बनाया है। हालांकि, ऊंचे वैल्यूएशन और संभावित बाजार उतार-चढ़ाव को देखते हुए निवेशकों को संयम, विविधीकरण और लंबी अवधि की रणनीति अपनाकर ही निवेश करना चाहिए। यही तरीका भविष्य में बेहतर और टिकाऊ संपत्ति निर्माण का आधार बन सकता है।

मृत्यु के बाद क्लेम होगा आसान

नॉमिनेशन व वसीयत अब भी जरूरी

सेबी ने एएमएफआई के मानकों में बदलाव कर दी बड़ी राहत | अब परिवारों को आर्थिक और मानसिक परेशानियां नहीं झेलनी होंगी | रिकॉर्ड में नाम की स्पेलिंग में मामूली अंतर होने से नहीं होगी दिक्कत

जानकारी
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक महत्वपूर्ण और निवेशक हितैषी कदम उठाया है। निवेशक की मृत्यु के बाद उसके परिवार या कानूनी उत्तराधिकारियों को म्यूचुअल फंड यूनिट्स का ट्रांसमिशन (हस्तांतरण) कराने में अक्सर कई तरह की तकनीकी और दस्तावेजी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। पते में अंतर, नाम की स्पेलिंग अलग होना, हस्ताक्षर मेल न खाना या पुराने रिकॉर्ड जैसी छोटी-छोटी वजहों से क्लेम महीनों तक लंबित रहता था। कई मामलों में परिवारों को आर्थिक और मानसिक दोनों तरह की परेशानियां झेलनी पड़ती थीं। इन्हीं समस्याओं को ध्यान में रखते हुए सेबी ने एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के मानकों में बदलाव कर ट्रांसमिशन प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और निवेशक-अनुकूल बनाने की दिशा में अहम कदम उठाया है। नए दिशा-निर्देशों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी निवेशक के निधन के बाद उसके परिवार को तकनीकी कारणों से अनावश्यक परेशान न होना पड़े।

पते में अंतर अब नहीं बनेगा बड़ी बाधा

पहले यदि म्यूचुअल फंड फोलियो में दर्ज पता और क्लेम के समय दिए गए दस्तावेजों का पता अलग होता था, तो एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) क्लेम रोक देती थी। अब वैध और अद्यतन दस्तावेजों के आधार पर नया पता स्वीकार किया जा सकेगा। इससे पुराने रिकॉर्ड के कारण होने वाली देरी काफी हद तक समाप्त होगी।

छोटी गलतियां भी होंगी स्वीकार

अक्सर पैन कार्ड, आधार, बैंक खाते और म्यूचुअल फंड रिकॉर्ड में नाम की स्पेलिंग में मामूली अंतर होने से ट्रांसमिशन अटक जाता था। अब आधार, पासपोर्ट जैसे सेल्फ-सर्टिफाइड दस्तावेजों के आधार पर ऐसे मामलों का समाधान किया जा सकेगा। हस्ताक्षर मेल न खाने की स्थिति में भी रजिस्ट्रार एंड ट्रांसफर एजेंट (आरटीए) निर्धारित प्रक्रिया के तहत समाधान करेंगे।

सभी एएमसी में एक जैसी प्रक्रिया

सेबी ने एएमएफआई को निर्देश दिया है कि सभी एसेट मैनेजमेंट कंपनियों और संबंधित कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जाए, ताकि पूरे देश में ट्रांसमिशन प्रक्रिया एक समान तरीके से लागू हो। इससे निवेशकों को अलग-अलग फंड हाउस में अलग नियमों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

कौन क्लेम कर सकता है?

- क्लेम की प्रक्रिया इस बात पर निर्भर करती है कि निवेश किस प्रकार किया गया था।
- यदि निवेश संयुक्त नाम से है और एक निवेशक का निधन हो जाता है, तो जीवित धारक यूनिट्स अपने नाम कराने के लिए आवेदन कर सकता है।
- यदि निवेश एकल नाम से है और नॉमिनी दर्ज है, तो नॉमिनी ट्रांसमिशन के लिए आवेदन कर सकता है।
- यदि नॉमिनी नहीं है, तो कानूनी उत्तराधिकारी को उत्तराधिकार प्रमाणपत्र, लीगल हेयरशिप सर्टिफिकेट, वसीयत या अन्य आवश्यक दस्तावेजों के आधार पर दावा करना होगा। ऐसे मामलों में प्रक्रिया अपेक्षाकृत लंबी हो सकती है।

किन दस्तावेजों की होगी जरूरत?

■ ट्रांसमिशन रिक्वेस्ट फॉर्म ■ निवेशक का मृत्यु प्रमाणपत्र ■ पैन कार्ड ■ केवाईसी दस्तावेज ■ बैंक खाते का प्रमाण ■ यदि नॉमिनी नहीं है तो सक्सेशन सर्टिफिकेट, लीगल हेयरशिप सर्टिफिकेट, वसीयत या अन्य कानूनी दस्तावेज भी प्रस्तुत करने पड़ सकते हैं।

किन कारणों से अटकेगा क्लेम?

- नॉमिनी का नाम दर्ज न होना।
- केवाईसी अधूरा या पुराना होना।
- बैंक, पैन और म्यूचुअल फंड रिकॉर्ड में अलग-अलग जानकारी होना।
- कानूनी उत्तराधिकारियों के बीच विवाद।
- अलग-अलग एएमसी में कई फोलियो होने से दस्तावेजी प्रक्रिया जटिल होना।

आज ही करें ये चार काम

- पहला, हर म्यूचुअल फंड फोलियो में नॉमिनी अवश्य दर्ज करें और समय-समय पर उसकी समीक्षा करें।
- दूसरा, पैन, आधार, खाते और म्यूचुअल फंड रिकॉर्ड में नाम, जन्मतिथि, पता और अन्य विवरण समान रखें।
- तीसरा, यदि आपका निवेश बड़ा है तो केवल नॉमिनेशन पर निर्भर न रहें। एक विधिवत वसीयत तैयार करें। यह संपत्ति के अंतिम उत्तराधिकार को लेकर भविष्य के विवादों से बचाती है।
- चौथा, अपने परिवार को यह जानकारी अवश्य दें कि आपने किन-किन म्यूचुअल फंडों में निवेश किया है। कई बार परिवार को निवेश की जानकारी ही नहीं होती, जिससे वर्षों तक रकम बिना क्लेम के पड़ी रहती है।

नॉमिनी व उत्तराधिकारी में अंतर समझें

कई निवेशक यह मान लेते हैं कि नॉमिनी निवेश का अंतिम मालिक होता है, जबकि ऐसा हमेशा नहीं होता। नॉमिनी निवेश की राशि प्राप्त करने का अधिकृत व्यक्ति होता है। अंतिम स्वामित्व उत्तराधिकार कानून या वैध वसीयत के अनुसार तय होता है। बड़े निवेश वाले परिवारों के लिए एस्टेट प्लानिंग-वसीयत तैयार करना महत्वपूर्ण है।

निवेशक हित में बड़ा सुधार

सेबी का यह कदम ऐसे समय आया है, जब देश में म्यूचुअल फंड निवेशकों की संख्या लगातार बढ़ रही। करोड़ों निवेशक एसआईपी व अन्य योजनाओं के माध्यम से लंबी अवधि के लिए निवेश कर रहे हैं। ऐसे में निवेशक की मृत्यु के बाद परिवार को सरल- समयबद्ध तरीके से राशि मिलना वित्तीय व्यवस्था में विश्वास बढ़ाने के लिए आवश्यक है। सेबी के नए दिशा-निर्देश न केवल ट्रांसमिशन प्रक्रिया को तेज-पारदर्शी बनाएंगे, बल्कि निवेशकों में भरोसा मजबूत करेंगे कि उनकी मेहनत की कमाई जरूरत पड़ने पर बिना कानूनी बाधाओं के परिवार तक पहुंच सकेगी।

जानें जोखिम पोर्टफोलियो और टैक्स से जुड़े जरूरी नियम

सिर्फ रिटर्न नहीं, इन पैमानों पर चुनें सही म्यूचुअल फंड

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड आज करोड़ों भारतीयों की निवेश यात्रा का अहम हिस्सा बन चुके हैं। सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए हर महीने छोटी-छोटी रकम निवेश कर लंबी अवधि में बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है। लेकिन बाजार में हजारों म्यूचुअल फंड योजनाएं उपलब्ध होने के कारण सबसे बड़ी चुनौती सही फंड का चुनाव करना है। अक्सर निवेशक पिछले एक साल का रिटर्न या पांच स्टार रेटिंग देखकर फैसला ले लेते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यही सबसे बड़ी भूल साबित हो सकती है। दरअसल, किसी भी म्यूचुअल फंड का मूल्यांकन केवल रिटर्न के आधार पर नहीं किया जा सकता। फंड का जोखिम, खर्च, पोर्टफोलियो, फंड मैनेजर और निवेश का उद्देश्य जैसे कई पहलू भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। यदि दो फंडों में से किसी एक को चुनना है, तो कुछ बुनियादी मानकों को समझना बेहद जरूरी है।

सबसे पहले एक जैसी श्रेणी के फंड की तुलना करें

किसी भी तुलना की शुरुआत सही आधार से होनी चाहिए। यदि एक फंड लार्ज कैप है और दूसरा मिड कैप, तो दोनों की तुलना करना उचित नहीं होगा। दोनों का निवेश उद्देश्य, जोखिम और संभावित रिटर्न अलग-अलग होते हैं। यदि आपका लक्ष्य स्थिरता और अपेक्षाकृत कम जोखिम है, तो लार्ज कैप फंडों की तुलना करें। यदि अधिक जोखिम लेकर लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न चाहते हैं, तो मिड कैप- स्मॉल कैप श्रेणी के भीतर विकल्प चुनें।

डायरेक्ट-रेगुलर प्लान में अंतर

हर म्यूचुअल फंड में निवेश के दो विकल्प होते हैं—डायरेक्ट और रेगुलर। डायरेक्ट प्लान में निवेशक सीधे एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) के माध्यम से निवेश करता है। इसमें किसी एजेंट का कमीशन नहीं होता, इसलिए एक्सपेंस रेशियो कम रहता है और लंबे समय में बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना रहती है। रेगुलर प्लान उन निवेशकों के लिए उपयुक्त हो सकता है जिन्हें वित्तीय सलाहकार की सहायता की जरूरत होती है।

केवल रिटर्न नहीं, एक्सपेंस रेशियो भी देखें

दो फंड यदि लगभग समान रिटर्न दे रहे हैं, तो कम एक्सपेंस रेशियो वाला फंड बेहतर माना जाता है। एक्सपेंस रेशियो वह वार्षिक शुल्क है जो एएमसी आपके निवेश के प्रबंधन के बदले लेती है। देखने में यह अंतर छोटा लग सकता है, लेकिन 15-20 वर्षों की लंबी अवधि में यही अंतर लाखों रुपये के अतिरिक्त रिटर्न में बदल सकता है।

दोनों फंड किन कंपनियों में निवेश कर रहे हैं

कई निवेशक अलग-अलग फंड खरीद लेते हैं, लेकिन बाद में पता चलता है कि दोनों की शीर्ष 10 होल्डिंग लगभग एक जैसी हैं। निवेश से पहले दोनों फंडों की प्रमुख होल्डिंग और सेक्टर एलोकेशन अवश्य देखें। जोखिम के मुकाबले रिटर्न का मूल्यांकन करें। हर अधिक रिटर्न देने वाला फंड बेहतर नहीं होता।

रिश्ते में प्यार के साथ पैसों की समझ भी जरूरी

पति-पत्नी की कमाई में बड़ा-अंतर हो तो कैसे बनाएं फाइनेंशियल प्लान

बिजनेस डेस्क। शादी केवल दो लोगों का भावनात्मक रिश्ता नहीं, बल्कि दो आर्थिक जिम्मेदारियों का भी मिलन है। आज के दौर में बड़ी संख्या में पति-पत्नी दोनों कामकाजी हैं, लेकिन अक्सर उनकी आय समान नहीं होती। किसी की सैलरी अधिक होती है तो कोई अपेक्षाकृत कम कमाता है। ऐसे में बड़ा सवाल यह होता है कि घर का खर्च कैसे बांटा जाए, ताकि न किसी एक पर आर्थिक बोझ बढ़े और न रिश्ते में असंतुलन पैदा हो। वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि सफल वैवाहिक जीवन की नींव केवल भरोसे और प्यार पर नहीं, बल्कि पारदर्शी वित्तीय योजना पर भी टिकी होती है। पैसों को लेकर स्पष्ट समझ और नियमित संवाद भविष्य के विवादों से बचाता है। दोनों को आर्थिक रूप से सुरक्षित महसूस कराता है।

हर परिवार के लिए एक जैसा फॉर्मूला नहीं

फाइनेंशियल प्लानिंग का कोई सार्वभौमिक नियम नहीं होता। हर परिवार की आय, जिम्मेदारियां, जीवनशैली और भविष्य के लक्ष्य अलग-अलग होते हैं। किसी दूसरे का मॉडल अपनाने के बजाय अपनी परिस्थितियों के अनुसार वित्तीय व्यवस्था बनाना समझदारी है। महत्वपूर्ण बात यह है कि कोई भी निर्णय दोनों की सहमति और सुविधा से लिया जाए। आर्थिक मामलों में पारदर्शिता रिश्ते को मजबूत बनाती है।

क्या आधा-आधा खर्च बांटना सही है?

कई दंपती यह मान लेते हैं कि सभी खर्च 50-50 प्रतिशत बांट देना बराबरी का सबसे अच्छा तरीका है। लेकिन यह हर स्थिति में उचित नहीं होता। मान लीजिए पति की मासिक आय 1.50 लाख और पत्नी 50,000 रुपये कमाती हैं। यदि दोनों 40-40 हजार घर के खर्च में दें, तो पत्नी की आय का बड़ा हिस्सा खर्च हो जाएगा, जबकि पति के पास बचत और निवेश के लिए पर्याप्त राशि बची रहेगी। ऐसी व्यवस्था आर्थिक रूप से संतुलित नहीं मानी जाती क्योंकि इससे कम आय वाले साथी पर अपेक्षाकृत अधिक दबाव पड़ता है।

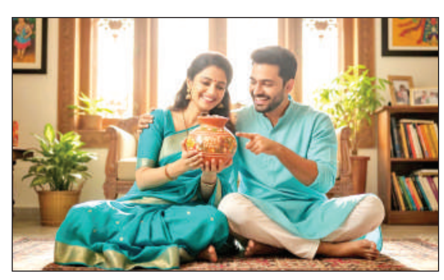

आय के अनुपात में खर्च बांटना बेहतर विकल्प

वित्तीय विशेषज्ञों के अनुसार यदि पति-पत्नी की आय में बड़ा अंतर है तो खर्च भी आय के अनुपात में बांटना अधिक व्यावहारिक होता है। उदाहरण के लिए यदि एक साथी कुल आय का 70 प्रतिशत कमाता है और दूसरा 30 प्रतिशत, तो साझा खर्चों में योगदान भी लगभग उसी अनुपात में रखा जा सकता है। इस व्यवस्था से दोनों के पास बचत, निवेश और व्यक्तिगत जरूरतों के लिए पर्याप्त धन बचता है।

जॉइंट अकाउंट हो सकता है अच्छा समाधान

- आज कई कामकाजी दंपती साझा खर्चों के लिए जॉइंट बैंक अकाउंट का विकल्प अपना रहे हैं।
- इस व्यवस्था में दोनों अपनी आय का एक तय हिस्सा संयुक्त खाते में जमा करते हैं। इसी खाते से घर का किराया, ईएमआई, राशन, बिजली-पानी, बच्चों की फीस और अन्य साझा खर्च पूरे किए जाते हैं। वहीं शेष राशि दोनों अपने व्यक्तिगत खातों में रखते हैं, जिससे उन्हें आर्थिक स्वतंत्रता भी मिलती है। इससे न तो हर छोटे खर्च का हिसाब देना पड़ता है और न ही वित्तीय तनाव बढ़ता है।

बचत और निवेश की भी संयुक्त रणनीति बनाएं

घर का बजट केवल खर्च तक सीमित नहीं होना चाहिए। पति-पत्नी को मिलकर भविष्य के वित्तीय लक्ष्य तय करने चाहिए। इनमें आपातकालीन फंड, बच्चों की शिक्षा, घर खरीदने, रिटायरमेंट फंड, स्वास्थ्य बीमा, जीवन बीमा, म्यूचुअल फंड एसआईपी और अन्य निवेश शामिल हो सकते हैं। दोनों नियमित निवेश करते हैं, तो आर्थिक सुरक्षा मजबूत होती है।

पैसों पर खुलकर बात करना जरूरी

भारतीय परिवारों में अक्सर पैसों को लेकर खुलकर चर्चा नहीं होती। यही भविष्य में गलतफहमियों और विवादों का कारण बन सकता है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि पति-पत्नी को अपनी आय, खर्च, कर्ज, निवेश और भविष्य की योजनाओं पर नियमित रूप से बातचीत करनी चाहिए।

इन गलतियों से बचें

- एक-दूसरे से आय या कर्ज की जानकारी छिपाना।
- बिना चर्चा के बड़े वित्तीय फैसले लेना।
- केवल एक व्यक्ति पर पूरे परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी डाल देना।
- आपातकालीन फंड न बनाना।
- बीमा और निवेश को नजरअंदाज करना।
- हर खर्च का अत्यधिक हिसाब से तनाव पैदा करना।

एसआईपी और एसडब्ल्यूपी की स्मार्ट रणनीति से रिटायरमेंट के बाद मिल सकती है नियमित आय

1,000 रुपये की एसआईपी से बन सकता 1 करोड़ का रिटायरमेंट फंड

हर वर्ष 10% बढ़ाएं एसआईपी कंपाउंडिंग की ताकत से तैयार होगा बड़ा कॉर्पस

बिजनेस डेस्क

रिटायरमेंट के लिए बड़ा फंड बनाने के लिए हमेशा मोटी सैलरी होना जरूरी नहीं है। वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि यदि निवेशक कम उम्र में नियमित निवेश शुरू करे, हर साल निवेश बढ़ाता रहे और लंबी अवधि तक अनुशासन बनाए रखे, तो छोटी-सी एसआईपी भी करोड़ों रुपये का रिटायरमेंट फंड तैयार कर सकती है। इसके बाद उसी फंड से सिस्टेमैटिक विदड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी) के जरिए हर महीने नियमित आय भी प्राप्त की जा सकती है। दरअसल, एसआईपी और एसडब्ल्यूपी एक-दूसरे के पूरक हैं। जहां एसआईपी नौकरी के दौरान धीरे-धीरे संपत्ति बनाने का माध्यम है, वहीं एसडब्ल्यूपी रिटायरमेंट के बाद उसी संपत्ति को नियमित मासिक आय में बदलने का तरीका है। यदि दोनों का सही तरीके से उपयोग किया जाए तो व्यक्ति बिना आर्थिक तनाव के रिटायरमेंट का जीवन बिता सकता है।

कैसे काम करती है एसआईपी+ एसडब्ल्यूपी रणनीति

मान लीजिए कोई व्यक्ति 28 वर्ष की उम्र में नौकरी शुरू करता है और हर महीने केवल 1,000 की एसआईपी शुरू करता है। वह अपनी आय बढ़ने के साथ हर साल एसआईपी की राशि में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी करता है और 60 वर्ष की उम्र तक लगातार निवेश करता रहता है।

इस उदाहरण से समझें

- निवेश शुरू करने की आयु : 28 वर्ष
- शुरुआती एसआईपी : 1,000 प्रति माह
- हर साल एसआईपी में बढ़ोतरी : 10%
- अनुमानित वार्षिक रिटर्न : 12%
- निवेश अवधि : 32 वर्ष

यह भी जानें

- कुल निवेश : 24.13 लाख रुपये
- अनुमानित फंड : 1.05 करोड़ रुपये
- कुल लाभ : लगभग 80.98 लाख रुपये
- यानी निवेशक ने करीब 24 लाख रुपये जमा किए, लेकिन कंपाउंडिंग और नियमित निवेश बढ़ाने की वजह से रिटायरमेंट तक उसका फंड एक करोड़ रुपये से अधिक हो गया।

असली ताकत है स्टेप अप एसआईपी

इस उदाहरण की सबसे महत्वपूर्ण बात 1,000 रुपये की शुरुआती एसआईपी नहीं, बल्कि हर साल उसमें 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। अधिकांश लोगों की आय समय के साथ बढ़ती है। यदि वे हर साल अपनी एसआईपी भी बढ़ाते रहें तो बिना अतिरिक्त आर्थिक दबाव के बड़ी पूंजी तैयार की जा सकती है। यदि एसआईपी की राशि पूरे 32 वर्षों तक 1,000 रुपये ही रखी जाए तो एक करोड़ रुपये का लक्ष्य हासिल करना बेहद मुश्किल होगा। इसलिए हर वेतन वृद्धि के साथ एसआईपी बढ़ाने की आदत लंबी अवधि में लाखों रुपये का अतिरिक्त लाभ दिला सकती है।

क्या 12% रिटर्न की उम्मीद वाजिब है?

- इस उदाहरण में 12 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न केवल गणना के लिए लिया गया है। यह कोई गारंटीड रिटर्न नहीं है।
- हालांकि पिछले कई वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि फ्लेक्सी कैप, मल्टी कैप, लार्ज एंड मिडकैप और कई इक्विटी म्यूचुअल फंड्स ने लंबी अवधि में लगभग इसी स्तर या इससे अधिक का औसत रिटर्न दिया है। हालांकि बाजार जोखिम हमेशा बना रहता है और किसी भी वर्ष रिटर्न कम या ज्यादा हो सकता है।

रिटायरमेंट बाद कैसे मिलेगी हर माह आय

रिटायरमेंट के बाद सबसे बड़ी चुनौती होती है नियमित आय का स्रोत बनाए रखना। यही काम एसडब्ल्यूपी करता है। मान लीजिए रिटायरमेंट के समय निवेशक के पास 1.50 करोड़ रुपये का फंड है और वह इसे किसी मीडियम ड्यूरेशन डेट फंड या कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड में निवेश करता है।

यदि निम्नलिखित मान्यताएं ली जाएं

- निवेश राशि : 1.50 करोड़ रुपये
- अनुमानित वार्षिक रिटर्न : 6%
- मासिक निकासी : 1 लाख
- निकासी अवधि : 12 वर्ष
- इस अवधि में कुल निकासी : 1.44 करोड़ रुपये
- निकासी के दौरान अर्जित लाभः लगभग 43.13 लाख रुपये
- 12 वर्ष बाद बची राशि : लगभग 4.13 लाख रुपये
- इस तरह निवेशक पूरे 12 वर्षों तक हर महीने 1 लाख प्राप्त कर सकता है, जबकि शेष राशि निवेशित रहकर रिटर्न भी अर्जित करती रहती है।

एसडब्ल्यूपी क्यों है बेहतर विकल्प

यदि रिटायरमेंट के समय पूरी राशि एक साथ निकाल ली जाए तो उसके जल्दी खत्म होने का खतरा रहता है। इसके विपरीत एसडब्ल्यूपी में केवल जरूरत के अनुसार हर महीने निश्चित राशि निकाली जाती है और बाकी पैसा निवेशित रहता है। इससे फंड अधिक समय तक चलता है और नियमित आय भी मिलती रहती है।

विशेषज्ञों के अनुसार एसडब्ल्यूपी पारंपरिक पेंशन की तरह नियमित नकदी प्रवाह उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम बन सकता है।

किन बातों का रखें ध्यान

- इक्विटी में 12% और डेट फंड में 6% रिटर्न की कोई गारंटी नहीं होती।
- रिटायरमेंट के नजदीक आते समय पोर्टफोलियो में जोखिम धीरे-धीरे कम करना चाहिए।
- महंगाई को ध्यान में रखते हुए रिटायरमेंट फंड का लक्ष्य तय करें।
- एसडब्ल्यूपी की मासिक राशि अपने खर्च और उपलब्ध कॉर्पस के अनुसार निर्धारित करें।
- समय-समय पर निवेश की समीक्षा करते रहें।

ऐसे समझें पूरा गणित

एसआईपी चरण

●शुरुआत : 28 वर्ष की आयु ●मासिक एसआईपी : 1,000 रुपये ●हर साल बढ़ोतरी : 10% ●अवधि : 32 वर्ष ●अनुमानित रिटर्न : 12% ●कुल निवेश : 24.13 लाख रुपये ●अनुमानित फंड : 1.05 करोड़ रुपये

एसडब्ल्यूपी चरण

● शुरुआती फंड : 1.50 करोड़ रुपये ● अनुमानित रिटर्न : 6% ●मासिक निकासी : 1 लाख रुपये ●अवधि : 12 वर्ष ●कुल निकासी : 1.44 करोड़ रुपये

पड़ोसी देश पाकिस्तान के विरुद्ध 3 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध शुरू हुआ था। भारत ने 26 जुलाई 1999 को इस पर निर्णायक सैन्य विजय हासिल की। इसी परिप्रेक्ष्य में आज हम कारगिल विजय को याद कर रहे हैं। कारगिल विजय दिवस केवल अतीत के शौर्य का स्मरण करने का अवसर नहीं, यह भविष्य की चुनौतियों को समय रहते पहचानने और उनसे निपटने की प्रेरणा भी देता है। कारगिल में दुश्मन ने पहाड़ों की ऊंचाइयों का सहारा लिया था, जबकि आज वही चुनौती समुद्र की गहराइयों में दिखाई दे रही है। हालांकि इन बदलती परिस्थितियों से भारत पूरी तरह सजग है। भारतीय नौसेना लगातार अपनी समुद्री क्षमता का आधुनिकीकरण कर रही है। स्वदेश निर्मित कलवरी श्रेणी की आधुनिक पनडुब्बियां नौसेना की ताकत बढ़ा रही हैं। 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी विनिर्माण को बहुत बढ़ावा मिला है। यही वजह है कि वित्त वर्ष 2024-25 में कुल रक्षा उत्पादन 1.5 लाख करोड़ से अधिक के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। जहां तक भारत के उत्पाद की बात है तो अब स्वदेशी रूप से ब्रह्मोस मिसाइल, आर्टिलरी गन और रडार जैसे 65 प्रतिशत से ज्यादा महत्वपूर्ण रक्षा उपकरणों का घरेलू स्तर पर निर्माण हो रहा है। ***इन्हीं तैयारियों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

अब पाक सरहद पर पुख्ता सुरक्षा तैयारियां

विश्लेषण

प्रभात कुमार राय
वरिष्ठ स्तंभकार

पाकिस्तान के विरुद्ध 3 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध का आगाज़ हुआ था। इसका समापन भारत की निर्णायक सैन्य विजय के साथ 26 जुलाई 1999 को संपन्न हुआ। भारत को आखिरकार कारगिल युद्ध क्यों लड़ना पड़ा? कारगिल युद्ध में भारत सेना के 527 सैनिक और अधिकारी शहीद हुए और तकरीबन 1500 से अधिक सैनिक बुरी तरह से जख्मी हुए थे। कारगिल युद्ध के बुनियादी कारणों की जांच पड़ताल अंजाम दी गई तो नतीजा सामने आया कि भारत-पाक सरहद पर सैन्य सर्विलांस की काफी कुछ कमी कायम बनी रही थी। सौभाग्य से तोशी नामग्याल नाम के एक शैफर्ड द्वारा भारतीय सरहदी क्षेत्र में पाक घुसपैठ की सूचना भारतीय सेना को तत्काल प्रदान की गई। शेफर्ड ताशी नामग्याल का एक याक गुम हो गया था, उसी को ढूंढते हुए उसने सरहद के कुछ सैन्य बंकरों में सैन्य हलचल देखी। ज्ञात हुआ कि बटालीक पहाड़ियों के भारतीय सैनिक बंकरों पर पाक सैनिकों ने आधिपत्य स्थापित कर लिया गया।

कारगिल युद्ध के तत्पश्चात भारतीय सरहद पर सर्विलांस के लिए बहुत ही शानदार और प्रखर इंतजामात भारतीय सेना द्वारा अंजाम दिए गए हैं। भारतीय सरहद की निरंतर निगरानी रखने के लिए भारतीय वायु सेना के ड्रोन लगातार उड़ानें भरते रहते हैं। सरहद पर मिलिट्री इंटेलिजेंस सेटअप को अत्यंत शक्तिशाली बनाया गया। भारत का डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन- डीआरडीओ 1958 में स्थापित किया गया था। उस वक्त डीआरडीओ के पास केवल 10 प्रयोगशालाएं थी। आज के दौर में डीआरडीओ के पास तकरीबन 50 से अधिक प्रयोगशालाएं हैं।

आजकल डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं में तकरीबन 5000 वैज्ञानिक और 25000 तकनीशियन कार्यरत हैं। सर्वविदित है कि प्रारम्भिक काल में भारत को अपनी सैन्य रक्षा उपकरणों और सामग्री के लिए काफी हद तक तत्कालीन सोवियत रूस पर निर्भर रहना पड़ा था। भारत द्वारा बड़े पैमाने पर फ्रांस, इजराइल और अमेरिका से भी सैन्य अस्त्र-शस्त्र आयात किए जाते रहे हैं।

कारगिल युद्ध में भारत सेना के 527 सैनिक और अधिकारी शहीद हुए और तकरीबन 1500 से अधिक सैनिक बुरी तरह से जख्मी हुए थे। कारगिल युद्ध के बुनियादी कारणों की जांच पड़ताल अंजाम दी गई तो नतीजा सामने आया कि भारत-पाक सरहद पर सैन्य सर्विलांस की काफी कुछ कमी कायम बनी रही थी। युद्ध के तत्पश्चात भारतीय सरहद पर सर्विलांस के लिए बहुत ही शानदार और प्रखर इंतजामात भारतीय सेना द्वारा अंजाम दिए गए हैं। भारतीय सरहद की निरंतर निगरानी रखने के लिए भारतीय वायु सेना के ड्रोन लगातार उड़ानें भरते रहते हैं। सरहद पर मिलिट्री इंटेलिजेंस सेटअप को अत्यंत शक्तिशाली बनाया गया है। डीआरडीओ के पास 10 की अपेक्षा आज तकरीबन 50 से अधिक प्रयोगशालाएं हैं।

देश ने आत्मनिर्भरता की तरफ बढ़ाए कदम

कारगिल युद्ध के तत्पश्चात विगत दो दशकों से भारत द्वारा अत्यंत शक्तिशाली ढंग से सैन्य अस्त्र-शस्त्रों के निर्माण में आत्मनिर्भरता की तरफ कदम बढ़ाए गए। डीआरडीओ द्वारा कॉम्बैट ड्रोन का निर्माण करने की दिशा में बड़ा वैज्ञानिक कारनामा अंजाम दिया गया। तेजस एयर जेट लड़ाकू विमानों का भारत में बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू किया गया। डीआरडीओ द्वारा हाइपरसोनिक मिसाइल्स का निर्माण संभव हुआ। भारत में बैलिस्टिक मिसाइल्स का भी निर्माण प्रारंभ किया गया। रूस द्वारा प्रदत्त सैन्य तकनीक से भारत में ही ब्रह्मोस मिसाइलों का निर्माण किया गया। अग्नि मिसाइलों का निर्माण किया गया। आकाश मिसाइलों का निर्माण किया गया। नाग मिसाइलों का निर्माण किया गया। डीआरडीओ का मूल मंत्र है- बलस्य मूलम् विज्ञानम् अर्थात शक्ति की बुनियाद में विज्ञान निहित है। इस वर्ष के बजट में डीआरडीओ को तकरीबन 25000 करोड़ का बजट प्रदान किया गया है। डीआरडीओ द्वारा खोजी गई वैज्ञानिक तकनीकों को इस्तेमाल करके आत्मनिर्भर भारत द्वारा आधुनिकतम अस्त्र शस्त्रों का निर्माण करके युद्ध मैदान के लिए निर्मित किया जाता है। सैन्य अस्त्र शस्त्रों का निर्माण मुख्यतः हिंदुस्तान एरॉनोटिक लिमिटेड, बीइएल, एडीए, एल एन्ड टी, टाटा एडवांस और भारत फोर्ज द्वारा किया जाता रहा है।

जापान संग सैन्य सुरक्षा सहयोग

भारत द्वारा अमेरिका के कूटनीतिक दबाव का प्रबल मुकाबला करते हुए मिसाइल डिफेंस प्रणाली एस 400 का निर्माण रूस के तकनीकी सहयोग से भारत में ही किया गया है। समुद्र के भीतर 6000 मीटर नीचे चलने वाली पनडुब्बी अरिहंत को हाल ही में न्यूक्लियर अस्त्रों से लैस किया गया है। एएसटीआरए मिसाइल का निर्माण भी भारत में ही किया जा रहा है। हाल ही में जब जापान की प्रधानमंत्री भारत पधारी, भारत और जापान के मध्य एक रक्षा समझौता अंजाम दिया गया। चीन के विस्तारवाद का मुकाबला करने के लिए जापान द्वारा अब पुनः एक सैन्य शक्ति बन जाने का निर्णय किया गया है। अमेरिका के सुरक्षा अंब्रेला से जापान का विश्वास पूरी तरह उठ चुका है। विश्व युद्ध के बाद जापान ने सैन्य शक्ति के रूप में अपना अस्तित्व समाप्त कर दिया था। किंतु एशिया में उत्पन्न हुए हालात को देखते हुए जापान ने अब फिर से सैनिक शक्ति बन जाने की तरफ अपने कदम बढ़ा दिए हैं। भारत के साथ जापान का सैन्य सुरक्षा सहयोग यकीनन एशिया में एक नया सुरक्षी आयाम स्थापित करेगा। विश्व पटल पर अरब देशों के पश्चात, भारत सबसे अधिक सैन्य अस्त्र शस्त्रों को आयात करने वाला राष्ट्र रहा है।

अस्त्र-शस्त्रों का निर्यात

अब तस्वीर शनैः शनैः बदल रही है, क्योंकि भारत अस्त्र-शस्त्रों के निर्यात वाला देश के तौर पर उभर रहा है। फिलिपींस और दक्षिण कोरिया के साथ ही दक्षिण एशिया के अनेक देश भारतीय अस्त्र-शस्त्रों को आयात करने के लिए तत्पर हैं। अस्त्र शस्त्रों के निर्यात में अब भारत वस्तुतः एशिया के देशों में चीन के विकल्प के तौर पर उभर रहा है। भारतीय सेना विश्व की चौथी सबसे बड़ी सैन्य शक्ति है। भारतीय सेना के पास आजकल विश्व श्रेष्ठतम अस्त्र शस्त्र विद्यमान है। भारतीय सेवा के पास तकरीबन 130 न्यूक्लियर वारहेड्स विद्यमान है। भारत द्वारा यूएई को आर्टिलरी अस्त्र निर्यात किए गए हैं। मॉरीशस और म्यांमार को मिसाइल और एयरक्राफ्ट्स निर्यात किए गए हैं। आने वाले वक्त में भारत में निर्मित सैन्य अस्त्र शस्त्रों का निर्यात बहुत तेजी के साथ वृद्धि करने वाला है। भारत को वस्तुतः दो युद्ध मोर्चे पर तैयार रहना है, पहला युद्ध मोर्चा पाकिस्तान का है और दूसरा है चीन का। भारत द्वारा विश्व के 20 प्रमुख देशों के साथ अस्त्र शस्त्रों की टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पर समझौते अंजाम दिए हैं। विगत एक दशक से भारत आधुनिकतम अस्त्र शस्त्रों के निर्माण का एक बड़ा देश बन रहा है।

प्राइवेट सेक्टर को भी अनुमति

अपनी सैन्य शक्ति को अत्यधिक शक्तिशाली बनाने की राह में भारत ने मॉरीशस के अगालेगा द्वीप पर एक मिलिट्री बेस तैयार करना प्रारंभ किया है। हिंद -प्रशांत महासागर में भारत को चीन की सैन्य चुनौतियों का सामना करना है। भारत और मालदीव ने एक सैन्य समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत मालदीव के सिवारू द्वीप पर भारत और मालदीव एक साथ रक्षात्मक तैयारी अंजाम देंगे। भारत में विगत कुछ वर्षों के दौरान अपनी सुरक्षा व्यवस्था को अत्यंत शक्तिशाली बनाने की कोशिश की है। आधुनिकतम सैन्य अस्त्र शास्त्रों के निर्माण क्षेत्र में भारत ने प्राइवेट सेक्टर को भी प्रवेश करने की अनुमति प्रदान की है। पाकिस्तान द्वारा सैन्य शक्ति से कश्मीर को हड़पने के लिए संचालित प्रॉक्सीवार का विगत 38 वर्षों से भारत ने कामयाबी के साथ प्रबल मुकाबला किया है। विश्व के सात देशों में शामिल है भारत, जोकि अपने ही देश में आधुनिकतम फाइटर जेटों का, आधुनिकतम टैंकों का, पनडुब्बियों का, मिसाइलों का निर्माण करने में सक्षम हैं। विगत 4 वर्षों के दौरान ही प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने तकरीबन ढाई लाख करोड़ रुपये भारतीय सेना का आधुनिकरण करने के लिए खर्च किए हैं।

चीन निर्मित पाक पनडुब्बियां बनी नई सामरिक चुनौती

संघर्ष

रमेश चंद्र
रि. नायब सूबेदार

प्रत्येक वर्ष 26 जुलाई को पूरा देश कारगिल विजय दिवस मनाकर उन वीर सैनिकों को श्रद्धापूर्वक नमन करता है, जिन्होंने 1999 के कारगिल युद्ध में अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान का परिचय देते हुए भारत की सीमाओं की रक्षा की। कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय सेना की आर्टलरी व आर्मर्ड कॉर्प्स का जम्मू एरिया में बहुत बड़ा योगदान था। आर्टलरी की बोफोर्स तोपों की मदद से हमारी विजय की गाथा लिखी गई। कारगिल युद्ध केवल एक सैन्य विजय नहीं था, बल्कि उसने देश को यह सीख भी दी कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही घातक साबित हो सकती है। शत्रु की रणनीति समय के साथ बदलती रहती है, इसलिए सुरक्षा व्यवस्था को भी लगातार नए खतरों के अनुरूप मजबूत बनाना आवश्यक है।

आज जब हम कारगिल विजय को याद कर रहे हैं, तब यह समझना भी जरूरी है कि भविष्य की चुनौतियां अब केवल पहाड़ों तक सीमित नहीं हैं। समुद्र की गहराइयों में भी ऐसे खतरे आकार ले रहे हैं, जिन पर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। कारगिल युद्ध और उसके बाद कई प्रत्यक्ष तथा परोक्ष संघर्षों में अपेक्षित सफलता न मिलने के बाद पाकिस्तान ने अपनी सैन्य रणनीति में बदलाव किया है। थल सीमा पर भारत की बढ़ती सैन्य शक्ति को देखते हुए उसने समुद्री क्षमता बढ़ाने पर जोर देना शुरू किया है। इस दिशा में उसे सबसे बड़ा सहयोग चीन से मिल रहा है। चीन और पाकिस्तान का बढ़ता रक्षा सहयोग अब हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के लिए नई सामरिक चुनौती बनकर सामने आ रहा है। वर्ष 2015 में चीन और पाकिस्तान के बीच हुए रक्षा समझौते के तहत चीन पाकिस्तान को आठ आधुनिक डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियां उपलब्ध करा रहा है। ये चीन की युआन श्रेणी की उन्नत पनडुब्बियों का निर्यात संस्करण हैं, जिन्हें पाकिस्तान ने 'हांगोर श्रेणी' नाम दिया है। अगले कुछ वर्षों में इन सभी के पाकिस्तान नौसेना में शामिल होने की संभावना है, जिससे उसकी समुद्री क्षमता पहले की तुलना में कहीं अधिक मजबूत हो जाएगी। इन पनडुब्बियों की सबसे बड़ी विशेषता एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (एआईपी) प्रणाली है। सामान्य डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों को कुछ दिनों बाद बैटरियां चार्ज करने के लिए समुद्र की सतह पर आना पड़ता है। ऐसा करते समय उनके रडार या समुद्री गश्ती विमानों की नजर में आने की संभावना बढ़ जाती है। इसके विपरीत, एआईपी तकनीक से लैस पनडुब्बियां लगभग पंद्रह से बीस दिनों तक बिना सतह पर आए समुद्र की गहराई में रह सकती हैं। इससे उनका पता लगाना और उन्हें निशाना बनाना कहीं अधिक कठिन हो जाता है। अरब सागर जैसे विशाल समुद्री क्षेत्र में ऐसी पनडुब्बियां किसी भी नौसेना के लिए बड़ी चुनौती बन सकती हैं। यह खतरा केवल सैन्य दृष्टि से ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि भारत की आर्थिक सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है। भारत का अधिकांश विदेशी व्यापार और ऊर्जा आयात समुद्री मार्गों के माध्यम से होता है। यदि किसी संघर्ष की स्थिति में पाकिस्तान इन पनडुब्बियों की मदद से व्यापारिक जहाजों, तेल आपूर्ति या महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों को बाधित करने का प्रयास करता है, तो इसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। भविष्य में यदि इनसे लंबी दूरी की क्रूज मिसाइलों का संचालन होता है, तो भारत के तटीय शहरों, नौसैनिक अड्डों और सामरिक प्रतिष्ठानों के सामने नई चुनौती खड़ी हो सकती है। इसके साथ ही हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती मौजूदगी और पाकिस्तान के साथ उसका गहरा होता सैन्य सहयोग भारत के लिए दोहरे दबाव की स्थिति पैदा करता है। चीन लंबे समय से हिंद महासागर में अपने प्रभाव का विस्तार करने की रणनीति पर काम कर रहा है और पाकिस्तान इसमें उसका महत्वपूर्ण साझेदार बनता जा रहा है। हालांकि इन बदलती परिस्थितियों से भारत पूरी तरह सजग है। भारतीय नौसेना लगातार अपनी समुद्री क्षमता का आधुनिकीकरण कर रही है। स्वदेश निर्मित कलवरी श्रेणी की आधुनिक पनडुब्बियां नौसेना की ताकत बढ़ा रही हैं। इनमें स्वदेशी एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन प्रणाली जोड़ने की दिशा में भी कार्य चल रहा है। इसके अलावा पी-8आई पोसाइडन समुद्री टोही विमान, एमएच-60आर रोमियो हेलीकॉप्टर और आधुनिक पनडुब्बी रोधी प्रणालियां हिंद महासागर क्षेत्र में हर संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखने में सक्षम हैं।

प्रोजेक्ट-75(आई) के तहत नई पीढ़ी की अत्याधुनिक पनडुब्बियों के निर्माण की प्रक्रिया भी तेजी से आगे बढ़ रही है। इसके साथ ही स्वदेशी रक्षा तकनीक और समुद्री निगरानी तंत्र को मजबूत बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कारगिल विजय दिवस केवल अतीत के शौर्य का स्मरण करने का अवसर नहीं है। यह भविष्य की चुनौतियों को समय रहते पहचानने और उनसे निपटने की प्रेरणा भी देता है। कारगिल में दुश्मन ने पहाड़ों की ऊंचाइयों का सहारा लिया था, जबकि आज वही चुनौती समुद्र की गहराइयों में दिखाई दे रही है। यदि भारत सतर्कता, आधुनिक तकनीक और मजबूत रक्षा तैयारियों के साथ आगे बढ़ता रहा, तो समुद्र से उठने वाली हर चुनौती का भी प्रभावी ढंग से सामना कर सकेगा। यही कारगिल विजय दिवस का सबसे बड़ा संदेश है और यही उन अमर शहीदों के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि भी होगी।

चीन और पाकिस्तान का बढ़ता रक्षा सहयोग अब हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के लिए नई सामरिक चुनौती बनकर सामने आ रहा है। वर्ष 2015 में चीन और पाक के बीच हुए रक्षा समझौते के तहत चीन पाकिस्तान को आठ आधुनिक डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियां उपलब्ध करा रहा है।

रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर बन रहे हम

मेक इन इंडिया

उमेश चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

भारत में रक्षा उत्पादन का भारतीयकरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महत्वाकांक्षी और नीतिगत सुधार 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के तहत तेजी से बढ़ रहा है। इसकी सफलता का अंदाजा इस साल के कुल रक्षा उत्पादन के आंकड़ों से लगाया जा सकता है। इसके अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में कुल रक्षा उत्पादन 1.54 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में करीब तेईस हजार करोड़ ज्यादा है। वित्त वर्ष यानी 2023-24 में यह आंकड़ा एक लाख 27 हजार 434 करोड़ था। अगर शुरुआती वर्ष यानी 2014-15 के आंकड़ों से इसकी तुलना करें तो यह वृद्धि करीब 174 प्रतिशत ज्यादा है। तब भारत ने 46429 करोड़ का उत्पादन किया था।

रक्षा उत्पादन की इस उपलब्धि में सार्वजनिक क्षेत्र ही नहीं, निजी कॉरपोरेट की भी हिस्सेदारी है। इसमें निजी क्षेत्र की भागीदारी करीब 23 प्रतिशत है, जो लगातार इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। हालांकि अभी भी इस क्षेत्र में वर्चस्व सार्वजनिक क्षेत्र की ही कंपनियों का है। 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत, रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी विनिर्माण को बहुत बढ़ावा मिला है। यही वजह है कि वित्त वर्ष 2024-25 में कुल रक्षा उत्पादन 1.5 लाख करोड़ से अधिक के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। रक्षा उत्पादन की निगरानी और नीतिगत सहयोग के लिए मोदी सरकार ने अलग से रक्षा उत्पादन विभाग बनाया है, जिसके अधीन हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड यानी एचएल सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख रक्षा उत्पादक कंपनी के रूप में उभरी है। इस क्षेत्र में देश की अग्रणी निजी कंपनियां और कारोबारी समूहों मसलन, टाटा, एलएंडटी और कल्याणी आदि अब मिसाइल, तोप और बख्तरबंद वाहन निर्माण में बड़ी भूमिका निभा रही हैं। नीतिगत बदलावों के चलते जहां बड़े कारपोरेट हाउसों के साथ ही छोटे कारपोरेट हाउसों और स्टार्टअप्स को भी मौका मिला है। रक्षा उत्पादन विभाग और वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, सोलह हजार लघु और मध्यम वर्ग की कंपनियां भी स्वदेशी रक्षा उत्पादन बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इसके साथ ही स्वदेशी रक्षा उत्पादन के लिए 462 कंपनियों को 788 रक्षा औद्योगिक लाइसेंस जारी किए गए हैं। रक्षा उत्पादन में नीतिगत सुधार और निजी-सार्वजनिक क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी का ही असर है कि आज देश, अमेरिका, फ्रांस और आर्मेनिया समेत दुनिया के सौ से ज्यादा देशों को रक्षा उपकरणों का निर्यात कर रहा है। जहां तक रक्षा उत्पादन में निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की बात है, देश के कुल रक्षा उत्पादन में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का कुल योगदान 77 प्रतिशत है, जबकि बाकी निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी है। इसमें निजी क्षेत्र की भागीदारी साल-दर-साल लगातार बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में कुल रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र की भागीदारी जहां 21 प्रतिशत थी, जिसमें दो फीसद का इजाफा हो चुका है। यह भारत के रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में निजी क्षेत्र की तेजी से बढती भूमिका को स्पष्ट करता है। निर्यात के क्षेत्र में भी भारत की प्रगति उल्लेखनीय हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 के निर्यात की तुलना में बीते वित्त वर्ष में 2,539 करोड़ रुपये यानी करीब 12.04 फीसद की बढ़त दर्ज की गई है। सरकार ने वर्ष 2029 तक 3 लाख करोड़ रुपये के रक्षा निर्माण और 50,000 करोड़ के रक्षा निर्यात का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। इन गतिविधियों से भारत न केवल अपने आर्थिक विकास को गति दे रहा है, बल्कि वैश्विक रक्षा उत्पादन और विनिर्माण केंद्र के रूप में अपनी स्थिति को सुदृढ़ भी कर रहा है। भारत के रिकॉर्ड रक्षा उत्पादन और निर्यात के पीछे सरकारी नीतियों में आया बदलाव है। इससे भारतीय रक्षा उत्पादन क्षेत्र लगातार देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इन नीतियों ने रक्षा क्षेत्र को आयात-निर्भरता से मुक्त करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाया है। सरकार ने रक्षा उत्पादन को निजी क्षेत्र के लिए खोलने की दिशा में विदेशी निवेश को 74 प्रतिशत तक कर दिया है। मोदी सरकार का लक्ष्य 2030 तक रक्षा उत्पादन को 3 लाख करोड़ तक पहुंचाने का है। जहां तक भारत के उत्पाद की बात है तो अब देश स्वदेशी रूप से ब्रह्मोस मिसाइल, आर्टिलरी गन और रडार जैसे 65 प्रतिशत से ज्यादा महत्वपूर्ण रक्षा उपकरणों का घरेलू स्तर पर निर्माण हो रहा है। जिस तरह निजी उद्योग को मौका दिया है, उससे आने वाले दिनों में निजी क्षेत्रों की भागीदारी और ज्यादा बढ़ेगी, रक्षा उपकरण और भी ज्यादा संख्या में स्वदेशी होंगे।

रक्षा उत्पादन की इस उपलब्धि में सार्वजनिक क्षेत्र ही नहीं, निजी कॉरपोरेट की भी हिस्सेदारी है। इसमें निजी क्षेत्र की भागीदारी करीब 23 प्रतिशत है, जो लगातार इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। हालांकि अभी भी इस क्षेत्र में वर्चस्व सार्वजनिक क्षेत्र की ही कंपनियों का है।

दर्द, गर्व और राष्ट्र के सम्मान का दिन

कारगिल विजय दिवस

डॉ. विवेक बाल्यान
स्वतंत्र पत्रकार

देआज का दिन भारतीय इतिहास में केवल एक तारीख नहीं, बल्कि शौर्य, बलिदान और राष्ट्र-गौरव प्रतीक है। वर्ष 1999 में भारत ने 26 जुलाई को ही कारगिल युद्ध में विजय हासिल की थी और दुनिया को यह संदेश दिया था कि भारत अपनी सीमाओं, अपने सम्मान और अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए पूरी तरह से सक्षम है। कारगिल की बर्फीली चोटियों पर लड़ी गई यह लड़ाई साधारण नहीं थी। यह युद्ध ऊंचाई पर कठोर मौसम में लड़ा गया, जहां हर कदम पर मौत का खतरा था। इसके बाद भी भारतीय सेना ने अदम्य साहस, अनुशासन और देशभक्ति के बल पर विजय पताका फहराई। शौर्य बलिदान की इस गाथा में हरियाणा की भूमि पर जन्में 75 वीर सपूतों ने भी अपने प्राण न्यौछावर किए। ये केवल एक संख्या नहीं हैं, बल्कि वे नाम हैं जिनके पीछे इन सपूतों के परिवारों का दर्द, गांवों का गर्व और राष्ट्र का सम्मान छिपा हुआ है।

हरि की धरा हरियाणा की मिट्टी को हमेशा से वीरता, परिश्रम और देशसेवा की भूमि माना गया है। यहां के किसान जिस तरह खेतों में पसीना बहाते हैं, उसी तरह उनके बच्चे सीमा पर खड़े होकर देश की रक्षा करते हैं। हरियाणा का सामाजिक और सांस्कृतिक चरित्र ही ऐसा रहा है कि यहां सैनिक बनना केवल नौकरी नहीं, बल्कि सम्मान और परंपरा का विषय रहा है। जब कारगिल युद्ध छिड़ा, तब हरियाणा के अनेक जवान अग्रिम पंक्ति में दुश्मन के सामने खड़े थे। उन्होंने न केवल युद्ध लड़ा, बल्कि उसमें सर्वोच्च बलिदान भी दिया। कारगिल के युद्ध में शहीद हुए हरियाणा के 75 जवान इस राज्य की सैन्य परंपरा को अमर कर गए। उनके बलिदान ने यह साबित कर दिया कि हरियाणा की वीरता केवल कथाओं में नहीं, बल्कि वास्तविक युद्धभूमि में भी उतनी ही प्रखर है। कारगिल युद्ध की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि यह युद्ध अत्यंत कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में लड़ा गया। हिमालय की ऊंची-ऊंची चोटियां, भीषण ठंड, दुर्गम चढ़ाई, सीमित ऑक्सीजन और दुश्मन की पहले से बनाई गई मजबूत स्थिति- इन सबके बीच भारतीय सैनिकों ने असंभव लगने वाली इस लड़ाई को जीता। विजय के इस अभियान में हरियाणा के शहीदों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण रही। वे अपने साहस और कर्तव्यनिष्ठा से इस राष्ट्रीय विजय का हिस्सा बने। कारगिल विजय दिवस मनाने का अर्थ केवल एक युद्ध में भारत की जीत की याद ताज़ा करना नहीं है। यह दिन हमें यह भी स्मरण कराता है कि हमारे सैनिक ने किस कीमत पर हमें सुरक्षित जीवन प्रदान किया। जब देश के नागरिक अपने घरों में चैन से रहते हैं, तब सीमा पर जवान हिमपात, गोलियों और दुश्मन की घेराबंदी से जूझ रहे होते हैं। इस वास्तविकता को हम अक्सर तभी महसूस करते हैं जब कोई युद्ध या शहादत की बड़ी घटना सामने आती है। कारगिल युद्ध ने पूरे देश को यह समझाया कि सैनिकों का बलिदान सिर्फ समाचार नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा का हिस्सा है। हरियाणा के शहीदों ने इस भावना को और भी गहराई दी। उनकी शहादत केवल सैन्य इतिहास में दर्ज नहीं, बल्कि हरियाणा की लोक-स्मृति और जन-चेतना में हमेशा जीवित रहेगी। कारगिल विजय दिवस पर जब हम तिरंगा फहराते हैं, तो हमें याद रखना चाहिए कि उस झंडे की ऊंचाई के पीछे कितने परिवारों की वेदना छिपी है। हरियाणा के शहीदों ने इस तिरंगे की ऊंचाई के लिए अपना जीवन दिया। उनका रक्त इस ध्वज की लाली में शामिल है। उनका साहस इस राष्ट्र की आत्मा में मौजूद है। उनका नाम लेकर जब हम श्रद्धांजलि देते हैं, तब हम केवल अतीत को नहीं देखते, बल्कि एक ऐसे भारत की कल्पना करते हैं जो अधिक कृतज्ञ, अधिक मजबूत और अधिक एकजुट हो।आज की पीढ़ी के लिए कारगिल विजय दिवस का संदेश बहुत स्पष्ट है। यह दिन बताता है कि स्वतंत्रता की रक्षा केवल नारे से नहीं होती, उसके लिए बलिदान चाहिए। कारगिल विजय दिवस हरियाणा के लिए विशेष गर्व का दिन है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हरियाणा की धरती ने देश को ऐसे सपूत दिए हैं, जिन्होंने कर्तव्य को जीवन से बड़ा माना। इन 75 शहीदों की शहादत केवल एक राज्य की नहीं, पूरे भारत की धरोहर है। उनका बलिदान हमें सिखाता है कि देश के लिए दिया गया जीवन कभी व्यर्थ नहीं जाता। वे आज भले हमारे बीच न हों, लेकिन उनकी बहादुरी, उनकी निष्ठा और उनका त्याग हमेशा जीवित रहेगा। कारगिल विजय दिवस पर हरियाणा के इन वीर शहीदों को कोटि-कोटि नमन।

यह दिन हमें याद दिलाता है कि हरियाणा की धरती ने देश को ऐसे सपूत दिए हैं, जिन्होंने कर्तव्य को जीवन से बड़ा माना। इन 75 शहीदों की शहादत केवल एक राज्य की नहीं, बल्कि पूरे भारत की धरोहर है। उनका बलिदान हमें सिखाता है कि देश के लिए दिया गया जीवन कभी व्यर्थ नहीं जाता।

रविंद्र भवन सभागार में चौथा वार्षिकोत्सव 'अनुभूति' के दौरान सामूहिक फोटो शूट करवाते कलाकार।

जब मां-बेटी की जोड़ी ने मंच पर बिखेरा भरतनाट्यम का जादू

साढ़े चार वर्ष से लेकर 40 वर्ष तक की आयु की 42 छात्राओं द्वारा भरतनाट्यम की मनमोहक प्रस्तुतियां ने भारतीय शास्त्रीय नृत्य की समृद्ध परंपरा से रूबरू कराया। प्रस्तुति में सबसे खास बात यह रही कि इसमें मां व बेटियों की जोड़ी ने परफार्मेंस देकर दर्शकों का दिल जीत लिया।

रवींद्र भवन में नृत्यांजलि भरतनाट्यम नृत्य अकादमी द्वारा 'अनुभूति' में 42 नृत्यांगनाओं ने दी प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

नृत्यांजलि भरतनाट्यम नृत्य अकादमी का चौथा वार्षिकोत्सव 'अनुभूति' का आयोजन शनिवार शाम रविंद्र भवन सभागार में किया गया। कार्यक्रम का निर्देशन भरतनाट्यम कलाकार प्रीति चौरेगीते ने किया। साढ़े चार वर्ष से लेकर 40 वर्ष तक की आयु की 42 छात्राओं द्वारा भरतनाट्यम की मनमोहक प्रस्तुतियां ने भारतीय शास्त्रीय नृत्य की समृद्ध परंपरा से रूबरू कराया। प्रस्तुति में सबसे खास बात यह रही कि इसमें मां व बेटियों की जोड़ी ने परफार्मेंस देकर दर्शकों का दिल जीत लिया।

पुष्पांजलि संग अलारिप्पु से हुआ प्रस्तुति का आगाज

कार्यक्रम की शुरुआत पुष्पांजलि से हुई। इसके बाद अलारिप्पु की प्रस्तुति खास रही तो वहीं मुरलीराम रघुनाथ...बोलों से सजी हनुमान भजन की प्रस्तुति ने दर्शकों का दिल जीत लिया। इसके बाद तमिल गीत अझगे अझगे.... की प्रस्तुति में नृत्यांगनाओं ने भरतनाट्यम शैली के अद्भुत स्वरूप से परिचित कराया। इसकी अगली कड़ी में अधरं मधुरं वदनं मधुरं, नयनं मधुरं हसितं मधुरम... बोलों से सजी मधुराष्टकम की प्रस्तुति खास रही। इसके बाद भारती लक्ष्मी वंदना की प्रस्तुति खास रही।

पूजा चतुर्वेदी, बेटी मनस्वी मिश्रा।

'अर्धनारीश्वर अष्टकम' से दिया स्त्री-पुरुष समानता का संदेश

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण अकादमी की संचालिका प्रीति चौरेगीते की एकल प्रस्तुति 'अर्धनारीश्वर अष्टकम' की रही, जिसमें भगवान शिव और माता पार्वती के अद्वैत स्वरूप तथा स्त्री-पुरुष समानता के संदेश को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया।

मां यशोदा और बाल कृष्ण का स्नेहपूर्ण संवाद माडु मेक्कुम....

इसके बाद तमिल गीत माडु मेक्कुम कन्ने.... में मां यशोदा और बाल कृष्ण के स्नेहपूर्ण संवाद को जीवंत रूप दिया गया। साथ ही भगवान श्री राम को समर्पित श्री रामचंद्र कृपालु भज मन.... की प्रस्तुति से सम्पूर्ण वातावरण राममय हो गया।

अनार्घ के एवं बेटी निहारा।

एक ही मंच पर 42 नृत्यांगनाओं ने साकार किया मंगलम

समापन बेला की ओर पहुंचती प्रस्तुति में तिल्लाना की प्रस्तुति खास रही तो वहीं वार्षिकोत्सव 'अनुभूति' की सबसे खास प्रस्तुति मंगलम की रही, जिसमें मंच पर सभी 42 नृत्यांगनाओं ने एक साथ मंच साझा कर मंगल चारण का संदेश दिया।

रंग श्री लिटिल बैले में 'कृष्ण स्मिता' में रची भगवान श्रीकृष्ण की लीला

छह साड़ियों से रचा चीर हरण, चौसर से महाभारत और बांसुरी से रासलीला का हुआ सजीव मंचन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

छह साड़ियों को जोड़कर तैयार किया चीरहरण का दृश्य, तो वहीं भगवान कृष्ण के जीवन से जुड़े अलग-अलग रूपों को दर्शाने के लिए कहीं चौसर से मंच को जीवंत किया तो कहीं बांसुरी की धुन से कृष्ण की रास लीला को नया रंग दिया।

श्री कृष्ण के विभिन्न स्वरूपों को दर्शाती 'कृष्णा स्मिता' नृत्य नाटिका का मंचन शनिवार की शाम रंग श्री लिटिल बैले ट्रूप में किया गया। कथक व भरतनाट्यम से सजी करीब 1 घंटे की इस प्रस्तुति का निर्देशन रागेश्री बेलसरे और स्नेहा खेर ने किया। नृत्य नाटिका में माखन चोर नंद किशोर श्री कृष्ण के जन्म से लेकर उनके द्वारा रची गोवर्धन लीला, गोपियों संग रास, महाभारत की गाथा को बेहद ही मार्मिक ढंग से प्रस्तुत किया गया। इन सभी दृश्यों को जीवंत रूप देने के लिए मंच सज्जा व प्रॉप्स को प्रतिभागियों द्वारा स्वयं तैयार किया गया।

'कृष्णा स्मिता' नृत्य नाटिका का मंचन करते कलाकार।

जहां प्रेम है, वहां कृष्ण हैं...., जहां धर्म है, वहां कृष्णा हैं...

इस प्रस्तुति में महाभारत गाथा के दौरान मंचित द्रौपदी चीर-हरण के प्रसंग ने यह भाव प्रकट किया कि जब मनुष्य पूर्ण श्रद्धा और समर्पण के साथ ईश्वर का स्मरण करता है, तब भगवान किसी न किसी रूप में उसकी रक्षा अवश्य करते हैं। समापन अवसर पर कृष्ण का एक ही संदेश सुनाई दिया जहां प्रेम है, वहां कृष्ण हैं। जहां धर्म है, वहां कृष्ण हैं। जहां सत्य और अटूट विश्वास है, वहां स्वयं श्रीकृष्ण अपने भक्तों की रक्षा के लिए सदैव उपस्थित रहते हैं।

गोवर्धन लीला के माध्यम से दिया प्रकृति संरक्षण का संदेश

कथक व भरतनाट्यम शैली पर आधारित इस प्रस्तुति में बताया गया कि जब-जब संसार में अधर्म बढ़ता है, तब-तब भगवान श्रीकृष्ण अपनी लीलाओं के माध्यम से मानवता को सही मार्ग दिखाते हैं। माखन चोरी की लीला को निष्कलंक और प्रेममय हृदय का प्रतीक बताया तो वहीं गोवर्धन लीला के माध्यम से प्रकृति संरक्षण, अहंकार के त्याग और ईश्वर पर अटूट विश्वास का संदेश दिया गया।

'कृष्णा स्मिता' नृत्य नाटिका में चीर हरण का मंचन करते हुए।

भवानी अष्टकम पर भरतनाट्यम की भावपूर्ण नृत्य प्रस्तुति ने बांधा समां

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

करुणाधाम आश्रम में आयोजित हुआ कार्यक्रम

करुणाधाम आश्रम में आयोजित तीन दिवसीय महायज्ञ के समापन अवसर पर तनिष्का हतवलने ने भरतनाट्यम के माध्यम से 'भवानी अष्टकम' की भावपूर्ण नृत्य सेवा प्रस्तुत कर सभागार को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। आदि शंकराचार्य द्वारा रचित भवानी अष्टकम मां भवानी के प्रति पूर्ण समर्पण, शरणागति और करुणा का अनुपम स्तोत्र है। गतिस्त्वं गतिस्त्वं त्वमेका भवानि.... पंक्तियों से सजी यह प्रस्तुति यह संदेश देती है कि जीवन के हर संकट में मां भवानी ही भक्त की अंतिम शरण हैं। भरतनाट्यम की सशक्त अभिनय शैली के माध्यम से तनिष्का ने देवी के वात्सल्य, शक्ति और करुणा स्वरूप को सजीव किया।

मुकेश की स्मृति में 'रिमझिम गिरे सावन' का आयोजन आज

भोपाल। कायस्थम संस्था ने प्रसिद्ध पार्श्व गायक स्व. श्री मुकेश चंद्र माथुर के 22 जुलाई को 103 वें जन्मदिवस पर पुण्य स्मरण करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। स्व. मुकेश की स्मृति में कायस्थम संस्था रविवार 26 जुलाई को फिल्मी गीतों का कार्यक्रम रिमझिम गिरे सावन-2.0 का आयोजन करेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आबकारी आयुक्त दीपक सक्सेना, विशेष अतिथि मप्र कौंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के डायरेक्टर जनरल अनिल कोठारी, वरिष्ठ पत्रकार महेश श्रीवास्तव और प्रसिद्ध भजन गायक रवि खरे होंगे। कायस्थ समाज के 30 चित्रांश गायक फिल्मी गीतों की प्रस्तुति देंगे।

ताल भरे, पोखर भरे और भरे हैं कूप, बादल आकर पी गए चुभने वाली धूप...

कविता की फुहारों से भीगा दुष्यंत संग्रहालय का राज सदन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

बारिश की फुहारों के बीच जब शब्दों ने मेघों का रूप धारण किया और कविताओं ने सावन की भीनी-भीनी खुशबू बिखेरी, तब दुष्यंत कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय का राज सदन सचमुच पावस के रंग में रंग गया। प्रसिद्ध साहित्यकार मनीष बादल ने सुनाया ताल भरे, पोखर भरे और भरे हैं कूप, बादल आकर पी गए चुभने वाली धूप....। अशोक निर्मल के संयोजन में आयोजित 'प्रणाम पावस' काव्य गोष्ठी में शहर के लगभग 35 रचनाकारों ने वर्षा ऋतु को रचनाओं के माध्यम से गुनगुनाया। गोष्ठी की अध्यक्षता उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी ने की। मुख्य अतिथि निराला सृजन पीठ की निदेशक डॉ. साधना बलवटे रहीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनीता तिवारी ने किया।

कराओके म्यूजिकल नाइट में गूंजे किशोर कुमार के अमर नगमे

मानसून की फुहारों में घुली सुरों की खुशबू...

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मधुर गीतों की प्रस्तुति से दर्शकों की खबू तालियां बटोरी

बारिश की रिमझिम, मोहब्बत भरे गीत और मधुर स्वरों का जादू... शनिवार की शाम अध्ययन भवन, शिवाजी नगर में कुछ ऐसा ही मनमोहक माहौल देखने को मिला, जब गंधर्व कल्चर एंड इवेंट्स ने अक्षदा सोशल वेलफेयर सोसाइटी के सहयोग से अपनी मासिक संगीत श्रृंखला के अंतर्गत 'कराओके म्यूजिकल नाईट' का आयोजन किया। 'मानसून, मौसिकी और मोहब्बत' थीम पर आधारित यह संगीतमय शाम महान पार्श्वगायक किशोर कुमार को समर्पित रहा, जिनके अमर गीतों ने श्रोताओं को स्वर्णिम संगीत युग की मधुर यादों में डुबो दिया।

प्यार दीवाना होता है... से शुरू हुई संगीत यात्रा

संगीत यात्रा की शुरुआत संजय पिल्लई ने प्यार दीवाना होता है... से की इसके बाद कैलाशी वट्टी ने देखा न हाय रे..., प्रदीप शुक्ला ने रिमझिम गिरे सावन... और हिमांशु सोनी ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति से दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। वहीं गीतों से सजी इस महफिल की अगली प्रस्तुति ज्योति अहिरवार की रही जिन्होंने ओ मेरे दिल के चैन... को प्रस्तुत किया तो वहीं जावेद खान ने मेरे दिल में आज क्या है... तथा जगदीश रायकवार ने जान-ए-मन... प्रस्तुत कर श्रोताओं को भाव-विभोर किया। वहीं स्वाति पिल्लई ने नैनों में बदरा छाए... की भावपूर्ण प्रस्तुति देकर मानसून की अनुभूति को और गहरा कर दिया।

'ये शाम मस्तानी' में अनु मलिक और अनिल बिखेरेंगे संगीत का जादू

भोपाल। जब भी हिंदी फिल्म संगीत की बात होती है, तो किशोर कुमार की जादुई आवाज बरबस ही कानों में गूंजने लगती है। उनकी इसी अमर संगीत विरासत को नमन करने के लिए मप्र शासन के संस्कृति विभाग द्वारा 4 अगस्त को रवींद्र भवन में लोकप्रिय संगीत संध्या 'ये शाम मस्तानी' का आयोजन किया जा रहा है। संस्कृति संचालक एन.पी. नामदेव ने बताया कि किशोर कुमार केवल एक गायक नहीं, बल्कि भारतीय सिनेमा के ऐसे बहुआयामी कलाकार थे, जिनकी गायकी, अभिनय और संगीत आज भी हर पीढ़ी को समान रूप से आकर्षित करते हैं। इस वर्ष की संगीत संध्या का सबसे बड़ा आकर्षण होंगे बॉलीवुड के सुप्रतिष्ठित संगीत निर्देशक, गायक और संगीतकार अनु मलिक, जो अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगे। उनके साथ के फॉर किशोर और इंडियन आइडल से लोकप्रिय हुए गायक अनिल श्रीवास्तव भी किशोर कुमार के सदाबहार गीतों को अपनी आवाज देंगे।

बैठक द आर्ट हाउस में खयाल क्लब ने 'सखा' साहित्यिक का आयोजन किया

उसके घर का पता तो याद नहीं, लेकिन अभी भी यादों में वो मकान अभी बाकी है....

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

नीति के निर्धारण में, गतियां की धारण में, संगीत के संचालन में जो गीत छिपा है वो तुम हो, तुम मेरे ख्वाबों में नया स्पर्म बनकर आई हो, मैं कसम से मर जाता हूं जब तुम मेरे ख्वाबों में आ जाती हो... जब सपने से उठा तो देखा कि हाथों पर लिखा हुआ फोन नंबर तो मिट चुका है, लेकिन कलम चलने का निशान अभी बाकी है, उसके घर का पता तो याद नहीं, लेकिन अभी भी यादों में वो मकान अभी बाकी है.... 'गट्टू भैया ने सुसाइट नहीं किया...' किस्सा सुनाते हुए उपरोक्त अश्यार प्रस्तुत किए प्रसिद्ध स्टोरीटेलर एवं स्पीकर मानस भारद्वाज ने। मौका है बैठक द आर्ट हाउस में एलएनसीटी के खयाल क्लब द्वारा 'सखा' साहित्यिक आयोजन का।

सनी ने भावनात्मक रूप से जोड़ते हुए सकारात्मक संदेश देकर दिल जीता

बैठक द आर्ट हाउस में शनिवार को 'सखा' साहित्यिक कार्यक्रम में प्रस्तुति देते सनी कुमार।

स्पीकर, मानस भारद्वाज

सनी कुमार बोजो ने लगवाए हंसी के ठहाके

सुबह के सत्र में सनी कुमार बोजो ने अपनी प्रेरणादायक प्रस्तुति से श्रोताओं को हंसी के ठहाके मारने पर मजबूर कर दिया। जहां सनी ने भावनात्मक रूप से जोड़ते हुए सकारात्मक संदेश देकर दर्शकों का दिल जीता तो वहीं मानस भारद्वाज ने स्टोरी टेलिंग के माध्यम से जीवन, मानसिक स्वास्थ्य और उम्मीद जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा किए। वहीं बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमी हुए शामिल एलएनसीटी सहित भोपाल के विभिन्न कॉलेजों के विद्यार्थी, साहित्य प्रेमी एवं युवा रचनाकार बड़ी संख्या में शामिल हुए। कविता, कहानियों और खुले संवाद के माध्यम से प्रतिभागियों ने अपने विचार साझा किए, जिससे कार्यक्रम एक यादगार साहित्यिक अनुभव बन गया।

प्रधान का इस्तीफा, बोले- युवाशक्ति देश की असली ताकत, 4 दशकों से छात्रहित में काम किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जंतर-मंतर पर चल रहे छात्र आंदोलन के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया है। नीट पेपर लीक मामले में देशभर के छात्र पिछले कई दिनों से आंदोलन कर रहे हैं। जंतर-मंतर पर आंदोलन में बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स हिस्सा ले रहे। छात्रों की पहली डिमांड शिक्षा मंत्री प्रधान का इस्तीफा थी। प्रधान ने शनिवार दोपहर को मंत्रिपद से इस्तीफा दे दिया। अपने इस्तीफे में उन्होंने कहा कि युवाशक्ति ही देश की असली ताकत है और पिछले 10 दिनों के घटनाक्रम को देखकर मन दुखी हो गया। सोशल मीडिया पर पोस्ट में प्रधान ने कहा कि मेरे युवा साथियों, मैं पिछले 4 दशकों से अधिक समय से छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के लिए समर्पित रहा हूं।

युवाओं का सम्मान करता हूं

मेरा सदैव यह विश्वास रहा है कि एक सशक्त, समावेशी और दूरदर्शी शिक्षा व्यवस्था ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला होती है। मैं देश के युवाओं की आकांक्षाओं, भावनाओं और उनकी न्यायोचित अपेक्षाओं का गहरा सम्मान करता हूं। भारत की युवा पीढ़ी के सपनों को साकार करना हम सभी के राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन का नैतिक संकल्प रहा है।

परीक्षा रद्द कर दोबारा कराई

उन्होंने कहा, 3 मई 2026 को नीट यूजी की परीक्षा में सामने आई अनियमितता पाई गई। भारत सरकार ने इसको तुरंत संज्ञान में लेते हुए जांच सीबीआई को सौंपी और परीक्षा को रद्द किया एवं पुनः परीक्षा की तिथि घोषित की गई। इसके साथ ही अगले वर्ष से इस परीक्षा को सीबीटी मोड में करने का निर्णय लिया गया।''इस दौरान हमारी प्रमुख प्राथमिकता यह रही कि 20 लाख से अधिक छात्रों की परीक्षा सुचारू रूप से आयोजित की जाए। इसमें सभी का सहयोग रहा।

पत्र जारी कर कही अहम बातें

लंबे समय से छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के लिए 'लड़ा'

प्रधान ने एक पत्र जारी कर अपने इस्तीफे की जानकारी दी है। उन्होंने पत्र में कहा है कि वह पिछले 4 दशक से भी अधिक वक्त से छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के लिए समर्पित रहे हैं। वह देश के युवाओं की आकांक्षाओं, भावनाओं और उनकी अपेक्षाओं का सम्मान करते हैं और भारत की युवा पीढ़ी के सपनों को साकार करना हम सभी के सामाजिक एवं सामाजिक जीवन का नैतिक संकल्प रहा है।

पीएम मोदी का जताया आभार : प्रधान ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में राष्ट्र की सेवा करने का जो मौका उन्हें मिला उसके लिए वह प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हैं

सीबीटी मोड में परीक्षा कराने का फैसला: धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि 3 मई, 2026 को हुई नीट यूजी की परीक्षा में गड़बड़ियां पाई गई, केंद्र सरकार ने इसका संज्ञान लिया और जांच सीबीआई को सौंप दी।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर सत्तापक्ष और विपक्ष ने दी अपनी अपनी प्रतिक्रियाएं

भाजपा ने व्यापक हितों को प्राथमिकता, ईमानदारी के मापदंडों पर पद छोड़ने की बात कही, वहीं विपक्ष ने अपनी 'एकजुटता' को जीत का कारण बताया

नबीन ने एक्स पर लिखा कि प्रधान ने भारत के शिक्षा में सुधार लाने और ऐतिहासिक राष्ट्रीय शिक्षा नीति व अन्य पहलों को सफलतापूर्वक लागू करने में अहम भूमिका निभाई तो विपक्ष ने कहा हमने संसद से सड़क तक छात्रों के हित में मांग उठाई, हालांकि श्रेय की होड़ लगी है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नीट पेपर लीक विवाद पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने उनके इस कदम का समर्थन किया है। नबीन ने एक्स पर लिखा कि प्रधान ने भारत के शिक्षा में सुधार लाने और ऐतिहासिक राष्ट्रीय शिक्षा नीति व अन्य पहलों को सफलतापूर्वक लागू करने में अहम भूमिका निभाई है। व्यापक हितों को प्राथमिकता देते हुए उनका पद छोड़ने का निर्णय सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी और निस्वार्थ सेवा के उच्चतम मानदंडों को दर्शाता है। पार्टी प्रधान के साथ मजबूती से खड़ी है। मैं उनके भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं देता हूं।

खास बातें

- विपक्ष को सबसे पहले संसद में चर्चा करनी थी
- सरकार ने उन्हें ईमानदार और समर्पित बताया

विपक्ष की रुचि हंगामा में, चर्चा करने में नहीं: सीतारमण

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्ष के रुख पर सवाल उठाते हुए कहा था कि सरकार संसद में चर्चा के लिए तैयार थी, लेकिन विपक्ष एक मांग पूरी होने के बाद नई शर्तें रख रहा था और असल में चर्चा में दिलचस्पी नहीं ले रहा था। उन्होंने विपक्ष के रवैए पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनकी मंशा सिर्फ हंगामा करने की है, वे सरकार से जवाब मांगने या सार्थक चर्चा करने में कोई रुचि नहीं दिखा रहे हैं।

विपक्ष ने सरकार की हार बताया

अहंकारी सत्ता की हार, माफी मांगें: खरगे

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि भारत के 'छात्रों की आवाज' आखिरकार उस अहंकारी सत्ता के दरवाजे तक पहुंच ही गई है। यह हमारे उन लाखों युवाओं की जीत है जिन्होंने शिक्षा व्यवस्था को सुधारने के लिए देश भर की सड़कों पर अपनी आवाज़ उठाई। यह सच की जीत है और मोदी की जिद की हार है। यह सरकार भ्रष्ट है। यह एकजुट विपक्ष की जीत है, जिसने छात्रों के हित में संसद से लेकर सड़कों तक अपनी आवाज उठाई। वे हमारी युवा पीढ़ी से माफी मांगें।

और तानाशाही नहीं चलेगी: प्रियंका

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि अब तानाशाही नहीं चलेगी।

इस्तीफे पर पूरे देश को बधाई: केजरीवाल

आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सरकार को जनता के सामने झुकना पड़ा। उन्होंने एक्स पर एक वीडियो मैसेज शेयर कर लिखा, धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर पूरे देश को बधाई।

दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी को झुकाया

समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि नई पीढ़ी की एक बड़ी जीत है। यह युवाओं की एक बड़ी जीत है। दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी को झुका दिया। अब परीक्षाएं सही ढंग से चलेंगी।

मोदी और शाह अजेय नहीं...

शिवसेना के नेता संजय राउत ने प्रधान के इस्तीफे को लेकर पीएम मोदी और अमित शाह पर हमला बोला है। राउत ने एक्स पर सीजेपी के प्रदर्शन की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा है कि प्रधान ने इस्तीफा दिया, मोदी और शाह अजेय नहीं हैं... वे भी जाएंगे!

सेलेब्स ने कहा

सभी को बधाई, जिन्होंने सहयोग दिया: प्रकाश

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर खुशी का इजहार करते हुए अभिनेता प्रकाश राज ने अपनी एक तस्वीर शेयर करते हुए एक्स पर लिखा 'मेरे प्यारे कॉकरोचेस, सोनम वांगचुक सर और उन सभी लोगों को बधाई जिन्होंने युवाओं का साथ दिया।

पुलिस ने दी सारी जानकारी

2000 क्रिमिनल, 15 एफआईआर और 130 पुलिसकर्मी घायल

दिल्ली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। इस कार्रवाई में फेशियल रिकग्निशन सिस्टम की मदद ली गई।

इस आधुनिक प्रणाली से 2000 से अधिक आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों की पहचान की गई है। ये प्रदर्शनकारी भीड़ में घुस गए थे। इनका मुख्य उद्देश्य पुलिसकर्मियों को निशाना बनाना था। इस दौरान 130 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। अब तक 15 एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं। अपराधियों की धरपकड़ के लिए अभियान जारी है।

फेशियल रिकग्निशन सिस्टम से हुई पहचान

इस दौरान पुलिस ने आधुनिक फेशियल रिकग्निशन सिस्टम का प्रभावी ढंग से उपयोग किया। इस तकनीक से भीड़ में मौजूद संदिग्ध चेहरों को पहचाना गया। सिस्टम ने हजारों लोगों के डेटाबेस से मिलान किया। इससे आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों की सटीक पहचान संभव हो पाई। इसकी जांच की जा रही है।

जंतर- मंतर पर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तनाव

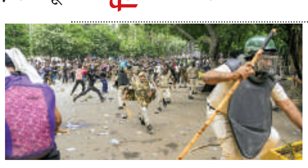

हंगामा, पथराव और पानी की बोतल फेंकी, पुलिस ने दागे आंसू गैस के गोले, किया लाठीचार्ज

जंतर-मंतर पर दोपहर में एक बार फिर से प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तनाव का माहौल हो गया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया पुलिस और आरएएफ की टीम ने आंसू गैस के गोले छोड़े। लाठीचार्ज भी किया।

खबर संक्षेप

अभिषेक जेल गए तो नहीं निकल पाएंगे: सुवेंदु

कोलकाता। सीएम सुवेंदु अधिकारी ने तृणमूल सांसद अभिषेक बेनर्जी को फिर निशाना बनाया। उन्होंने विधानसभा में अभिषेक के 'सेवाश्रय' से संबंधित कई गंभीर अनियमितताओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने चेतावनी दी कि इस घोटाले की जांच होने पर अभिषेक को जेल भेजा जाएगा।

महाराष्ट्र टीईटी पेपर लीक का सरगना अरेस्ट

मुंबई। महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा पेपर लीक का कथित मास्टरमाइंड बिजेंद्र गुप्ता कई महीनों तक फरार रहने के बाद आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गया है। महाराष्ट्र पुलिस ने बिजेंद्र गुप्ता को बिहार से गिरफ्तार किया है। ठाणे पुलिस ने शनिवार को बिहार से गिरफ्तार किया है।

बाल पुरस्कार के लिए 31 तक होंगे आवेदन

लखनऊ। सिखों के अंतिम और दसवें गुरु गोबिंद सिंह के चारों साहिबजादों के बलिदान दिवस पर मेधावियों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार दिया जाएगा। 26 दिसंबर को राष्ट्रपति बाल मेधावियों को पुरस्कृत करेंगी। 31 जुलाई तक आवेदन किया जा सकता है। 5-18 आयु वर्ग के मेधावी आवेदन करें।

करंट लगने से 3 पैसेंजर्स की मौत

पटना। बिहार की राजधानी पटना में दर्दनाक हादसा हो गया। यहां एक सड़क हादसे में 3 लोगों की जान चली गई. शनिवार सुबह एक ऑटो अनियंत्रित होकर पहले पानी के गड्ढे में जा घुसा। तभी बिजली के तार की चपेट में आ गया। करंट लगने से 3 लोगों की मौत हो गई।

महानदी ऑफशोर बेसिन में पहले अप्रेजल वेल की ड्रिलिंग शुरू

पुरी ने ऊर्जा सुरक्षा की मजबूत नींव बताया संसाधनों की खोज, उत्पादन क्षमता बढ़ेगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने शनिवार को महानदी ऑफशोर बेसिन में पहले अप्रेजल वेल की ड्रिलिंग शुरू होने की घोषणा करते हुए इसे भारत की ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में 'एक नए अध्याय की शुरुआत; बताया। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि यह उपलब्धि पिछले एक दशक में किए गए दूरदर्शी सुधारों का परिणाम है, जिसने देश के एक्सप्लोरेशन एंड प्रोडक्शन क्षेत्र में व्यापक बदलाव लाया है। महानदी ऑफशोर बेसिन में शुरू किया गया 'एमएन-डीडब्ल्यूएन18-1-एचडी' अप्रेजल वेल चार प्रस्तावित डीपवॉटर वेल में पहला है। इन कुओं से देश के ऑफशोर बेसिन में से एक का चरणबद्ध तरीके से आकलन किया जाएगा। इस ड्रिलिंग कार्यक्रम में अत्याधुनिक डीपवॉटर ड्रिलिंग तकनीक का उपयोग किया जाएगा, जिससे नए हाइड्रोकार्बन संसाधनों की खोज और घरेलू उत्पादन क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

10 वर्षों के दूरदर्शी सुधारों का परिणाम दिखाई दे रहा

आयात निर्भरता घटाने पर जोर

पुरी ने कहा कि ड्रिलिंग का हर मीटर हमें आयात पर निर्भरता कम करने, आत्मनिर्भरता बढ़ाने और विकसित भारत के विजन को साकार करने के और करीब ले जाएगा।

कंपनियों ने पूरी संरचना को ही बदल दिया

पुरी ने कहा कि 10 वर्षों में सरकार ने ऐतिहासिक नीतिगत और नियामकीय सुधारों के जरिए एक्सप्लोरेशन एंड प्रोडक्शन क्षेत्र की पूरी संरचना को बदल दिया है। उन्होंने ओएनजीसी, ऑयल इंडिया लिमिटेड, डायरेक्टरेट जनरल ऑफ हाइड्रोकार्बन्स, तकनीकी साझेदारों और इस क्षेत्र से जुड़े सभी हितधारकों को बधाई देते हुए विश्वास जताया।

बड़े निवेश की प्रतिबद्धता मिली

पुरी ने बताया कि ओएएलपी के तहत अब तक लगभग 3.8 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले 172 एक्सप्लोरेशन ब्लॉक आवंटित किए जा चुके हैं, जिनमें 4.3 अरब डॉलर से अधिक के निवेश की प्रतिबद्धता मिली है।

पिछले दशक के सुधारों का किया उल्लेख

पुरी ने हाइड्रोकार्बन एक्सप्लोरेशन एंड लाइसेंसिंग पॉलिसी , नामांकन आधारित व्यवस्था के स्थान पर ओपन एकरेज लाइसेंसिंग प्रोग्राम, पारदर्शी रेवेन्यू शेयरिंग मॉडल और पहले प्रतिबंधित रहे लगभग 99फीसदी ऑफशोर 'नो-गो' क्षेत्रों को एक्सप्लोरेशन के लिए खोलने जैसे प्रमुख सुधारों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद भारत के कुल सक्रिय एक्सप्लोरेशन एकरेज का 81% आवंटित किया गया है।

वैश्विक शिपबिल्डिंग हब बनाने की दिशा में बड़ा कदम

सरकार ने 69,725 करोड़ रुपए की योजना मंजूर की

केंद्र सरकार ने देश के जहाज निर्माण (शिपबिल्डिंग) उद्योग को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने 69,725 करोड़ के व्यापक पैकेज को मंजूरी दी है। इसका उद्देश्य घरेलू जहाज निर्माण क्षमता बढ़ाना, समुद्री क्षेत्र के लिए दीर्घकालिक वित्तपोषण उपलब्ध कराना, कौशल विकास को प्रोत्साहित करना और भारत को वैश्विक शिपबिल्डिंग हब के रूप में स्थापित करना है। पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बताया कि शिपयार्ड की लागत को वैश्विक शिपयार्ड के मुकाबले प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए 24,736 करोड़ की स्कीम को मंजूरी दी गई है।

25,000 करोड़ रुपए का मैरीटाइम डेवलपमेंट फंड

पैकेज के तहत 25,000 करोड़ रुपए का मैरीटाइम डेवलपमेंट फंड भी स्थापित किया जाएगा। इससे जहाज निर्माण और समुद्री क्षेत्र को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इस फंड में 20,000 करोड़ रुपए का मैरीटाइम इन्वेस्टमेंट फंड और 5,000 करोड़ रुपए का इंटरेस्ट इंसेंटिवाइजेशन फंड शामिल है।

आंदोलन समाप्ति के बाद कैंडल मार्च

पुलिस ने शुरू होने से पहले ही रोका, जमकर 'नोकझोंक' हुई

शिमला में कैंडल मार्च निकाला गया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन के दौरान मृतक छात्रों को श्रद्धांजलि देने के लिए शनिवार शाम कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कैंडल मार्च पुलिस ने शुरू होने से पहले ही रोक दिया। शहर के चंदौसी चौराहा स्थित कुरुक्षेत्र के सामने कांग्रेस कार्यालय से जैसे ही कार्यकर्ता जिलाध्यक्ष हाजी आरिफ तुर्की के नेतृत्व में बाहर निकले। पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। इसके बाद मौके पर कुछ देर तक पुलिस और कांग्रेस नेताओं के बीच नोकझोंक का माहौल बना रहा।

कोतवाल सुधीर पंवार ने कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से हाथ जोड़कर कैंडल मार्च नहीं निकालने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि जनपद में धारा 163 लागू है और प्रशासन की अनुमति के बिना किसी भी प्रकार का धरना, प्रदर्शन या जुलूस निकालने की अनुमति नहीं है।

पुलिस कार्रवाई के विरोध में वकीलों का प्रदर्शन

दिल्ली की विभिन्न जिला अदालतों में वकालत करने वाले 60 से अधिक वकील शनिवार को तीस हजारी अदालत परिसर में एकत्र हुए और उन्होंने 20 जुलाई को जंतर-मंतर से संसद तक कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के मार्च के दौरान की गई पुलिस कार्रवाई के विरोध में प्रदर्शन किया। 'यूथ फॉर जस्टिस' समूह की ओर से आयोजित यह प्रदर्शन अदालत परिसर के भीतर हुआ। इसमें शामिल वकीलों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग किया। वकीलों ने राष्ट्रगान गाया और सामूहिक रूप से संविधान की प्रस्तावना का पाठ किया। 'यूथ फॉर जस्टिस' के संस्थापक एवं अधिवक्ता आशु बिधूड़ी ने न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के संवैधानिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई।

अगले महीने से बदल जाएगा नियम

अब केवाईसी 2.0 में बगैर डॉक्यूमेंट्स के खुलेंगे खाते

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय बैंक और इंश्योरेंस कंपनियां अगस्त में एक कॉमन कस्टमर आइडेंटिफिकेशन सिस्टम शुरू करेंगी, जिसमें बाद में एसेट मैनेजर भी शामिल होंगे। इससे ग्राहकों को अलग-अलग पहचान दस्तावेज जमा किए बिना फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स का फायदा उठाने में मदद मिलेगी। इस नए सिस्टम को 'सेंट्रल नो-योर-कस्टमर 2.0' कहा जाएगा।

इसकी मुख्य बातें

- बैंक या बीमा कंपनी में नया खाता खोलने के लिए आपको बार-बार पहचान पत्र या पते का सबूत नहीं देना होगा।
- वित्तीय संस्थान सेंट्रल रजिस्ट्री से आपका सत्यापित डेटा सीधे ले सकेंगे।
- डेटा लेने के लिए संस्थानों को केवल आपके वन-टाइम पासवर्ड सहमति की आवश्यकता होगी।

प्रधानमंत्री आज वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के प्रतिभागियों से करेंगे संवाद

सामाजिक, सांस्कृतिक व रणनीतिक महत्व की जानकारी मिलेगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के प्रतिभागियों से संवाद करेंगे। इसमें 400 से अधिक युवा शामिल होंगे, जिनका चयन राष्ट्रव्यापी ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के जरिए किया गया था। माय भारत के माध्यम से संचालित विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम 2026 का आयोजन 4 जून से 30 जून तक दो चरणों में किया गया।

इसमें 400 से अधिक युवा शामिल होंगे माय भारत कर रहा संचालन

प्रश्नोत्तरी में 3 लाख से अधिक युवाओं ने लिया चयन प्रक्रिया में हिस्सा

74 सीमावर्ती गांवों से युवाओं को मिला जुड़ने का अवसर

कार्यक्रम के तहत लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के 74 वाइब्रेंट सीमावर्ती गांवों को शामिल किया गया। इसका उद्देश्य युवाओं को सीमावर्ती क्षेत्रों के सामाजिक, सांस्कृतिक विकासात्मक परिवेश से जोड़ना तथा उन्हें इन गांवों के रणनीतिक महत्व से परिचित कराना था।

विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लिया

प्रतिभागियों ने स्थानीय समुदायों के साथ रहकर स्वच्छता अभियान, सरकारी योजनाओं पर जागरूकता अभियान, युवा सम्मेलन आदि में हिस्सा लिया।

'देश के पहले गांव' बनाने की पहल

यह प्रोग्राम प्रधानमंत्री के उस विजन पर आधारित है, जिसमें सीमावर्ती गांवों को 'देश के पहले गांव' के रूप में विकसित करने और उन्हें विकसित भारत की यात्रा में सक्रिय भागीदार बनाने पर जोर दिया गया है। युवाओं को सीमावर्ती क्षेत्रों की सारी जानकारी मिलेगी।

कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ पर सजा-धजा कारगिल युद्ध स्मारक

द्रास में कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ

वीर बलिदानियों के सम्मान में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

समारोह की शुरुआत शनिवार को लामोचन व्यू प्वाइंट पर युद्ध संस्मरण कार्यक्रम से हुई, जहां कारगिल युद्ध और ऑपरेशन विजय में भारत की जीत को याद किया गया। इस दौरान एक वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से युद्ध की वीर गाथाओं को दिखाया गया

हरिभूमि ब्यूरो ⏭नई दिल्ली

कारगिल युद्ध में भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस और बलिदान को याद करने के लिए द्रास में कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ के अवसर पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। सेना ने शनिवार से दो दिवसीय समारोहों की शुरुआत की, जिसमें युद्ध संस्मरण, शौर्य संध्या और श्वेत अश्व मोटरसाइकिल प्रदर्शन जैसे कार्यक्रम शामिल हैं। इन कार्यक्रमों का मुख्य केंद्र द्रास स्थित ऐतिहासिक कारगिल युद्ध स्मारक रहेगा। इसके अलावा द्रास सेक्टर के अग्रिम क्षेत्र सैंडो टॉप समेत कई स्थानों पर भी श्रद्धांजलि और स्मृति कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

आज रक्षा मंत्री 40 वीरों के बलिदान को देंगे श्रद्धांजलि

वीर गाथाएं दिखाईं

समारोह की शुरुआत शनिवार को लामोचन व्यू प्वाइंट पर युद्ध संस्मरण कार्यक्रम से हुई, जहां से ऐतिहासिक कारगिल युद्धक्षेत्र का नजारा दिखता है। इस गरिमापूर्ण समारोह में कारगिल युद्ध के नायकों की वीरता, सर्वोच्च बलिदान और अटूट जज़्बे को सम्मान दिया गया। इस दौरान एक वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से युद्ध की वीर गाथाओं को दिखाया गया। शनिवार शाम को कारगिल युद्ध स्मारक पर आयोजित होने वाली 'शौर्य संध्या' में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

जवानों को सम्मानित किया

'फॉरएवर इन ऑपरेशन्स डिवीजन' के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल अमित प्रकाश सिंह ने सेना के वरिष्ठ अधिकारियों, कारगिल युद्ध के पूर्व सैनिकों, वीर नारियों, वीर माताओं और सेवारत सैनिकों के साथ मिलकर इन बहादुरों को श्रद्धांजलि दी। कारगिल नायकों के परिजनों को सम्मानित किया गया। साहस, देशभक्ति और बलिदान से जुड़ी उनकी दिल को छू लेने वाली यादों ने वहाँ मौजूद सभी लोगों को भावुक कर दिया और कारगिल नायकों की गौरवशाली विरासत को फिर से रेखांकित किया।

कारगिल युद्ध स्मारक पर होगा कार्यक्रम

रविवार को कारगिल युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया जाएगा जहां बलिदान जवानों को पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। इसके बाद गौरव गाथा के माध्यम से भारतीय सेना के साहस, बलिदान और विजय की कहानी को याद किया जाएगा। बता दें, कारगिल विजय दिवस हर साल 26 जुलाई को 1999 के ऑपरेशन विजय की सफलता और कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर सैनिकों के सम्मान में मनाया जाता है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम देश के वीर जवानों के साहस, त्याग और राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण को श्रद्धांजलि देते हैं।

मोटरसाइकिल दल का शानदार प्रदर्शन

द्रास के विश्वनाथन स्टेडियम में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कारगिल युद्ध के वीर जवानों के बलिदान और साहस को श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में सेना, स्थानीय कलाकारों और छात्रों ने भाग लिया, जबकि हजारों लोगों ने वीर बलिदानियों को नमन किया। लद्दाख स्काउट्स रेजिमेंटल सेंटर बैंड की देशभक्ति प्रस्तुति और सेना के 'श्वेत अश्व' मोटरसाइकिल दल का शानदार प्रदर्शन मुख्य आकर्षण रहा।

खबर संक्षेप

सीरिया में दो बसों के बीच टक्कर, 35 की मौत

दमिश्क। सीरिया की राजधानी दमिश्क को पूर्वी प्रांत दीर अल जूर से जोड़ने वाले एक राजमार्ग पर दो

बसों के बीच टक्कर के कारण कम से कम 35 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक अधिकारी के हवाले से बताया कि यात्री बस और गृह मंत्रालय की बस के बीच हुई इस टक्कर में लगभग 30 लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि घटनास्थल पर जारी बचाव अभियान में सीरियाई सेना के हेलीकॉप्टरों की मदद ली जा रही है। दुर्घटना के कारण का अभी पता नहीं चल सका है।

यौन उत्पीड़न में आईसीसी के करीम खान हटाए गए

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के सदस्य देशों ने शुक्रवार को मुख्य

अभियोजक करीम खान को पद से हटाने के लिए मतदान किया। आईसीसी के 125 सदस्य देशों ने महिला सहायक से यौन उत्पीड़न के दोषी करीम खान को हटाया। यह पहला मौका है, जब किसी मुख्य अभियोजक को निकाला गया है। 56 वर्षीय खान ने आरोप का लगातार खंडन किया है। अदालत की निगरानी संस्था ने अपनी रिपोर्ट में खान को गंभीर दुराचार का दोषी पाया था।

मचैल माता यात्रा स्थगित 28 को फिर शुरू होगी

जम्मू। जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में हर वर्ष आयोजित होने वाली मचैल माता यात्रा को खराब मौसम

के कारण तीन दिन के लिए स्थगित कर दिया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि अब यह यात्रा 28 जुलाई से शुरू होगी लेकिन यह भी मौसम की अनुकूल स्थिति पर निर्भर करेगा। यात्रा को सुरक्षित और सुचारु रूप से संचालित करने के लिए जिला प्रशासन ने तय किया है कि श्रद्धालुओं को सुबह 5 बजे से शाम पांच बजे के बीच ही यात्रा करने की अनुमति होगी। प्रतिदिन अधिकतम 8,000 श्रद्धालुओं को ही यात्रा की अनुमति दी जाएगी।

ईरान की राजधानी तेहरान में मौजूद भारतीय दूतावास ने की घटना की पुष्टि

होर्मुज में एलपीजी टैंकर 'दिशा' पर हुआ मिसाइल हमला, 28 भारतीय सुरक्षित

हरिभूमि ब्यूरो ⏭नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया क्षेत्र में एक बार फिर से शुरू हुए युद्ध के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव काफी बढ़ गया है। इस बीच मोजाम्बिक के ध्वज वाले एक एलपीजी टैंकर 'दिशा' पर मिसाइल हमले की जानकारी सामने आई है। जिसमें यह पता चला है कि टैंकर में सवार चालक दल के सभी 28 भारतीय नागरिकों को किसी तरह का कोई नुकसान नहीं पहुंचा है और वह पूरी तरह से सुरक्षित हैं।

यह घटना बीते शुक्रवार को जलडमरूमध्य के पास ईरान के जलक्षेत्र में हुई थी। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि वह घटना के तुरंत बाद से स्थानीय ईरानी अधिकारियों के संपर्क में बने हुए हैं। यहां बता दें कि अमेरिका-इजरायल द्वारा इस साल 28 फरवरी को ईरान पर किए गए हमले के बाद इस युद्ध की शुरुआत हुई थी। जो बीच में ही टूट गया और फिर एक बार से यह युद्ध भड़क गया है। विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने आसियान के मंच से जोर देते हुए कहा था कि समुद्री इलाकों में नाविकों, जहाजरानी और बुनियादी ढांचों पर हमलों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

संवाद-कूटनीति से निकले समाधान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस संघर्ष के बीच कई मौकों पर पश्चिम-एशिया के अलावा खाड़ी क्षेत्र के कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ हुई बातचीत में साफ शब्दों में भारत का इस मामले पर बना हुआ पक्ष साझा करते हुए कहा है कि पश्चिम-एशिया सहित दुनिया के कई भागों में जारी संघर्षों का समाधान बातचीत और कूटनीति के माध्यम से ही निकाला जाना चाहिए। जिसमें सभी भागीदार पक्षों की भूमिका होनी चाहिए। रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर पीएम मोदी का यह कहना रहा है कि विवादों का समाधान युद्धक्षेत्र में नहीं निकाला जा सकता है। वार्ता और कूटनीति ही इनका एकमात्र हल हो सकता है। महिलाओं और बच्चों को निशाना बनाया जाना किसी भी सूरत में उचित नहीं है।

संवाद-कूटनीति से निकले समाधान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस संघर्ष के बीच कई मौकों पर पश्चिम-एशिया के अलावा खाड़ी क्षेत्र के कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ हुई बातचीत में साफ शब्दों में भारत का इस मामले पर बना हुआ पक्ष साझा करते हुए कहा है कि पश्चिम-एशिया सहित दुनिया के कई भागों में जारी संघर्षों का समाधान बातचीत और कूटनीति के माध्यम से ही निकाला जाना चाहिए। जिसमें सभी भागीदार पक्षों की भूमिका होनी चाहिए। रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर पीएम मोदी का यह कहना रहा है कि विवादों का समाधान युद्धक्षेत्र में नहीं निकाला जा सकता है। वार्ता और कूटनीति ही इनका एकमात्र हल हो सकता है। महिलाओं और बच्चों को निशाना बनाया जाना किसी भी सूरत में उचित नहीं है।

नाविकों, जहाजों पर हमले बर्दाश्त नहीं

दिशा जहाज पर हमले की यह जानकारी एक ऐसे समय में सामने आई है। जब हाल ही में विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने आसियान के मंच से जोर देते हुए कहा था कि समुद्री इलाकों में नाविकों, जहाजरानी और बुनियादी ढांचों पर हमलों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग पूरी तरह से सुरक्षित और नौवहन आवाजाही की स्वतंत्रता को समेटे हुए होने चाहिए। जिससे इन इलाकों से गुजरने वाले जहाजों को बिना किसी बाधा के आवागमन का अवसर मिल सके।

जहाज पर हुए हमले में 1 भारतीय की मौत

वहीं, एक अन्य मामले में विदेश मंत्रालय ने बीते 24 जुलाई को एक बयान जारी कर बताया कि इसी महीने की 18 तारीख को एमवी 'ओएमओआरएफआई' नामक एक वाणिज्यिक पोत पर काला सागर से गुजरते वक्त रूस के प्रादेशिक जलक्षेत्र में हुए हमले में 1 भारतीय नागरिक की मृत्यु हो गई है। जिस वक्त यह हादसा हुआ। उस दौरान जहाज में सवार चालक दल के 10 सदस्यों में 3 भारतीय थे। जिनमें से एक की मौत हो गई है। जबकि दो अन्य सुरक्षित हैं। मंत्रालय ने दुख की इस घड़ी में मृतक के शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी ओर से गहन संवेदनाएं व्यक्त की हैं। इसके अलावा जहाज में सवार 2 अन्य भारतीयों को सुरक्षित बताया गया है।

प्रभावित परिवारों को देते सहायता

जहाज पर हमले की सूचना मिलते ही रूस में मौजूद भारतीय दूतावास ने मामले से जुड़े हुए रूस के अधिकारियों से संपर्क स्थापित किया है। प्रभावित परिवारों को हर प्रकार से सहायता प्रदान करने की कोशिश की जा रही है।

जहाजों पर हमले की निंदा की

वैश्विक जलक्षेत्रों में वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाने की तमाम घटनाओं और बेकसूर चालक दल के सदस्यों के जीवन को खतरे में डालने की भारत ने कड़ी निंदा की है। नई दिल्ली की तरफ से इस बात को लेकर भी चिंता व्यक्त की गई थी कि समुद्री नौवहन की स्वतंत्रता तथा अंतरराष्ट्रीय व्यापार निरंतर रूप से बढ़ते खतरों का सामना कर रहे हैं। भागीदार पक्षों से भारत ने यह अपील भी की है।

दमन, दादरा-नगर हवेली गुजरात में आई भीषण बाढ

राहत बचाव अभियान चला कर तटरक्षकबल ने बचाए 170 लोग

हरिभूमि ब्यूरो ⏭नई दिल्ली

मानसून के सीजन में दमन, दादरा-नगर हवेली और दक्षिण गुजरात में आई भंयकर बाढ़ के बीच तटरक्षकबल द्वारा बड़े पैमाने पर चलाए गए राहत-बचाव अभियान के जरिए कुल 170 लोगों को सुरक्षित बचाया गया है। समूचे इलाके में बल ने कुल 11 अभियान चलाए। जिन्हें प्रतिकूल मौसम, पानी की तेज धाराओं और खतरनाक परिचालन परिस्थितियों के बीच अपने कर्मियों और हेलीकॉप्टरों, नौकाओं व अन्य जरूरी सामग्री की मदद से सफलता के साथ पूरा किया गया। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि बचाव अभियान की वास्तविक रूप में शुरुआत 22-23 जुलाई की रात को हुई थी। जिसमें खानवेल और सिलवासा जैसे इलाकों में फंसे हुए 5 लोगों को सुरक्षित बचाया गया। फिर कदैय्या तटीय क्षेत्र में बाढ़ से प्रभावित नदी के किनारे मुश्किल हालात में फंसे हुए 3 मछुआरों को तटरक्षकबल ने सुरक्षित बाहर निकाला।

सड़क संपर्क टूटा, फिर भी बचाए 60 लोग: तटरक्षकबल द्वारा चलाए गए सबसे बड़े बचाव-राहत अभियान में से एक वेल्सपन औद्योगिक क्षेत्र में चलाया गया। जहां कुल 60 लोग फंसे हुए थे।

अभियान में बचायी गई गर्भवती महिला

मंत्रालय ने बताया कि तटरक्षकबल ने बाढ़ के दौरान जिन अलग-अलग इलाकों में अभियान चलाया। उनमें एयरो फाइबर प्राइवेट लिमिटेड के पास बाढ़ के पानी में फंसी एक बस से 7 लोगों को बचाया गया, वलसाड-पर्डी क्षेत्र से हेलीकॉप्टर की मदद से 4 लोगों को बचाया गया। जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज क्षेत्र से रात में 8 लोगों की निकासी की गई है। एक अन्य अभियान में अवध सोसाइटी क्षेत्र से 10 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है।

अभियान को लेकर प्रतिबद्ध तटरक्षकबल

बाढ़ की इस प्राकृतिक आपदा के बीच तटरक्षकबल ने स्थानीय और नागरिक प्रशासन को हर प्रकार से सहायता प्रदान करने को लेकर प्रतिबद्धता जताई है। साथ ही किसी भी तरह की आपात परिस्थिति पर तुरंत प्रतिक्रिया देने के लिए जरूरी तैयारी को बनाए रखने पर जोर दिया है। बचाव अभियान के दौरान बल ने अपने सेवा के आदर्श वाक्य 'वयम रक्षामः यानी हम रक्षा करते हैं' का जिक्र करते हुए कहा कि हमने इसे पूरी तरह से सार्थक किया है।

यूएस सांसदों ने जताया जासूसी का खतरा

एआई-रोबोटिक्स में चीन की बढ़त रोकने बिल पर सुनवाई

एजेंसी ⏭वॉशिंगटन

अमेरिका में रिपब्लिकन और डेमोक्रेट सांसदों के एक समूह ने इस सप्ताह एक ऐसे विधेयक को आगे बढ़ाया, जिसका उद्देश्य चीन में निर्मित मानव जैसे और चार पैरों वाले रोबोट को अमेरिका के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे का हिस्सा बनने से रोकना है। समिति के अध्यक्ष ब्रेट गुथरी ने कहा कि सीनेटरों ने चेतावनी दी कि बीजिंग उसी रणनीति का इस्तेमाल कर रहा है, जिसका सहारा लेकर उसने वैश्विक ड्रोन बाजार में अपना दबदबा बनाया था। इंटरनेट से जुड़े ऐसे चीनी रोबोट का इस्तेमाल भविष्य में जासूसी और महत्वपूर्ण प्रणालियों को नुकसान

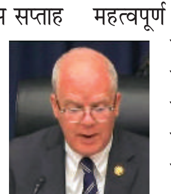

पहुंचाने के लिए किया जा सकता है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की एनर्जी एंड कॉमर्स कमेटी की कम्युनिकेशंस एंड टेक्नोलॉजी सब कमेटी में 'गार्ड एक्ट' नाम के इस प्रस्तावित विधेयक पर सुनवाई हुई। इस दौरान संचार सुरक्षा, एआई, ब्रॉडबैंड विस्तार और अवैध रोबोकॉल से जुड़े कई विधेयकों पर भी चर्चा की।

पीएम मोदी और सीएम योगी ने जताया गर्व

यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल हुआ 'सारनाथ'

एजेंसी ⏭नई दिल्ली

यूपी के ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व वाले सारनाथ के प्राचीन बौद्ध स्थल को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कर लिया गया है। इस उपलब्धि पर पीएम नरेंद्र मोदी, सीएम योगी आदित्यनाथ और उपराष्ट्रपति ने इसे पूरे देश के लिए गर्व का क्षण बताया है।

यूनेस्को ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए घोषणा की कि भारत के प्राचीन बौद्ध स्थल सारनाथ को आधिकारिक रूप से विश्व धरोहर सूची में शामिल किया

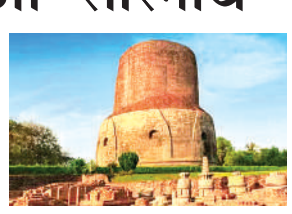

गया है। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सारनाथ का यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल होना प्रत्येक भारतीय के लिए अत्यंत गर्व का क्षण है। वहीं, पीएम नरेंद्र मोदी ने यूनेस्को की घोषणा पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है।

भारत-तंजानिया के बीच हुई बातचीत

व्यापार, निवेश, रक्षा में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर बनी सहमति

एजेंसी ⏭नई दिल्ली

भारत और तंजानिया ने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से व्यापार, निवेश, रक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और विकास सहयोग सहित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। दार एस सलाम में आयोजित विदेश कार्यालय परामर्श के दौरान दोनों देशों ने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि भारत और तंजानिया के बीच विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) 22 जुलाई 2026 को तंजानिया के दार एस सलाम में

आयोजित किया गया। बैठक की सह-अध्यक्षता भारत के विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव जनेश काइन और तंजानिया के विदेश मामलों एवं पूर्वी अफ्रीकी सहयोग मंत्रालय के एशिया एवं ऑस्ट्रेलिया विभाग की निदेशक फेलिस्टर रुगाम्बवा ने की। प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख काइन ने तंजानिया के विदेश मामलों एवं पूर्वी अफ्रीकी सहयोग मंत्रालय के स्थायी सचिव राजदूत डॉ. सैमवेल विलियम शेलुकिंडो से भी मुलाकात की।

रक्षा समिति की बैठक जल्द होगी

विदेश मंत्रालय के अनुसार, बैठक में दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों की व्यापक समीक्षा की। व्यापार एवं निवेश, विकास सहयोग, रक्षा एवं सुरक्षा, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, कृषि, स्वास्थ्य, संस्कृति तथा लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने पर विचार-विमर्श हुआ। दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से संयुक्त आयोग बैठक और संयुक्त रक्षा सहयोग समिति की बैठक जल्द आयोजित करने पर सहमति व्यक्त की।

भारत ने नहीं किया चीन की संप्रभुता का उल्लंघन, 1963 से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख में अवैध कब्जा जमाए बैठा ड्रैगन

पाकिस्तान का आरोप: भारत ने जानबूझकर चिनाब नदी का पानी छोड़ा

भारत की वजह से नहीं आई पाकिस्तान में बाढ़, निराधार हैं दुश्मन देश द्वारा लगाए गए सभी आरोप : जायसवाल

हरिभूमि ब्यूरो ⏭नई दिल्ली

भारत ने पाकिस्तानी मीडिया द्वारा उनके देश में बाढ़ के हालात उत्पन्न करने को लेकर नई दिल्ली पर लगाए जा रहे तमाम आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। यहां राजधानी में हुई साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में पूछे गए प्रश्नों के जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पाकिस्तान के मीडिया का यह आरोप कि भारत ने जानबूझकर चिनाब नदी के पानी को छोड़कर उनके देश में बाढ़ के हालात पैदा किए हैं। पूरी तरह से गलत और निराधार हैं। हकीकत यह है कि

बीते 20 से 23 जुलाई तक जम्मू और उसके आसपास के इलाकों में मानसून सीजन के दौरान हुई भारी बारिश की वजह से चिनाब नदी का जलस्तर बढ़ा है। जो कि पाकिस्तान में आई बाढ़ की असली वजह भी है।

पाक ने खुद जारी की थी चेतावनी

जायसवाल ने कहा कि यहां ध्यान देने वाली एक बात यह भी है कि पाकिस्तान के लाहौर स्थित बाढ़ पूर्वानुमान विभाग ने भी 22 जुलाई को जारी की गई अपनी बाढ़ चेतावनी में चिनाब नदी में आई बाढ़ का कारण नदी के ऊपरी जलक्षेत्र में हुई भारी बारिश को ही बताया था। चेतावनी में यह भी कहा गया था कि मराला में पानी का तेज बहाव बना रहेगा और बारिश कम होने पर यह धीरे धीरे घटेगा। इसलिए नदी में पानी का बढ़ना एक प्राकृतिक प्रक्रिया का नतीजा है। न कि भारत द्वारा जानबूझकर उठाए गए कदम की वजह से पाकिस्तान में बाढ़ जैसे हालात बने हैं। ऐसे में मामले को लेकर नदी के ऊपरी क्षेत्र से छेड़छाड़ करने की पाकिस्तान की कोशिश गलत और तकनीकी रूप से आधारहीन है। जो कि उसकी अपनी आधिकारिक चेतावनी के भी खिलाफ है।

जरूरत पड़ने पर देंगे जानकारी

रणधीर ने कहा कि जहां तक बाढ़ की चेतावनी का आरोप है। तो उस संबंध में मैं यह कहना चाहूंगा कि उस दौरान नदी का बहाव ऐसे असाधारण स्तर तक नहीं पहुंचा था। जिसके लिए कोई विशेष चेतावनी जारी करने की जरूरत पड़े। ऊपरी क्षेत्र में मानसून अपने नियमित क्रम के हिसाब से ही आगे बढ़ रहा था। जिसे पाकिस्तान के बाढ़ पूर्वानुमान अधिकारियों ने भी माना है। इसलिए यह कहना कि भारत ने पाकिस्तान से जानबूझकर बाढ़ की चेतावनी की जानकारी छिपाई। यह पूरी तरह से गलत और तथ्यों से परे है। पिछले साल की तरह ही इस बार भी जब भी ऐसी स्थिति आएगी। भारत आधिकारिक कूटनीतिक माध्यमों के जरिए पाकिस्तान के साथ बाढ़ के आंकड़े, जानकारी को साझा करता रहेगा।

हमारे इलाके में चल रही हैं चीनी परियोजनाएं

एक अन्य प्रश्न के जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि भारत ने किसी भी रूप में चीन की संप्रभुता का उल्लंघन नहीं किया है। यह चीन ही है, जिसने वर्ष 1963 से भारत के जम्मू-कश्मीर और लद्दाख क्षेत्र में भारतीय भूभाग पर अवैध ढंग से कब्जा किया हुआ है। उन्होंने केंद्र-शासित प्रदेश में जारी चीन की कुछ परियोजनाओं को लेकर भी आपत्ति जताते हुए कहा कि यह हमारे इलाके में चल रही परियोजनाएं हैं। साथ ही यह भी कहा कि विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने हाल ही में कहा था कि जब भी संप्रभुता की बात आती है। तो वास्तविक रूप से उसे भारत ही उठाता है। भारत ने कभी भी किसी भी तरह से चीन की संप्रभुता का उल्लंघन नहीं किया है। इस मामले पर हमेशा उसका रुख एक समान रहता है। उन्होंने बताया कि यह सब कुछ तब है। जब उक्त इलाकों पर खुद चीन भारत के आधिकारिक दावे को स्वीकार करता है यानी उसने इस संबंध में अपनी मान्यता दी हुई है।

हर मसले को धर्म से जोड़ना गलत

बीते दिनों आसियान के मंच से भारत के खिलाफ की गई पाकिस्तान की टिप्पणी को लेकर पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में रणधीर जायसवाल ने कहा कि पड़ोसी दुश्मन देश का इस मामले पर दिया गया बयान हमने भी देखा है। जिसमें फितना अल हिंदुस्तान का उल्लेख किया गया है।

लेकिन भारत का इसे लेकर स्पष्ट रूप से यह मानना है कि पाकिस्तान की कोशिश किसी भी तरह से हर चीज को एक धार्मिक अमलीजामा पहनाकर भारत के खिलाफ प्रोपेगेंडा करने की रहती है। जहां तक सिंधु जल संधि का मामला है तो यह आज तक स्थगित है। पाकिस्तान जब तक सीमापार आतंकवाद को अपना समर्थन देना बंद नहीं करेगा। तब तक यह संधि स्थगित ही रहेगी।

आषाढ़ बीतने वाला है, सावन का महीना शुरू होने वाला है। रिमझिम फुहारों से भीगी हरी-भरी प्रकृति और मन को प्रफुल्लित करने का यह मौसम हमें आमंत्रित करता है कि आइए, एक बार फिर अपने बचपन में लौट जाएं। बारिश की फुहारों में तन मन को भिगो लें, अपनों के संग यादगार पल बिता लें, उनके साथ झूम लें। यकीन मानिए, ये पल आप कभी नहीं भूल पाएंगे।

आइए, फिर बन जाएं बच्चे

रिमझिम बारिश का लें जी भर मजा

कवर स्टोरी

शिखर चंद जैन

आधुनिक भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी में अगर बारिश के मौसम का असली आनंद लेना है, तो हमें अपने भीतर के बचपन को फिर से जगाना होगा। यानी आने वाले सावन-भादो के दिनों का मजा लेने के लिए बन जाएं बच्चे, थोड़े से अक्ल के कच्चे। तर्क, समझदारी और दुनियादारी के बोझ को किनारे रखकर, एक बच्चे जैसी मासूमियत और बेफिक्री से इस मौसम को जीना सीख लें तो पूरे साल जीवन ऊर्जा से लबरेज रह सकते हैं।

समेट लें हर बूंद: बारिश के ये भीगे-भीगे दिन साल में एक बार आते हैं और हमें यह संदेश देते हैं कि जिंदगी सिर्फ काम करने, पैसे कमाने और जिम्मेदारियां निभाने का नाम ही नहीं है। इस मौसम के बहाने प्रकृति हमें खुलकर हंसने, भीगने और गाने का न्यौता देती है। इसलिए इन दिनों में अपनी सारी 'अक्लमंदी' को कुछ दिनों के लिए आराम करने भेज दीजिए। दिल से पूरी तरह 'बच्चे' बनिए और सावन-भादो की हर एक बूंद को अपने भीतर समेट लीजिए। क्योंकि समझदारी में भले ही सुरक्षा हो, पर असली आनंद तो बेफिक्री की मासूमियत में ही मिलती है।

तर्क छोड़ लें आनंद: बड़े होने पर हम हर चीज में नफा-नुकसान, सही-गलत और लॉजिक ढूंढ़ने लगते हैं। बारिश का यह मौसम तर्क का नहीं, बल्कि अहसास का उत्सव है। जब आसमान से बूंदें गिरती हैं, तो एक समझदार व्यक्ति कपड़े भीगने या बीमार पड़ने के डर से छतरी तान लेता है। इसके विपरीत, मासूम बच्चे बिना किसी बचाव के बारिश की बूंदों का मजा लेने लगते हैं। बारिश का असली मजा लेने के लिए पहली शर्त यही है कि हम कुछ समय के लिए अपनी प्रौढ़ उम्र की समझदारी को भूलकर प्रकृति के इस उपहार को स्वीकार करें।

भीगने का बेबाक उल्लास: छत पर जाकर या सड़कों पर बाहें फैलाकर आसमान से गिरती बूंदों को अपने चेहरे पर महसूस करना एक थेरेपी की तरह है। जब आप 'बच्चे' बन जाते हैं, तो आपको इस बात की परवाह नहीं होती कि लोग क्या कहेंगे या आपके जूते खराब हो जाएंगे। बारिश का पानी हमारे तन के साथ-साथ मन के तनाव को भी धो देता है। यह बेफिक्री ही बारिश को खास बनाती है।

कागज की कश्ती से दोस्ती: 'वो कागज की कश्ती, वो बारिश का पानी।' मशहूर शायर सुदर्शन फाकिर द्वारा लिखी यह बेहद खूबसूरत नज्म वर्षा ऋतु से जुड़ी यादों को सामने ले आती है। बचपन में घंटों बैठकर रंग-बिरंगे कागजों से नाव बनाना और उन्हें बहते पानी में छोड़ना एक अलग ही रोमांच देता था। जब नाव किसी बाधा को पार कर आगे निकल जाती, तो मन खुशी से झूम उठता था। क्यों न एक बार फिर बच्चा बनकर कागज की कश्ती को बहते पानी में बहाएं। महसूस करें कि छोटी-छोटी चीजों में कितनी बड़ी खुशियां छिपी होती हैं!

नहीं भूलेगी सोंधी महक: तपती गर्मी के बाद जब बारिश की पहली फुहार सूखी धरती पर पड़ती है, तो उससे उठने वाली सोंधी महक आत्मा को तृप्त कर देती है। बारिश में भीगते, मिट्टी में खेलने के दौरान बच्चे इस सोंधी महक से भी जुड़ जाते हैं। आज कंक्रीट के जंगलों और 'स्क्रीन टाइम' के दौर में, बारिश हमें वापस मिट्टी की ओर खींचता है। बिना चप्पल पहने हरी घास और गीली मिट्टी पर चलकर देखिए, यह अनुभूति आप भूल नहीं पाएंगे।

झूले पर पींग बढ़ाने का रोमांच: सावन-भादो के मौसम में पुराने समय में बाग-बगीचों में पेड़ों की डालियों पर रस्सियों के झूले डाले जाते थे। किशोरियां और महिलाएं मिलकर लोकगीत गाती थीं और आसमान छूने की होड़ में पींग बढ़ाती थीं। हवा के झोंकों के साथ ऊपर जाना और फिर तेजी से नीचे आना, दिल की धड़कनों को बढ़ा देता था। आज भले ही वो बाग कम हो गए हों, लेकिन किसी पार्क में या घर की बालकनी में एक छोटा-सा झूला डालकर भीगी हवाओं का आनंद लिया ही जा सकता है। इससे हमारे भीतर का बाल-मन जीवंत हो उठेगा।

फायदेमंद है अक्ल का कच्चापन: 'अक्ल का कच्चा' होने का मतलब मूर्ख होना नहीं, बल्कि 'ओवरथिंकिंग' से मुक्त होना है। बारिश की बूंदें हमसे कहती हैं कि इस पल में जियो। जैसे बच्चे को कल की चिंता नहीं होती, वैसे ही कुछ घंटों के लिए अपनी अक्ल और चिंताओं को ताले में बंद कर देना ही आनंद मार्ग का दरवाजा खोलता है।

लजीज पकवानों का लें मजा: रसोई से घेवर, मालपुए, मूंगदाल के चीले, गरमा-गरम पकोड़े और अदरक वाली चाय की खुशबू, बारिश के मौसम का लुत्फ और बढ़ा देती है। अगर आप समझदार बने रहेंगे तो हमेशा कैलोरी, डाइट और फैट के हिसाब-किताब में उलझे रहेंगे। लेकिन बारिश का मजा तो तब आएगा, जब आप बच्चे की तरह बिना किसी गिल्ट के लजीज व्यंजनों का स्वाद लेंगे।

हरियाली को निहारने का सुख: एक बच्चा प्रकृति के इस बदलाव को बड़े कौतूहल से देखता है। पत्तियों पर अटकी बूंदें, रेंगते हुए छोटे कीट और इंद्रधनुष उसे मोहित कर देते हैं। जब हम एक बच्चे की विस्मय भरी नजरों से इस हरियाली को देखते हैं, तो हमें भी हर शय आकर्षक लगने लगती है। *

गीत-संगीत के संग थिरकन

बारिश सिर्फ देखने या छूने का नहीं, बल्कि सुनने का भी मौसम है। बादलों की गड़गड़ाहट, मेंढकों की टर्र-टर्र, झींगुरों की आवाज और पत्तियों पर गिरती बूंदों का अपना एक संगीत होता है। इसके साथ ही, लोकगीतों और कजरी की परंपरा इस मौसम को संगीतमय बनाती है। कुछ पल के लिए जब आप बच्चे बनते हैं, तो झिझक छोड़कर संगीत की धुन पर अपने परिजन या दोस्तों के संग झूम उठते हैं। बारिश के गानों पर जी भर झूमना या नाचना, मन के भीतर दबे हुए सारे गुबार को बाहर निकाल देता है।

संगीत-कला-मनोरंजन के साथ

सुधरे स्वास्थ्य-बढ़े आयु

अगर आप लंबे समय तक स्वस्थ रहना चाहते हैं, अपनी मेमोरी, सुकून और आयु बढ़ाना चाहते हैं तो अपनी व्यस्त दिनचर्या में से कुछ समय अपने मनोरंजन के लिए निकालिए। कला और संगीत का जीवन पर कैसा सकारात्मक असर पड़ता है, इसका खुलासा हाल में एक स्टडी में हुआ है।

लाइफस्टाइल

अंजू जैन

अगली बार जब आप अपने साप्ताहिक बजट या वीकेंड की योजना बनाएं, तो उसमें केवल मॉल जाने या रेस्टोरेंट में खाना खाने का कार्यक्रम न रखें, बल्कि किसी स्थानीय कला प्रदर्शनी का टिकट लें, किसी नाटक के दर्शक बनें या लाइव संगीत की महफिल का हिस्सा बनें। इससे आपके स्वास्थ्य और जीवन पर सकारात्मक असर पड़ेगा।

क्या कहती है स्टडी: वैज्ञानिकों द्वारा किया गया अध्ययन इस बात का पुख्ता प्रमाण है कि कला कोई विलासिता नहीं, बल्कि दीर्घायु और स्वस्थ जीवन के लिए एक अनिवार्य आवश्यकता है। जाहिर है, कला पर खर्च किया गया आपका समय और पैसा केवल मनोरंजन पर नहीं, बल्कि आपके जीवन के कीमती और स्वस्थ वर्षों को बढ़ाने पर निवेश है। सीधी-सी बात है कि कला से जुड़िए और लंबी उम्र पाइए।

स्टडी का तरीका: जापान के नेशनल सेंटर फॉर जेरियाट्रिक्स एंड जेरोंटोलॉजी और यूके के शोधकर्ताओं ने लगभग 10 से अधिक वर्षों तक हजारों वयस्कों के जीवन चक्र और उनकी सांस्कृतिक आदतों का विश्लेषण किया। वैज्ञानिकों ने डीएनए प्रणालियों और कोशिकाओं के बूढ़े होने की गति को मापा। इस शोध से जो बातें सामने आईं, उनसे यह साबित हुआ है कि सिनेमा, संगीत कार्यक्रम और कला प्रदर्शनियों में भाग लेने से इंसान की जैविक उम्र बढ़ने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है। नियमित रूप से सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय रहने वाले लोगों की उम्र न केवल लंबी होती है, बल्कि उनका मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य भी काफी बेहतर रहता है। इस शोध में शामिल वैज्ञानिकों ने पाया कि जो लोग सप्ताह में कम से कम एक बार किसी सांस्कृतिक गतिविधि (जैसे फिल्म, नाटक या संगीत) का हिस्सा बनते हैं, उनकी जैविक उम्र न जाने वालों की तुलना में लगभग एक वर्ष कम पाई गई। कलात्मक गतिविधियों में सक्रियता से शरीर के बूढ़े होने की वार्षिक दर में करीब 4 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई है। जापान दुनिया में सबसे अधिक औसत आयु वाले देशों में शीर्ष पर है, जिसका एक बड़ा कारण वहां की जीवनशैली है। जब बुजुर्ग या वयस्क किसी पेंटिंग, प्रदर्शनी या लाइव कॉन्सर्ट में जाते हैं, तो उन्हें न केवल मानसिक संतोष मिलता है, बल्कि वे समाज के अन्य लोगों से भी जुड़ते हैं।

व्यायाम जैसा प्रभाव: वैज्ञानिकों का मानना है कि नियमित रूप से कला दीर्घाओं या संगीत समारोहों में जाना शरीर पर उतना ही सकारात्मक जैविक प्रभाव डालता है, जितना कि नियमित व्यायाम करना या धूम्रपान/शराब जैसी लत को छोड़ना।

शारीरिक-मानसिक तंत्र पर प्रभाव: यह शोध केवल सतही आंकड़ों पर आधारित नहीं है, बल्कि इसके पीछे गहरा न्यूरोलॉजिकल और बायोलॉजिकल विज्ञान काम करता है। जब हम किसी मूवी, म्यूजिक कंसर्ट या आर्ट एग्जीबिशन का हिस्सा बनते हैं, तो हमारे शरीर में कई बदलाव होते हैं। जैसे- कलात्मक माहौल में समय बिताने से मस्तिष्क में तनाव पैदा करने वाले हार्मोन 'कोर्टिसोल' का स्तर तुरंत गिर जाता है। इससे हृदय स्वास्थ्य बेहतर होता है और असमय आने वाले हार्ट अटैक का खतरा कम होता है। म्यूजिक कंसर्ट की धुनें या किसी फिल्म की सम्मोहक कहानी हमारे मस्तिष्क में डोपामाइन, ऑक्सीटोसिन और एंडोर्फिन जैसे न्यूरोट्रांसमीटर को रिलीज करती हैं। ये हार्मोन दर्द कम करते हैं, मूड बेहतर बनाते हैं और शरीर में हीलिंग की प्रक्रिया को तेज करते हैं। उम्र बढ़ने और अंगों के खराब होने का बड़ा कारण शरीर के अंदरूनी हिस्सों में होने वाली सूजन है। जो लोग कलात्मक अभिव्यक्तियों से जुड़े, उनके शरीर में 'साइटोकिंस' (सूजन बढ़ाने वाले प्रोटीन) का स्तर कम पाया गया, जिससे इम्यून सिस्टम मजबूत बना रहता है।

अकेलापन वृद्ध अवस्था में एक साइलेंट किलर की तरह काम करता है। थिएटर और कंसर्ट हॉल जैसे सार्वजनिक स्थान लोगों को एक साझा मंच प्रदान करते हैं, जिससे सामाजिक अलगाव खत्म होता है और जीवन जीने की इच्छा मजबूत होती है। *

गीत

प्रो. शरद नारायण खरे

बरखा की बहार

ताल-तलैयां रीत गए थे नदियां भी थीं सूखी।
बुझा-बुझा मन रहता था और काया भी थी रूखी।।
बरखा की बूंदों से पर अब, मिला खुशी का खत है।
बहुत दिनों के बाद सभी की खिली-खिली तबियत है।।
कंठ शुष्क थे, जी घुटता था, बेचैनी मुस्काती।
सारा आलम व्यथित हुआ था, सांसें भी थम जाती
हरियाली धरती पर बिखरी, लगता सुखद सतत है।
बहुत दिनों के बाद सभी की खिली-खिली तबियत है।।
स्वेद बहा करता था निशिदिन पर अब जल साथी है।
आसमान से अमिय बरसता, हर शय अब गाती है।।
मौसम तो मनभावन लगता, हर पल उल्लासित है
बहुत दिनों के बाद सभी की, खिली-खिली तबियत है।।
बूंदें लाईं नवल संदेशे, अमन-चैन के मेले।
बच्चे नाव चलाते जल में, लिए हर्ष के रेले।।
जीवन को नवरूप मिला, कृषक हुआ आनंदित है।
बहुत दिनों के बाद सभी की खिली-खिली तबियत है।।

लघुकथा / संजय मृदुल

गुरु दक्षिणा

रमा ने दरवाजा खोला तो सामने एक नौजवान खड़ा था। असमंजस से डूबे हुए स्वर में रमा ने पूछा, 'जी कहिए, किससे मिलना है आपको?'

'अरे रमा आंटी! पहचाना नहीं मैं हूं रिंटू! कई साल पहले यहीं आपके पड़ोस में रहते थे ना हम।' कहकर रिंटू चुप हो गया।

'अरे हां, रिंटू! इतने सालों बाद तुम्हें यूं देखकर थोड़ी हैरान हो गई थी मैं।' रमा को याद आया तो मुस्कुराते हुए उसका हाथ पकड़ भीतर ले आई। रमा अतीत को याद करने लगी। रिंटू के पिता सरकारी कर्मचारी थे। कई साल पहले ट्रांसफर से यहां पड़ोस में रहने आए थे। दो तीन साल रहकर फिर और किसी शहर में चले गए थे।

'तुम अचानक यहां कैसे बेटा? और तुम्हे हम, ये घर याद था अब तक?' रमा ने रिंटू से प्रश्न किया। 'जी आंटी! मेरी बैंक में नौकरी लगी है और पहली पोस्टिंग इसी शहर में मिली है। कुछ दिन पहले ही आया हूं यहां। मां ने याद दिलाया कि आपसे जरूर मिलना। वैसे भी आंटी, भूलने का तो सवाल ही नहीं उठता आपको। आपकी वजह से तो आज मैं यहां तक पहुंचा हूं। आप की दी हुई सीख भूल चुका होता तो पापा की तरह शराबी, जुआरी हो गया होता।'

रमा को बिसरा हुआ सब याद आने लगा। रिंटू के पिता आदतन शराबी थे। करेला और नीम चढ़ा यह कि जुए का भी जबरदस्त नशा था। आए दिन घर पर महाभारत होता। रिंटू की मां भी परिस्थितियों के कारण गुस्सैल हो गई थी। रोज-रोज की मारपीट, झगड़े ने रिंटू का बचपन छीन लिया था। जैसे ही शाम होती वो भागकर रमा के घर आ जाता। जब तक उसके पिता की आवाज आनी बंद नहीं होती, तब तक उन्हीं के पास दुबका रहता। रमा को भी उस नन्हे बच्चे पर तरस आता। उसे खाने को देती, पढ़ाती, नई बातें सिखाती।

'क्या सोचने लगी आंटी? मैं आपसे ही मिलने आया हूं। आज गुरु पूर्णिमा भी है तो और कभी इससे शुभ मुहूर्त नहीं मिलता आपसे मिलने आपका आशीर्वाद लेने का।' रिंटू की बात सुनकर रमा वर्तमान में लौट आई। रिंटू को इस तरह खुश और विश्वास से भरा हुआ देखकर उसे अच्छा लग रहा था।

'घर में सब कैसे हैं रिंटू?' रमा ने रिंटू से पूछा। 'सब कौन आंटी? मैं और मां ही हैं। पापा तो कुछ साल पहले चल बसे। उनकी जगह मां को नौकरी मिल गई।' कुछ ठहरकर रिंटू फिर बोला, 'याद है आंटी, जब मैं रोज आपके यहां आकर छुपता था, आप कितना समझाती थीं मुझे। जब हम शहर छोड़कर जाने वाले थे आपने एक बात कही थी उसी बात ने मुझे आज यह मुकाम दिया है।'

'ऐसा क्या कहा था मैंने? मुझे तो याद नहीं।' रमा ने सवाल किया।

'हमारे घर की हालत तो आपको याद होगी। जब हम शहर छोड़कर जाने वाले थे, तब आपने मुझसे कहा था- रिंटू! कमल केवल कीचड़ में ही खिलता है। तुम्हारे घर के हालात कितने भी खराब हों तुम कभी अपने पापा की तरह बनने की सोचना भी मत। हमेशा सोचना कि कैसे इनके तरह ना बनूं? खूब पढ़ना, मेहनत करना, अपनी मां को सारी खुशियां देना। देखना एक दिन तुम्हारे पापा भी समझ जाएंगे सुधर जाएंगे। बस सब्र रखना। ...और आंटी जी, मैंने आपकी बात को गांठ बांध लिया। जितनी भी मुश्किल आई, हार नहीं माना। घर में जितना भी माहौल खराब रहा, मां को समझाता रहा कि एक दिन सब अच्छा हो जाएगा। और देखिए आज मैं एक अच्छी नौकरी पर हूं। बस दुःख यही है कि पापा नहीं है। उन्हें भी खुशी तो होती आज।' रिंटू भावुक हो गया। 'बिल्कुल होती बेटा। कौन सा बाप बेटे की सफलता पर खुश नहीं होता। भले ही उन्होंने कितने गलत काम किए...' रमा बोली। 'जी आंटी। आपने जो भी सिखाया था उसी का यह परिणाम है।' कहते हुए रिंटू ने अपने बैग में से कुछ सामान निकाला, 'ये मेरी तरफ से कुछ भेंट है, मेरी तरफ से गुरु दक्षिणा मान कर स्वीकार कर लीजिए।' रमा की आंखों में आंसू झिलमिला उठे। स्नेह से रिंटू के सिर पर हाथ फेरा। वाकई कीचड़ में कमल खिलते देख लिया था उसने। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

समय-समाज की कहानियां

गत वर्ष दिवंगत हुए प्रखर कथाकार अवधेश प्रीत की नई कहानियों के संग्रह 'मिनी और अन्य कहानियां' में बारह कहानियां संकलित हैं। इन कहानियों में जहां एक ओर लेखक की वह गहन दृष्टि नजर आती है, जिससे वे अपने समय में होने वाले विचलन को लक्षित करते हैं, साथ ही राजनीतिक और सामाजिक सरोकारों को लेकर उनकी प्रतिबद्धता भी प्रकट होती है। शीर्षक कहानी 'मिनी' का फलक अत्यंत विस्तृत है, जिसमें मीडिया की भूमिका, लोगों के चारित्रिक क्षरण और स्त्री चेतना को स्वर दिया गया है। 'ये शरीफ लोग' कहानी हमारे समय की राजनीति और समाज के उस स्याह यथार्थ को सामने लाती है, जिसमें एक स्त्री भरपूर संकल्प के साथ संघर्ष के लिए कदम तो बढ़ाती है लेकिन लोगों के संबल के अभाव में हार मान लेती है। 'बारिश' कहानी आम इंसान के रोजमर्रा के खटराग और उसके अंतर्द्वंद्व को सामने लाती है। 'कॉफी' एक वृद्ध दंपती की भावनाओं और उनके अतीत की स्मृतियों को व्यक्त करती है तो 'उस मोड़ का अफसाना' अपने-अपने दांपत्य जीवन से आबद्ध दो सहेलियों के अतीत और वर्तमान प्रेम संबंध की कोमल-खुरदरी अनुभूतियों को पूरी भावुकता से स्वर देती है। पठनीयता से भरपूर और भाषा में स्थानीयता की सोंधी गंध लिए ये कहानियां, आत्मविवेचन के लिए भी प्रेरित करती हैं। *

किताब: मिनी और अन्य कहानियां(कहानी-संग्रह), **लेखक:** अवधेश प्रीत, **मूल्य:** 299 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

कॉमनवेल्थ गेम्स : बाउल्स में भारत की लगातार तीसरी जीत, रूपा-पिंकी का शानदार प्रदर्शन जारी

एजेंसी ▶▶| ग्लासगो

भारतीय महिला पेयर्स लॉन बाउल्स टीम ने कॉमनवेल्थ गेम्स सेक्शनल प्ले मैच में टोंगा की पेरिस बेकर और मिलिका नाथन की कड़ी चुनौती को पार करते हुए टाईब्रेक में मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस शानदार जीत में रूपा रानी टिर्की और पिंकी की अहम भूमिका निभाई। यह जीत महिलाओं के पेयर्स कॉम्पिटिशन में भारत की लगातार तीसरी जीत थी। इससे रूपा रानी टिर्की और पिंकी की सेक्शनल स्टैंडिंग में स्थिति और मजबूत हो गई। उन्होंने ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा।

भारतीय जोड़ी ने गंवाया पहला सेट

भारतीय जोड़ी ने पहला सेट गंवा दिया था। टोंगा ने पहला सेट जीत 1-0 की बढ़त बना ली थी। हालांकि, भारतीय जोड़ी ने दूसरे सेट में शानदार खेल के जरिए जवाब दिया। पिंकी ने रूपा रानी को गाइड किया और एक सटीक बाउल डाला जो जैक के करीब खत्म हुआ, जिससे भारत ने स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसी मोमेंटम को बनाए रखते हुए, भारतीय जोड़ी बाकी सेट पर नियंत्रण रखा और इसे 5-2 से अपने नाम कर लिया और एक और जीत के करीब पहुंच गए। जब मैच बराबरी पर था, उस समय भारतीय जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया। रूपा रानी ने तीन पक्की बॉल फेंकी, जिसने भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। फिर पिंकी ने बहुत ही सटीकता से काम पूरा किया, जिससे भारत ने 2-0 से टाईब्रेक जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। रूपा और पिंकी का अगला मैच रविवार को भारतीय समयानुसार दोपहर 1 बजे नामीबिया के खिलाफ होगा।

चाड ले क्लॉस ने बनाया रिकॉर्ड, जीता 19वां पदक

एजेंसी ▶▶| ग्लास्गो

दक्षिण अफ्रीका के तैराक चाड ले क्लॉस पुरुषों की चार गुणा 100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले में कांस्य पदक जीतकर राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में सबसे अधिक पदक जीतने वाले पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। ले क्लॉस ने राष्ट्रमंडल खेलों में 19वां पदक जीतकर ऑस्ट्रेलिया के निशानेबाज फिल एडम्स और इंग्लैंड के मिक गाल्ट को पीछे छोड़कर नया रिकॉर्ड बनाया।

इस 34 वर्षीय खिलाड़ी ने रिकॉर्ड बनाने के बाद कहा, 'भले ही मैंने कांस्य पदक जीता लेकिन यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है।' ले क्लॉस ने राष्ट्रमंडल खेलों में अभी तक सात स्वर्ण, चार रजत और आठ कांस्य पदक जीते हैं। वह अपनी इस संख्या को बढ़ा सकते हैं क्योंकि वह 50 और 100 मीटर बटरफ्लाई में भी अपनी चुनौती पेश करेंगे।

भारतीय तैराकों ने किया निराश

भारतीय तैराकों का राष्ट्रमंडल खेलों में प्रदर्शन निराशाजनक रहा, जिसमें धक्षन शशिकुमार और आर्यन नेहरा दोनों ही पुरुषों की 400 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर सके। शशिकुमार ने 'टोलक्रॉस स्विमिंग सेंटर' में आयोजित 400 मीटर फ्रीस्टाइल की हीट में 27 तैराकों के बीच 3:58.09 मिनट का समय लेकर 15वां जबकि आर्यन नेहरा ने 4:00.26 मिनट के साथ 16वां स्थान हासिल किया। तीसरी हीट में उतरे शशिकुमार ने प्रतियोगिता के मध्य तक सातवें स्थान पर पहुंचकर उम्मीद जगाई, लेकिन अंतिम चरण में अपनी बढ़त बरकरार नहीं रख सके और फाइनल में प्रवेश से वंचित रह गए। चौथी हीट में प्रतिस्पर्धा कर रहे आर्यन शुरुआत से ही पिछड़ गए। मध्य चरण में वह अंतिम स्थान पर थे और अंत तक उसी स्थान पर रहे, जिसके कारण वह भी फाइनल में जगह नहीं बना सके।

खबर संक्षेप

कट हासिल करने वाली एकमात्र भारतीय बनीं दीक्षा

डंडोनल्ड लिंक्स। दीक्षा डागर दूसरे दौर में वन ओवर 73 का कार्ड खेलकर महिला स्कॉटिश ओपन में कट हासिल करने वाली एकमात्र भारतीय रहीं। अब वह 74-73 के कार्ड के साथ तीन ओवर पर हैं और संयुक्त रूप से 35वें स्थान पर हैं। प्रणवी उर्स (84-71) 11-ओवर पर रहीं और कट से चूक गईं। अवनि प्रशांत (80-77) भी कट हासिल नहीं कर सकी। दीक्षा ने दूसरे, सातवें और 14वें होल पर बर्डी लगाई लेकिन तीसरे, छठे, 13वें और 15वें होल पर शॉट ड्रॉप भी किए। फिलहाल एलईटी 'ऑर्डर ऑफ मेरिट' में शीर्ष-10 में शामिल दीक्षा को अगले हफ्ते होने वाले एआईजी वुमेंस ओपन में जगह बनाने के लिए अच्छे नतीजे की जरूरत है।

सिंगापुर चैलेंजर स्क्वाश में भारतीय चुनौती समाप्त

सिंगापुर। ओम सेमवाल, संदेश रविकुमार और रतिका सीलान क्वार्टर फाइनल में हार के साथ पीएसए सिंगापुर चैलेंजर स्क्वाश टूर्नामेंट से बाहर हो गए। पुरुष एकल में चौथी वरीयता प्राप्त सेमवाल आठवें वरीय जेम्स पीच से हार गए। ब्रिटिश खिलाड़ी ने 7-11, 11-6, 7-11, 11-9, 11-7 से जीत हासिल की। पुरुष एकल के एक अन्य क्वार्टर फाइनल में रविकुमार को दक्षिण कोरिया के तीसरी वरीयता प्राप्त जियोंगमिन रियू से 9-11, 11-5, 7-11, 9-11 से हार का सामना करना पड़ा। महिला एकल में तीसरी वरीयता प्राप्त रतिका छठी वरीयता प्राप्त यू जी चेन से हार गईं। मलेशियाई खिलाड़ी ने 11-7, 12-10, 9-11, 11-0 से जीत दर्ज की।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलेंगे शकील

लाहौर। अनुभवी खिलाड़ी सऊद शकील को वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट और उसके बाद इंग्लैंड में होने वाली तीन टेस्ट मैचों श्रृंखला के लिए चोटिल अब्दुल्ला फजल की जगह पाकिस्तान की टीम में शामिल किया जा सकता है।

मई में बांग्लादेश में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले फजल शनिवार से तारौबा में वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच से पूर्व अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल हो गए थे। उनके पीठ के निचले हिस्से में चोट लगी है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा कि फजल को चोट से उबरने के लिए कुछ समय की जरूरत पड़ेगी। शकील को उनकी फिटनेस और फॉर्म को देखते हुए वेस्टइंडीज के दौरे के लिए टीम में नहीं चुना गया था।

भारत ने जीती सीरीज, ईशान और तिलक ने खेली आतिशी पारी

टीम इंडिया की जिम्बाब्वे के विरुद्ध दूसरी सबसे बड़ी जीत

जिम्बाब्वे को 90 रन से हराया

एजेंसी ▶▶| हरारे

ईशान किशन (81) और तिलक वर्मा (नाबाद 60) की आक्रामक अर्धशतकीय पारियों के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में जिम्बाब्वे को 90 रन से हराकर 3 मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली।

जिम्बाब्वे की पूरी टीम 17.5 ओवर में 129 रन पर सिमट गई। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 219 रन बनाए थे। यह टीम इंडिया की जिम्बाब्वे के विरुद्ध टी20 इतिहास में दूसरी सबसे बड़ी जीत है।

स्कोर बोर्ड

भारत	रन	गेंद	4	6
सूर्यवंशी का मुजरबानी बो नगारवा	20	9	3	1
अभिषेक का बर्ल बो मुजरबानी	08	8	2	0
ईशान का इवांस बो न्यामुरी	81	44	9	2
अय्यर का इवांस बो बेनेट	25	20	4	0
तिलक वर्मा नाबाद	60	29	5	3
रिंकू सिंह का बर्ल बो इवांस	12	8	0	1
शिवम दुबे नाबाद	06	3	1	0

अतिरिक्त: 07, कुल योग: 20 ओवर में 219/5 रन
गेंदबाजी: रजा 4-0-47-0, मुजरबानी 4-0-36-1 , नगारवा 3-0-43-1, इवांस 4-0-44-1, न्यामुरी 3-0-25-1, बेनेट 2-0-22-1

जिम्बाब्वे	रन	गेंद	4	6
बेनेट का किशन बो यश	32	19	3	3
कुरन का दुबे बो प्रिंस	01	5	0	0
डियोन मायर्स बो बिश्नोई	12	9	2	0
बर्ल का रिंकू बो तिलक	20	18	2	0
सिकंदर का किशन बो प्रिंस	00	3	0	0
मधेवेरे का अय्यर बो दुबे	02	3	0	0
मारुमनी बो यश	24	19	1	1
ब्रैंड इवांस बो अभिषेक	19	11	1	2
न्यामुरी बो अभिषेक	03	6	0	0
नगारवा का रिंकू बो अभिषेक	01	8	0	0
ब्लेसिंग मुजाराबानी नाबाद	07	6	1	0

अतिरिक्त: 08, कुल योग: 17.5 ओवर में 129/10 रन
गेंदबाजी: मयंक 3-0-25-0, यश ठाकुर 4-0-30-2, प्रिंस यादव 1.2-0-10-2, बिश्नोई 4-0-20-1, दुबे 1.4-0-13-1, तिलक 1-0-9-1, अभिषेक 2.5-0-17-3

इसी मैदान पर 2024 में 100 रन से जीता था भारत

भारत ने 7 जुलाई 2024 को इसी मैदान पर जिम्बाब्वे के खिलाफ 100 रन से जीत हासिल की थी। उस मुकाबले में भारत ने जिम्बाब्वे के सामने 235 रन का टारगेट रखा था, जिसके जवाब में मेजबान टीम 18.4 ओवरों में सिर्फ 134 रन पर सिमट गई थी। भारतीय टीम 26 फरवरी 2026 को इस देश के खिलाफ चेन्नई में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप मैच को 72 रनों के अंतर से जीती थी। वहीं, 6 नवंबर 2022 को भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 71 रन से मुकाबला अपने नाम किया था। 17 जुलाई 2015 को टीम इंडिया ने जिम्बाब्वे के विरुद्ध मैच 54 रन से जीता था।

टीम इंडिया ने बनाया रिकॉर्ड

भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में 5 विकेट खोकर 219 रन का स्कोर बनाया। टीम इंडिया ने एक कैलेंडर ईयर में 9वीं बार टी20 क्रिकेट में 200+ का आंकड़ा छुआ है। इसी के साथ भारत ने कैलेंडर ईयर में टी20 क्रिकेट के दौरान सबसे ज्यादा बार इस आंकड़े को छूने के मामले में अपने ही रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। इससे पहले, टीम इंडिया ने साल 2024 में 9 बार टी20 क्रिकेट में यह आंकड़ा छुआ था। साल 2023 में भारत ने 7 बार ऐसा किया। जापान (साल 2024) और ऑस्ट्रिया (साल 2025) की टीमें 7-7 बार ऐसा कर चुकी हैं। इंग्लैंड (साल 2022), साउथ अफ्रीका (साल 2022) और वेस्टइंडीज (साल 2024) ने ऐसा 6-6 बार किया।

अगले सप्ताह टीम इंडिया का ऐलान बुमराह की फिटनेस पर टिकी नजरें

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

श्रीलंका के खिलाफ 2 टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए भारतीय टीम की घोषणा अगले सप्ताह की जाएगी और चयन समिति की बैठक में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की फिटनेस पर गहन चर्चा होने की संभावना है। भारत 15 अगस्त को गॉल में होने वाले पहले टेस्ट मैच से दौरे की शुरुआत करेगा। दूसरा टेस्ट मैच 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा। बुमराह हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे और निर्णायक मैच से बाहर रहे थे, क्योंकि उनके बाएं घुटने में चोट लग गई थी और उसमें सूजन आ गई थी।

फिटनेस पर नजर

इस घटनाक्रम से जुड़े एक सूत्र ने बताया, 'हम उनके ठीक होने की प्रक्रिया पर नजर रख रहे हैं। टेस्ट श्रृंखला शुरू होने में अभी तीन सप्ताह का समय है , इसलिए उनके पास ठीक होने और श्रीलंका में टीम से जुड़ने के लिए पर्याप्त समय है।' भारतीय टीम 4 अगस्त तक श्रीलंका पहुंच जाएगी और वहां की परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने के लिए कोलंबो के नॉनडिस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब में चार दिवसीय मैच खेलेगी। लेकिन यह देखना बाकी है कि क्या बुमराह अगस्त के पहले सप्ताह में टीम के साथ यात्रा कर पाएंगे या नहीं।

वापसी करने के लिए तैयार जडेजा

अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ एक वनडे मैच खेलने के बाद शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम में वापसी करने के लिए तैयार हैं। श्रीलंका में उनकी भूमिका काफी महत्वपूर्ण होगी। हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए जडेजा को टीम में शामिल नहीं किया गया था, जिसमें भारत को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। जहां तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी बुमराह, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा संभालेंगे, वहीं अनुभवी कुलदीप यादव और बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार के साथ स्पिन विभाग की अगुवाई करेंगे।

विश्व जूनियर स्क्वाश चैंपियनशिप

अनाहत ने किया 21 साल का सूखा खत्म, फाइनल में एंट्री

एजेंसी ▶▶| ओंटारियो

अनाहत सिंह पिछले 21 वर्ष में विश्व जूनियर स्क्वाश चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। अनाहत से पहले भारतीय स्क्वाश की दिग्गज जोशना चिनप्पा ने 2005 में यह उपलब्धि हासिल की थी। दिल्ली की रहने वाली इस शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने सेमीफाइनल में मिस्र की तीसरी-चौथी वरीयता प्राप्त बार्ब समेह को 11-3, 8-11, 11-4, 11-6 से हराया। पिछले साल सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद कांस्य पदक जीतने वाली और विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर काबिज अनाहत भारत की पहली जूनियर विश्व स्क्वाश चैंपियन बनने से अब सिर्फ एक कदम दूर हैं। अनाहत ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं। मैं कुछ महीने पहले ब्रिटिश जूनियर ओपन में बार्ब के खिलाफ खेली थी और वह बेहद करीबी मैच था, इसलिए मुझे पता था कि मुझे वास्तव में अच्छा खेलना होगा।' उन्होंने कहा, 'मैंने कल अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया था और मुझे पता था कि मुझे आज यह दिखाना होगा कि मैं क्या कर सकती हूं।'

फाइनल में मुकाबला रुकय्या सलेम से

अनाहत ने कहा, 'मैंने चार विश्व जूनियर टूर्नामेंट में हिस्सा लिया है लेकिन क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में हार गई थी, इसलिए फाइनल में पहुंचने से मेरे माता-पिता और कोच बहुत खुश हैं, लेकिन टूर्नामेंट अभी खत्म नहीं हुआ है।' फाइनल में अनाहत का मुकाबला मिस्र की दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी रुकय्या सलेम से होगा।

काउंटी क्रिकेट डेब्यू में चमके कुलदीप, चटकाए दो विकेट

एजेंसी ▶▶| लंदन

कुलदीप यादव ने इंग्लैंड में घरेलू लिस्ट ए टूर्नामेंट वन-डे कप में यॉर्कशायर के लिए ग्लेमोर्गन के खिलाफ शानदार डेब्यू किया। उन्होंने 39 रन देकर 2 विकेट लिए। बाएं हाथ के इस चाइना मैन गेंदबाज को पहले नौ ओवर में कोई विकेट नहीं मिला था, लेकिन उन्होंने आखिरी ओवर में तीन गेंदों में दो विकेट झटक लिए।

कुलदीप ने 44वां ओवर फेंकते हुए पहली गेंद पर एलेक्स हॉर्टन को आउट किया। दो गेंद बाद जेमी मैक्लरॉय को आउट किया। यॉर्कशायर ने दाएं हाथ के मीडियम पेसर बेंजामिन क्लिफ के 29 रन

देकर चार विकेट की मदद से ग्लेमोर्गन को सिर्फ 186 रन पर रोक दिया। कुलदीप ने बल्ले से भी 12 रन बनाए और उनकी टीम ने दो विकेट से मैच जीत लिया। इंडियन प्रीमियर लीग में बल्ले से शानदार प्रदर्शन करने वाले आशुतोष शर्मा ने काउंटी में गेंद से धाक जमाई है।

15 से 30 अगस्त तक नीदरलैंड और बेल्जियम में हॉकी विश्व कप

फुल्टन का दावा, विश्व कप में 51 साल का सूखा तोड़ने को तैयार भारत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन विश्व कप में 51 साल से चले आ रहे पदक के सूखे को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और उन्होंने कहा कि हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम इस टूर्नामेंट में इतिहास रचने के लिए तैयार है। पेरिस ओलंपिक में भारत को लगातार दूसरा कांस्य पदक दिलाने वाले फुल्टन अच्छी तरह जानते हैं कि अगर भारत को 15 से 30 अगस्त तक नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले विश्व कप में पदक का सूखा खत्म करना है तो टीम को अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखनी होगी।8 बार का ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भारत विश्व कप में अभी तक केवल तीन पदक जीत पाया है। उसने अपना आखिरी पदक स्वर्ण पदक के रूप में 1975 में अजीत पाल सिंह की कप्तानी में कुआलालंपुर में जीता था। फुल्टन ने कहा, 'भारत ने आखिरी बार 1975 में यह खिताब जीता था। हमारे लिए अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखना और उसे एशियाई खेलों तक बरकरार रखना महत्वपूर्ण है।

55वीं केवीएस राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता

निशानेबाजी में शुभी ने जीता स्वर्ण

एजेंसी ▶▶| फगवाड़ा

लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (लपीयू), फगवाड़ा में आयोजित 55वीं केवीएस राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता-2026 में जबलपुर की प्रतिभाशाली निशानेबाज़ शुभी शर्मा ने अपनी उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए 10 मीटर एयर राइफल (महिला वर्ग) में स्वर्ण पदक जीतकर जबलपुर शहर एवं अपने विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। देशभर के विभिन्न केंद्रीय

विद्यालयों से चयनित शीर्ष 75 महिला खिलाड़ियों के बीच हुए कड़े मुकाबले में शुभी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस प्रतियोगिता के स्वर्ण पदक विजेताओं को अब स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की राष्ट्रीय शूटिंग प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा, जो उनके खेल करियर की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। शुभी शर्मा पिछले चार वर्षों से जबलपुर स्थित 'गन फॉर ग्लोरी' शूटिंग अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। उन्हें वरिष्ठ कोच निशांत नाथवाणी एवं सहायक कोच शक्ति चक्रवर्ती के कुशल मार्गदर्शन में निरंतर प्रशिक्षण मिल रहा है।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल प्रक्षेत्र - 1, गोमंतिका परिसर, जवाहर चौक, भोपाल
आम सूचना
हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, करोंद, बैरसिया रोड, भोपाल में स्थित शेड क्रमांक- 514 / ए मण्डल द्वारा श्री यूसुफ अली आत्मज श्री तय्यब अली के नाम पर नामांतरित है। उक्त सम्पत्ति का आवंटन दिनांक 16/04/1981 को किया गया है। श्री यूसुफ अली आत्मज श्री तय्यब अली द्वारा उक्त सम्पत्ति श्री जितेन्द्र साहू आत्मज श्री बाबूलाल साहू के पक्ष हस्तांतरण करने हेतु दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। हस्तांतरणग्र हिता / हस्तांतरणकर्ता द्वारा आवेदन, शपथ पत्र, संयुक्त शपथ पत्र इत्यादि दस्तावेज प्रस्तुत करते हुये उक्त सम्पत्ति श्री जितेन्द्र साहू आत्मज श्री बाबूलाल साहू के नाम से हस्तांतरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त दस्तावेजो के आधार पर उक्त सम्पत्ति के हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है। यदि उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी / संस्था / वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।
सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह नि. एवं अधो. वि. म. प्रक्षेत्र-1. भोपाल

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल प्रक्षेत्र - 1, गोमंतिका परिसर, जवाहर चौक, भोपाल
आम सूचना
हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, नेहरू नगर, भोपाल (म.प्र.) में स्थित फ्लेट क्रमांक एम.एफ.- 54 (द्वितीय तल) मण्डल द्वारा श्री बी. एन. सक्सेना आत्मज श्री सी. एन. सक्सेना के नाम से आवंटित है। उक्त सम्पत्ति का विक्रय विलेख पंजीयन कार्यालय से दिनांक 08/09/1999 पंजीकृत किया गया है। श्री बी. एन. सक्सेना आत्मज श्री सी. एन. सक्सेना द्वारा उक्त सम्पत्ति श्रीमती पुष्पा यादव पत्नी श्री कन्हैयालाल यादव को विक्रय विलेख के माध्यम से विक्रय कर दिया है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 09/07/2026 को पंजीयन कार्यालय से पंजीकृत है। क्रेता / विक्रेता द्वारा आवेदन, शपथ पत्र, संयुक्त शपथ पत्र, विक्रय विलेख की छायाप्रति प्रस्तुत करते हुये उक्त सम्पत्ति श्रीमती पुष्पा यादव पत्नी श्री कन्हैयालाल यादव के पक्ष में हस्तांतरित करने हेतु दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। उक्त दस्तावेजो के आधार पर उक्त सम्पत्ति के हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है। यदि उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी / संस्था / वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।
सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह नि. एवं अधो. वि. म. प्रक्षेत्र-1. भोपाल

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल प्रक्षेत्र - 1, गोमंतिका परिसर, जवाहर चौक, भोपाल
आम सूचना
हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, रूसल्ली, बैरसिया रोड, भोपाल में स्थित भूखण्ड क्रमांक एल.आई.जी. -148 मण्डल द्वारा श्रीमती गय्यूर जहां पत्नी स्व. श्री सैय्यद फारूक अली के नाम से आवंटित है। उक्त सम्पत्ति का विक्रय विलेख पंजीयन कार्यालय से दिनांक 01/03/1995 को पंजीकृत है। श्रीमती गय्यूर जहां द्वारा उक्त सम्पत्ति का मुख्तारआम श्री सैय्यद अजहर अली आत्मज स्व. श्री सैय्यद फारूक अली के पक्ष में दिनांक 19/03/2023 को पंजीयन कार्यालय से पंजीकृत है। उक्त मुख्तारग्रहिता द्वारा उक्त सम्पत्ति (1) हबीबुल हसन आत्मज श्री हसीबुल हसन (2) श्रीमती नफीस फातीमा पत्नी श्री हबीबुल हसन को विक्रय विलेख के माध्यम से विक्रय कर दिया है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 17/03/2024 को पंजीयन कार्यालय से पंजीकृत है। क्रेता/विक्रेता के मुख्तारग्रहिता द्वारा आवेदन, शपथ पत्र, संयुक्त शपथ पत्र, विक्रय विलेख की छायाप्रति प्रस्तुत करते हुये उक्त सम्पत्ति (1) हबीबुल हसन आत्मज श्री हसीबुल हसन (2) श्रीमती नफीस फातीमा पत्नी श्री हबीबुल हसन के पक्ष से हस्तांतरित करने हेतु दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। उक्त दस्तावेजो के आधार पर उक्त सम्पत्ति के हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है। यदि उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी / संस्था / वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।
सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह नि. एवं अधो. वि. म. प्रक्षेत्र-1. भोपाल

अब क्लेट प्रवेश परीक्षा में हो सकता है सुधार, एनएलआईयू के प्रोफेसर डॉ. आयुष ने दिए सुझाव

विद्यार्थियों को आधिकारिक अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराकर निजी कोचिंग पर कम की जाए निर्भरता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

देश के राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों में स्नातक (एलएल.बी.) और स्नातकोत्तर (एलएल.एम.) कोर्सेस में प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (क्लेट) परीक्षा में वर्ष 2027 से व्यापक सुधारों के लिए कंसोर्टियम ऑफ नेशनल लॉ यूनिवर्सिटीज़ द्वारा एक उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया है। इस समिति में एनएलआईयू के प्रोफेसर ने भी अपने सुझाव

दिए हैं। राष्ट्रीय विधि संस्थान विवि (एनएलआईयू), भोपाल के सहायक प्राध्यापक एवं सेंटर फॉर हेल्थ लॉ के अध्यक्ष डॉ. आयुष जायसवाल के अनुसार उन्होंने अपने पीएचडी शोध बेस्ट प्रैक्टिसेस इन लीगल एज्यूकेशन एंड रिसर्चः एक कम्प्रेटिव एनालिसिल पर आधारित सुझाव क्लेट के लिए बनाई गई विशेषज्ञ समिति को दिए हैं।

इस विशेषज्ञ समिति की अंतिम रिपोर्ट में राष्ट्रीय विधि संस्थान विवि, भोपाल के कुलपति प्रो. (डॉ.) एस. सूर्य प्रकाश का नाम उन कुलपतियों में शामिल किया गया है, जिन्होंने समिति को संस्थागत सुझाव प्रदान किए। वहीं डॉ. आयुष जायसवाल का नाम निजी व्यक्ति/संस्थाएं श्रेणी में अलग से उल्लेखित किया गया है, जिससे राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित इस परामर्श प्रक्रिया में उनके स्वतंत्र शोध-आधारित योगदान को मान्यता मिली है।

इस विशेषज्ञ समिति का उद्देश्य केट परीक्षा को अधिक पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण एवं वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाना है। इसके लिए देशभर के कुलपतियों, विधि शिक्षकों, विद्यार्थियों, संस्थानों तथा अन्य हितधारकों से सुझाव आमंत्रित किए गए थे।

ऑक्सफोर्ड, कैंब्रिज, कोलंबिया के विधि शिक्षाविद् भी सदस्य

इस समिति की अध्यक्षता सर्वोच्च न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति इंदु मल्होत्रा ने की। इस समिति में ऑक्सफोर्ड विवि, लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, कैम्ब्रिज विवि, कोलंबिया लॉ स्कूल तथा बीएमएल मुंजाल विवि के विधि शिक्षाविद् भी सदस्य हैं। डॉ. जायसवाल के अनुसार उनके शोध में हावर्ड, ऑक्सफोर्ड, कैम्ब्रिज, येल तथा स्टैनफोर्ड जैसे विश्व के अग्रणी विधि विद्यालयों की प्रवेश प्रणाली और विधि शिक्षा की सर्वोत्तम व्यवस्थाओं का भारतीय विधि विश्वविद्यालयों से तुलनात्मक अध्ययन किया गया है।

डॉ. जायसवाल ने दिए यह सुझाव

- केट परीक्षा को रटने के बजाय विश्लेषणात्मक क्षमता, तार्किक सोच और समझ पर आधारित बनाया जाए।
- अमेरिका और यूके जैसी अंतरराष्ट्रीय प्रवेश परीक्षाओं की श्रेष्ठ व्यवस्थाओं को भारतीय संदर्भ में अपनाया जाए।
- प्रश्नपत्र को अधिक अनुप्रयोग आधारित एवं आलोचनात्मक चिंतन पर केंद्रित किया जाए।
- विद्यार्थियों को आधिकारिक अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराकर निजी कोचिंग पर निर्भरता कम की जाए।
- आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक केंद्रीकृत छात्रवृत्ति डेटाबेस विकसित किया जाए, जिससे विभिन्न विश्वविद्यालयों, सरकारों एवं अन्य संस्थाओं द्वारा उपलब्ध छात्रवृत्तियों की जानकारी एक ही मंच पर मिल सके।

डॉ. सरन इंजीनियरिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर में उत्कृष्ट योगदान के लिए मानद डॉक्टरेट से सम्मानित

भोपाल। वरिष्ठ अभियंता इंजीनियर डॉ. जेएस सरन को इंजीनियरिंग एवं इंफ्रास्ट्रक्चर विकास में उत्कृष्ट

योगदान के लिए द अचीवर्स अवॉर्ड काउंसिल द्वारा मानद डॉक्टरेट से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान इंजीनियरिंग, सार्वजनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, शहरी विकास तथा राष्ट्र-निर्माण के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान, दूरदर्शी नेतृत्व, तकनीकी दक्षता एवं गुणवत्तापूर्ण विकास के प्रति आजीवन समर्पण का प्रतीक है। डॉ. जेएस सरन ने मध्य प्रदेश शासन के उद्योग विभाग में 38 वर्षों तक विशिष्ट सेवाएं प्रदान की। वे मध्य प्रदेश लघु उद्योग निगम लिमिटेड के सिविल इंजीनियरिंग एवं कंस्ट्रक्शन विंग में विभागाध्यक्ष एवं मुख्य महाप्रबंधक के पद से सेवानिवृत्त हुए। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने इंजीनियरिंग, मानव संसाधन सफल नेतृत्व करते हुए राज्य की अनेक परियोजनाओं का संचालन एवं मार्गदर्शन किया।

मोटे मुनाफे का लालच देकर फर्जी ट्रेडिंग एप से जोड़ा, 62 अरब का प्रॉफिट देख गंवा दिए करोड़ों

1600 गुना मुनाफे का लालच देकर पावर प्लांट के अधिकारी से 1.91 करोड़ की ठगी

साइबर क्राइम पुलिस ने होल्ड कराए करीब एक करोड़ रुपए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शेयर बाजार में मोटा मुनाफा कमाने का प्रलोभन देकर साइबर जालसाजों ने 67 साल के बुजुर्ग को 3.91 करोड़ रुपए की चपत लगा दी।

जालसाजों ने उन्हें एक फर्जी ट्रेडिंग एप से जोड़कर निवेश की रकम लगातार बढ़ती हुई दिखाई। एप पर कुछ ही दिनों में उनकी संपत्ति 62.31 अरब रुपए तक पहुंचती दिखाई दी। लेकिन जब उन्होंने रकम निकालनी चाही तो प्रोसेसिंग फीस, टैक्स और अनलॉक चार्ज के नाम पर लगातार वसूली करते रहे। अंत में न तो फरियादी को अरबों रुपए मिले और न ही उनकी जीवनभर की जमापूंजी वापस मिली। साइबर सेल ने प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।पुलिस के मुताबिक फरियादी अशोक कुमार सागर जिले के एक पावर प्लांट में अधिकारी हैं।

विगत 26 मई 2026 को सोशल मीडिया पर शेयर बाजार में निवेश से जुड़ा एक विज्ञापन देखने के बाद उनसे एक महिला ने संपर्क किया।

महिला ने खुद को नामी कंपनी का ब्रोकर बताया

महिला ने खुद को नामी निवेश कंपनी का ब्रोकर बताते हुए कम समय में अधिक मुनाफे का भरोसा दिलाया। इसके बाद फरियादी के मोबाइल में एफएसपीएल स्मार्ट नाम का ट्रेडिंग एप डाउनलोड कराया गया। शुरुआत में कम रकम निवेश कराई गई और एप पर उसका कई गुना रिटर्न दिखाया गया। आरोपियों ने आईपीओ, प्राइमरी मार्केट और विशेष ट्रेडिंग अवसरों का हवाला देकर अलग-अलग बैंक खातों में कुल 3.91 करोड़ रुपए जमा करा लिए। करीब एक माह बाद एप पर निवेश 62.31 अरब रुपए दिखाई देने लगा।

मादक पदार्थ वाहन सहित 21 लाख रुपए से अधिक की संपत्ति बरामद

मंदसौर में 465 किलो डोडाचूरा और परिवहन में इस्तेमाल वाहन जब्त

मंदसौर जिले की थाना अफजलपुर पुलिस ने स्कॉर्पियो वाहन से 465 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा बरामद किया गया। पुलिस ने मौके से मादक पदार्थ एवं वाहन सहित लगभग 21 लाख 30 हजार रुपए मूल्य की सामग्री जब्त की है। मामले में अज्ञात तस्करों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश की जा रही है। 24 जुलाई की रात्रि में थाना अफजलपुर पुलिस द्वारा नियमित गश्त एवं संदिग्ध वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध स्कॉर्पियो वाहन को रोकने का प्रयास किया गया। कुछ दूरी पर अंधेरे का लाभ उठाकर वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस द्वारा वाहन की तलाशी लेने पर उसमें रखे 21 कट्टों में भरा 465 किलो डोडाचूरा बरामद हुआ। पुलिस ने 9 लाख 30 हजार रुपये मूल्य का 465 किलो डोडाचूरा तथा लगभग 12 लाख की स्कॉर्पियो जब्त की।

रंजिश में दो पक्ष आमने-सामने

लाठी डंडे और फर्सी से हमला, एक की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित गांव शाहपुरा में चुनावी रंजिश और गांव में टशन की बात को लेकर दो पक्ष आमने-सामने हो गए। इस दौरान दोनों पक्षों की ओर से जमकर लाठी डंडे चले। इस खूनी संघर्ष में दो दर्जन लोग घायल हुए थे। घटना गत 15 जुलाई की है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां इलाज के दौरान बुजुर्ग प्रेमसिंह की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस ने उक्त मामले में हत्या के प्रयास और बलवा की धाराओं में एफआईआर करते हुए 22 लोगों को आरोपी बनाया था। अब बुजुर्ग की मौत के बाद हत्या की धारा बढ़ा दी गई है। आरोपी पक्ष की ओर से भी प्रकरण दर्ज किया गया है और मरने वाले पक्ष के पंद्रह लोगों पर बलवा, हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अन्य की तलाश जारी है।

मारपीट और चुनाव में वोट नहीं देने पर हमला

पुलिस के अनुसार प्रेमसिंह गुर्जर (57) शाहपुरा गांव में रहते थे और खेती किसानी करते थे। गांव में 40 साल का लाखन सिंह गुर्जर रहता है। वह पंचायत चुनाव में सरपंच पद के लिए खड़ा हुआ था। वोट कम मिलने के कारण वह हार गया। लाखन के भाई इमरत और प्रेम सिंह के बेटे का विवाद हुआ था। विवाद के बाद मामला थाने पहुंचा और प्रेमसिंह के बेटे ने चार लोगों को खिलाफ मारपीट और अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज करा दी। लाखन का कहना था कि विवाद उसके भाई ने किया है और उसका नाम शिकायत में दर्ज क्यों कराया। इसके अलावा लाखन का यह भी कहना था कि चुनाव में प्रेमसिंह के परिवार ने उसे वोट नहीं दिया था। मारपीट और चुनाव में वोट नहीं देने की बात को लेकर लाखन सिंह ने दूसरे दिन प्रेमसिंह और उसके परिवार पर हमला कर दिया।

आज निवाड़ी जिले को मिलेगी बड़ी विकास सौगात

सीएम करेंगे 193 करोड़ों के विकास कार्यों का भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 26 जुलाई को निवाड़ीवासियों को कई सौगात देंगे। मुख्यमंत्री निवाड़ी जिले में लगभग 193 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले कुल 59 विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री निवाड़ी में 46 राजस्व स्टॉफ आवास एवं पृथ्वीपुर में 29 राजस्व स्टॉफ आवासों का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री जिला चिकित्सालय निवाड़ी के 100 बिस्तरीय भवन उन्नयन, ग्राम जेवरा ब्लॉक पृथ्वीपुर में नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन, ब्लॉक पृथ्वीपुर में नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य भवन का लोकार्पण करेंगे।

भूमिपूजन भी करेंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव लोक निर्माण, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, आयुष, उच्च शिक्षा, कौशल विकास, स्कूल शिक्षा, महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत होने वाले विकास कार्यों का भूमिपूजन भी करेंगे।

कमाली माता मंदिर की भूमि पर शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का प्रस्ताव को लेकर बोले सांसद शर्मा

करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं : सांसद शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल के लगभग 100 वर्ष पुराने एवं श्रद्धालुओं की गहरी आस्था के केंद्र कमाली माता मंदिर की भूमि पर

आलोक शर्मा

प्रस्तावित शॉपिंग कॉम्प्लेक्स निर्माण के विरोध में भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने कड़ा रुख अपनाया है। इस विषय को लेकर सांसद शर्मा ने विभिन्न धर्मगुरुओं, संत-महात्माओं एवं सर्वसमाज के प्रतिनिधियों के साथ कलेक्टर कार्यालय में बैठक कर प्रशासन के समक्ष जनभावनाओं से अवगत कराया। बैठक में सांसद आलोक शर्मा ने स्पष्ट कहा कि कमाली माता मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भोपाल की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है। मंदिर की भूमि का किसी भी प्रकार से व्यावसायिक उपयोग स्वीकार्य नहीं है। करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मंदिर की पवित्रता एवं मूल स्वरूप को बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है। यदि मंदिर की भूमि पर शॉपिंग कॉम्प्लेक्स अथवा अन्य किसी व्यावसायिक निर्माण का प्रयास किया जाता है, तो यह समाज की धार्मिक भावनाओं के प्रतिकूल होगा।

सांसद आलोक शर्मा ने प्रशासन से मांग की कि मंदिर की भूमि पर प्रस्तावित किसी भी व्यावसायिक निर्माण की प्रक्रिया को तत्काल रोका जाए तथा कमाली माता मंदिर के धार्मिक स्वरूप और पवित्रता को यथावत सुरक्षित रखा जाए।

भेल कॉलेज में हुई बैठक

विद्यार्थी, नैतिक मूल्यों और पारिवारिक दायित्वों से भी संस्कारित हों: एसडीएम खरे

एआई, रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण को प्रोत्साहन देगी जनभागीदारी समिति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी स्थित बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की जनभागीदारी की सामान्य परिषद बैठक शनिवार को आयोजित की गई।

इसकी अध्यक्षता करते हुए एसडीएम एलके खरे ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के सुचारु संचालन के लिए छात्र हित में विभिन्न अधोसंरचना विकास संबंधित निर्णयों के साथ विद्यार्थियों को

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी एवं रोजगारोन्मुखी शिक्षा को प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया गया। कॉलेज में संचालित टूरिज्म और होटल प्रबंधन संबंधी पाठ्यक्रमों की उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों और पारिवारिक दायित्वों से संस्कारित करने की आवश्यकता बताई।

उन्नत कृषि को अपनाकर अपने लाभ में वृद्धि के प्रयास करें

किसानों को दिन और रात में भी पर्याप्त बिजली की पूर्ति की जाएगी: सीएम

किसानों का कल्याण सर्वोपरि, मुख्यमंत्री दतिया से वर्चुअली खरगोन के बलराम कृषि महोत्सव से जुड़े

हरिभूमि न्यूज. भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि किसानों का कल्याण सर्वोपरि है। राज्य सरकार ने कृषक कल्याण

डॉ. मोहन यादव

वर्ष-2026 के अंतर्गत अनेक गतिविधियां आयोजित की हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को दतिया से खरगोन के कृषि महोत्सव में वर्चुअली जुड़कर संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में सिंचाई का रकबा निरंतर बढ़ रहा है। किसानों के लिए पर्याप्त बिजली की व्यवस्था की गई है। यही नहीं कृषक कल्याण वर्ष में गांव से दो पहियों से दूध और सब्जियां लेकर शहरों तक आने-जाने वाले किसान भाइयों को जीवन रक्षा के लिए हेलमेट भी प्रदान किए गए हैं। यह किसानों के लिए नवाचार भी है और सुविधा भी।

13 नवंबर तक जिले-जिले में होंगे बलराम कृषि महोत्सव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में आगामी 13 नवम्बर तक बलराम कृषि महोत्सव के साथ ही अन्य अनेक आयोजन होंगे। खेती-किसानी पर आधारित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किसानों, महिलाओं, युवाओं और गरीबों के समग्र विकास के संकल्प के साथ कार्य हो रहा है।

किसान उन्नत कृषि अपनाएं, लाभ बढ़ाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खरगोन के बलराम कृषि महोत्सव में शामिल सभी किसान भाईयों को बधाई देते हुए कहा कि उन्नत कृषि को अपनाकर अपने लाभ में वृद्धि के प्रयास करें। किसानों को दिन और रात में भी पर्याप्त बिजली की पूर्ति की जाएगी। मप्र सरकार ने कृषि कल्याण वर्ष में 16 विभागों की सहभागिता सुनिश्चित की है, जिसके फलस्वरूप किसानों की आय वृद्धि के रोडमैप को क्रियान्वित किया जाएगा।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्प्लैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादकः प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930